दिनमान | तापमान
सूर्योदय 4.56 सूर्यास्त 6.10 | अधिकतम 37° न्यूनतम 29°

वर्ष 18, अंक 328 पृष्ठ 12
कोलकाता, शनिवार, 16 मई 2026
ज्येष्ठ, कृष्णपक्ष, अमावस्या, वि.सं. 2083
मूल्य: ₹ 3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक
युवा शक्ति
कोलकाता संस्करण www.yuvashaktinews.com

आरजी कर मामले में शुभेंदु सरकार की बड़ी कार्रवाई

तीन आईपीएस अधिकारी निलंबित, ममता की भूमिका की होगी जांच

अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार आने के बाद से मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ताबड़-तोड़ फैसले ले रहे हैं. शुक्रवार को बंगाल सरकार ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले में बड़ा प्रशासनिक कदम उठाते हुए तीन आईपीएस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को नवान्न में इसकी घोषणा करते हुए कहा कि मामले की फाइल दोबारा खोली जाएगी और तत्कालीन पुलिस अधिकारियों की भूमिका की विभागीय जांच कराई जाएगी. उन्होंने यह भी संकेत दिया कि उस समय की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भूमिका की भी जांच के दायरे में समीक्षा की जाएगी.

निलंबित किए गए अधिकारियों में तत्कालीन कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल, तत्कालीन डीसी (नॉर्थ) अभिषेक गुप्ता और तत्कालीन डीसी (सेंट्रल) इंदिरा मुखोपाध्याय शामिल हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि आरजी कर कांड के दौरान मामले को संभालने में गंभीर लापरवाही और प्रक्रियागत चूक के आरोप सामने आए हैं. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा, गृह मंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभालने के बाद मैंने मुख्य सचिव और गृह सचिव से आरजी कर मामले और उसके बाद की परिस्थितियों पर

विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी. तथ्य सामने आने के बाद सरकार ने प्रारंभिक प्रशासनिक कार्रवाई का फैसला लिया है.

उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में एफआईआर दर्ज करने और शुरुआती कार्रवाई में गंभीर गड़बड़ियां हुईं. मुख्यमंत्री के मुताबिक, मीडिया रिपोर्टों से यह भी जानकारी मिली थी कि पीड़िता की मां को राज्य सरकार की ओर से पैसे देने की कोशिश की गई थी, जिसकी जांच कराई जाएगी. शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए जिन अधिकारियों पर आरोप हैं, उन्हें जांच प्रक्रिया से अलग रखा जाएगा. उन्होंने स्पष्ट किया कि सीबीआई की आपराधिक जांच में राज्य सरकार हस्तक्षेप नहीं करेगी, लेकिन राज्य पुलिस की भूमिका की अलग से समीक्षा होगी. मुख्यमंत्री ने कहा, उस समय किन अधिकारियों ने किससे बातचीत की, कॉल डिटेल, व्हाट्सएप चैट और निर्देशों की जांच की जाएगी. यह भी देखा जाएगा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री या किसी मंत्री से कोई निर्देश आया था या नहीं. उन्होंने एक महिला डीसी के प्रेस कॉन्फ्रेंस का भी उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय उनकी बॉडी लैंग्वेज और बयान राज्य के लिए सुखद नहीं थे. मुख्यमंत्री के अनुसार, वह अधिकारी आधिकारिक रूप से कोलकाता पुलिस या गृह विभाग की प्रवक्ता नहीं थीं, इसलिए यह भी जांच का विषय होगा कि उन्हें सार्वजनिक बयान देने की जिम्मेदारी किसने दी थी.

गौरतलब है कि अगस्त 2024 में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला चिकित्सक से दुष्कर्म और हत्या की घटना के बाद राज्यभर में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए थे. जूनियर डॉक्टरों के आंदोलन और बढ़ते दबाव के बीच तत्कालीन पुलिस आयुक्त विनीत गोयल को बाद में कोलकाता पुलिस से हटाकर एसटीएफ में स्थानांतरित किया गया था. वर्तमान में विनीत गोयल डीजी (आईबी), अभिषेक गुप्ता (डीआईजी) ईएफआर में कमांडेंट और इंदिरा मुखोपाध्याय सीआईडी में विशेष अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं. गौरतलब है कि 9 अगस्त 2024 को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला डॉक्टर का शव बरामद हुआ था. इस घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था.

मामले के अगले ही दिन कोलकाता पुलिस ने सिविक वॉलंटियर संजय रॉय को गिरफ्तार किया था. बाद में कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई. लंबी जांच और सुनवाई के बाद 18 जनवरी 2025 को सियालदह कोर्ट ने आरोपी संजय रॉय को दोषी करार दिया. इसके बाद 20 जनवरी 2025 को जज अनिर्बाण दास ने उसे उम्रकैद की सजा सुनाई.

राजाबाजार में सड़क पर जुमे की नमाज को लेकर टकराव

पुलिस के एक्शन के बाद मचा हंगामा

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन के बाद पहली बार नमाज को लेकर टकराव सामने आया है. शुक्रवार को सड़क पर नमाज पढ़ने के लेकर विवाद हो गया. इसके बाद हंगामा हुआ और फिर पुलिस को एक्शन लेना पड़ा. जानकारी के अनुसार नामाजियों ने दावा कि वे सालों से सड़क पर नमाज पढ़ने आ रहे हैं., हालांकि पुलिस के कड़े रुख के बाद नामाजियों ने सड़क खाली कर दी. यह घटना कोलकाता के राजा बाजार में हुई. कोलकाता में यह घटना ऐसे वक्त पर सामने आई है जब राज्य के नए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी साफ कर चुके हैं कि सड़क पर नामाज नहीं पढ़ने दी जाएगी.

सत्ता परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री बने शुभेंदु अधिकारी की अगुवाई वाली सरकार ने सड़क पर धार्मिक गतिविधियों पर रोक लगा दी है. राज्य सरकार ने कहा है कि सड़क पर कोई भी धार्मिक कार्यक्रम नहीं होगा. मंदिर या फिर मस्जिद कहीं भी तेज आवाज में लाउडस्पीकर नहीं बजेगा. शुक्रवार को जब राजा बाजार में सड़क पर जुमे की नमाज पढ़ने के लिए जब लोग जमा हुए थे तो उन्हें पुलिस के कड़े रुख के बाद वापस लौटना पड़ा. पुलिस ने जब सड़क पर नमाज पढ़ने से लोगों को रोक तो उन्होंने इसका विरोध किया.

बड़ी संख्या में पुलिस की मौजूदगी के बाद हंगामा हुआ. सरकार ने आदेश जारी किया है कि सड़क पर धार्मिक गतिविधि नहीं हो सकती है. चाहे वो किसी मजहब के हों. शुक्रवार को जब पुलिस ने मना किया तो मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नारेबाजी की. बंगाल में 9 मई को शुभेंदु अधिकारी ने शपथ ली थी. इसके बाद नमाज को लेकर हंगामे की यह पहली घटना है.

पीएम मोदी के यूएई दौरे से भारत की उपलब्धियां

तेल, एलएनजी-एलपीजी और 5 अरब डॉलर का निवेश

प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति अल नाहयान से मिले

अबू धाबी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यूएई पहुंचे. यहां राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने एयरपोर्ट पर खुद स्वागत उनका किया और औपचारिक सम्मान दिया. इसके बाद बैठक में पीएम मोदी ने यूएई पर हुए हमलों की कड़ी निंदा दोहराई और कहा कि भारत यूएई के साथ मजबूती से खड़ा है. पीएम ने साफ कहा कि होर्मुज से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही बेहद जरूरी है, क्योंकि इसका असर ऊर्जा सप्लाई, खाद्य सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता पर पड़ता है.

दोनों नेताओं ने भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की और माना कि व्यापार, निवेश, रक्षा, ऊर्जा, फिनटेक, शिक्षा और सांस्कृतिक रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं. सीईपीए समझौते का भी जिक्र हुआ. इसके बाद दोनों देशों के बीच व्यापार में बड़ा इजाफा देखने को मिला है. ऊर्जा क्षेत्र में यूएई को भारत का अहम साझेदार बताया. कच्चा तेल, एलएनजी और एलपीजी सप्लाई को

लेकर सहयोग और बढ़ाने पर सहमति बनी.एडीएनओसी और इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिज़र्व्स लिमिटेड के बीच बड़ा समझौता हुआ. इसके तहत भारत के स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिज़र्व में यूएई की भागीदारी 30 मिलियन बैरल तक बढ़ेगी. साथ ही भारत में स्ट्रेटेजिक गैस रिज़र्व बनाने पर भी साथ काम होगा. आईओसीएल और एडीएनओसी के बीच एलपीजी सप्लाई का भी समझौता हुआ.

यूएई की कंपनियों ने भारत में कुल 5 अरब डॉलर निवेश का ऐलान किया. इसमें 3 अरब डॉलर आरबीएल बैंक में, 1 अरब डॉलर इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में और 1 अरब डॉलर सम्मान कैपिटल में निवेश शामिल है.

रक्षा सहयोग को दोनों देशों की साझेदारी का अहम स्तंभ बताया गया. स्ट्रेटेजिक डिफेंस पार्टनरशिप फ्रेमवर्क पर हस्ताक्षर हुए, जिसमें रक्षा उत्पादन, नई तकनीक, साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा, ट्रेनिंग और संयुक्त अभ्यास पर फोकस रहेगा. कोचीन शिपयार्ड और ड्राईडॉक्स वर्ल्ड दुबई के बीच गुजरात के वाडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर बनाने का समझौता हुआ. भारत को शिपबिल्डिंग और शिप रिपेयर में स्किल हब बनाने के लिए एक अलग समझौता भी हुआ, जिसके तहत युवाओं को ट्रेनिंग और रोजगार पर काम किया जाएगा. भारत के सीडीएसी और यूएई की जी-42 के बीच 8 एक्साफ्लॉप सुपर कंप्यूट क्लस्टर बनाने को लेकर टर्म शीट साइन हुई.

पेट्रोल-डीजल 3 रुपये महंगा हुआ

मोबाइल रिचार्ज दर भी बढेगी?

नयी दिल्ली: भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3-3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है. इसका असर टेलीकॉम सेक्टर पर भी दिखने को मिल सकता है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मोबाइल टावर को चलाने में आने वाले पूरा खर्च का 40 प्रतिशत खर्च सिर्फ पेट्रोल और बिजली में जाता है. ऐसे में पेट्रोल-डीजल के महंगा होना टेलीकॉम कंपनियों का सैकड़ों करोड़ रुपये का खर्चा बढ़ाएगा. यह खर्चा टैरिफ बढ़ाकर ग्राहकों से निकाला जा सकता है. मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में पेट्रोल की नई कीमत 107 रुपये तक पहुंच गई है. बढ़ती कीमतें लोगों में परेशानी बढ़ा रही हैं. लेकिन यह कीमतों की बढ़ोतरी सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है. पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों का असर मोबाइल रिचार्ज प्लान पर भी देखने को मिल सकता है.इस कारण कंपनियां ये पैसे अपने ग्राहकों से निकाल सकती हैं.

शुभेंदु सरकार को अश्विनी वैष्णव ने दिया गिफ्ट

रेलवे के 3 प्रोजेक्ट मंजूर, कई लंबित परियोजनाओं पर काम शुरू

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में बड़ा राजनीतिक बदलाव आया है. 'डबल-इंजन' सरकार के आने के साथ ही केंद्र सरकार बंगाल के प्रति उदार हो गई है. केंद्र ने राज्य के लिए तीन रेल परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है. केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को पत्र लिखकर नई रेल लाइन परियोजनाओं के लिए सर्वेक्षण कराने की मंजूरी दी है. रेल मंत्रालय की ओर से मंजूर की गई परियोजनाओं में नई रेल लाइन, सर्वे और रेल कनेक्टिविटी से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं.पहली परियोजना के तहत शालबनी-आद्रा तीसरी रेल लाइन के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे (एफएलएस) और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने को मंजूरी दी गई है. जो करीब 107 किलोमीटर लंबी है. यह परियोजना क्षेत्रों की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी. दूसरे पत्र में बताया गया है कि रेल मंत्रालय ने कोलकाता (संतरागाछी) से जयपुर (खातीपुरा) के बीच नई ट्रेन संतरागाछी-खातीपुरा एक्सप्रेस वाया खड़गपुर के परिचालन को मंजूरी दी है.तीसरी परियोजना के अंतर्गत न्यू जलपाईगुड़ी से सिलीगुड़ी जंक्शन के बीच लगभग 7.15 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन के सर्वे कार्य को मंजूरी दी गई है. पेज 9 पर जारी

एमपी हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

भोजशाला को मंदिर करार दिया, हिंदू पक्ष की मांग मंजूर

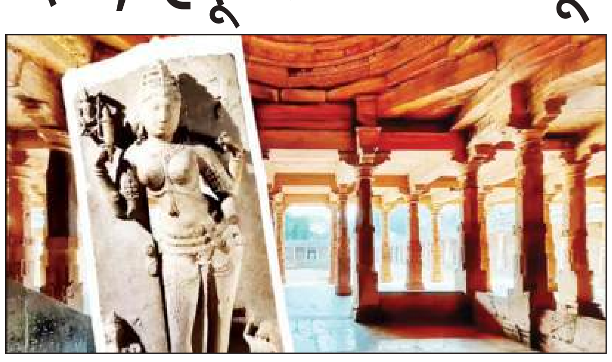

नमाज नहीं, लंदन से आएगी वाग्देवी की मूर्ति

इंदौर: मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर बेंच ने धार की कमालमौला मस्जिद या भोजशाला विवाद में फैसला सुना दिया है. हिंदू पक्ष की मांग मंजूर करते हुए कोर्ट ने माना कि एएसआई की रिपोर्ट के आधार पर भोजशाला मंदिर है. इसके बाद धार और इंदौर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है. फैसले पर हिंदू पक्ष ने खुशी जताई है. वहीं, मुस्लिम पक्ष ने कहा है कि हम इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे. वहीं, इस फैसले पर हिंदू फ्रंट ऑफ जस्टिस के विष्णु शंकर जैन ने इस फैसले पर खुशी जाहिर की है. उन्होंने कहा कि कोर्ट ने हिंदू पक्ष को पूजा करने की मंजूरी दी है. साथ ही उन्होंने कहा कि कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को कहा है कि मुस्लिम पक्ष अगर चाहे तो सरकार उन्हें अलग से मस्जिद के लिए जमीन दे सकती है. जस्टिस विजय कुमार शुक्ला ने फैसला सुनाते हुए हिंदू पक्ष की मांग मंजूर कर ली है. साथ ही हिंदू पक्ष को पूजा-पाठ की अनुमति दे दी है. पूरा भोजशाला परिसर हिंदुओं का होगा. वहीं, मुस्लिम पक्ष ने कहा है कि हम इस फैसले को स्वीकार नहीं करते हैं. पेज 9 पर जारी

भाजपा विधायक रथिंद्र बोस पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित

कोलकाता: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से विधायक रथिंद्र बोस शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुए. वह राज्य के उत्तरी भाग से इस पद को संभालने वाले पहले विधायक बन गए हैं. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सदन में उनके नाम का प्रस्ताव रखा, जिसके बाद प्रोटेम स्पीकर (अस्थायी अध्यक्ष) तापस रॉय ने ध्वनि मत से मतदान कराया. सभी 207 भाजपा विधायकों द्वारा बोस के पक्ष में अपना समर्थन देने के बाद अस्थायी अध्यक्ष ने उन्हें विधानसभा अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को कूच बिहार दक्षिण से भोजशाला को मंदिरविधायक बोस को नवगठित 18वीं पश्चिम बंगाल विधानसभा में अध्यक्ष पद के लिए भाजपा उम्मीदवार घोषित किया, जबकि विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस ने उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया. बोस ने विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन गुरुवार को दाखिल किया. हाल में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत के बाद 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा को 207 विधायकों का बहुमत प्राप्त है, इसलिए बोस का अध्यक्ष बनना महज एक औपचारिकता थी. तृणमूल कांग्रेस के चुनाव से दूर रहने के फैसले ने उनके निर्विरोध चयन का मार्ग प्रशस्त किया. बोस स्वतंत्रता के बाद के इतिहास में पश्चिम बंगाल विधानसभा में अध्यक्ष पद संभालने वाले उत्तर बंगाल के पहले विधायक बन गए हैं. इस घटनाक्रम को भाजपा सरकार द्वारा उस क्षेत्र के प्रति एक रणनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है जो पिछले एक दशक में राज्य में भाजपा के सबसे मजबूत राजनीतिक गढ़ में से एक के रूप में उभरा है. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े और पेशे से चार्टर्ड

अकाउंटेंट (सीए) बोस उत्तर बंगाल की राजनीति में एक जाना-पहचाना चेहरा हैं.

बोस का चुनाव राज्य में लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक परंपरा में एक बदलाव के रूप में भी देखा जा रहा है जहां पार्टियां पारंपरिक रूप से विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए वकीलों या कानूनी पृष्ठभूमि वाले विधायकों को प्राथमिकता देती रही हैं. तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार के दौरान वरिष्ठ विधायक बिमान बनर्जी विधानसभा अध्यक्ष रह चुके हैं. इससे पहले, वाम मोर्चा के नेतृत्व वाली सरकारों के अंतर्गत सैयद अब्दुल मंसूर हबीबुल्ला और हाशिम अब्दुल हलीम जैसे नेता इस पद पर आसीन हो चुके हैं. बोस के विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने के बाद शुभेंदु अधिकारी ने सदन को संबोधित किया. विपक्ष के नेता शोभनदेब चट्टोपाध्याय ने भी नए विधानसभा अध्यक्ष का स्वागत करते हुए सदन को संबोधित किया और चुनाव के बाद कथित हिंसा का मुद्दा उठाया.

मंत्री बनने के बाद पहली बार आसनसोल पहुंचीं अग्निमित्र पॉल

भ्रष्टाचार और प्रदूषण पर दी कड़ी चेतावनी

आसनसोल :पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद अग्निमित्र पॉल शुक्रवार को पहली बार अपने विधानसभा क्षेत्र आसनसोल दक्षिण पहुँचीं. उनके आगमन को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया. राष्ट्रीय राजमार्ग से लेकर शहर के विभिन्न हिस्सों तक ढोल-नगाड़ों और फूलों के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया.**कार्यकर्ताओं का आभार और विकास का संकल्प**संवाददाताओं से बात करते हुए अग्निमित्र पॉल ने इस जीत और मंत्री पद की जिम्मेदारी को जनता का आशीर्वाद बताया. उन्होंने कहा:कार्यकर्ताओं की मेहनत: इस सफलता का श्रेय उन जमीनी कार्यकर्ताओं को जाता है जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी संघर्ष किया.बुनियादी सुविधाएं: उन्होंने आश्वासन दिया कि अब विकास घर-घर पहुँचेगा. पेयजल, सड़कों की मरम्मत और शौचालयों के निर्माण जैसी बुनियादी सेवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी.**पिछली सरकार के 'दबे मामलों' पर कड़ा रुख**प्रशासनिक कामकाज को लेकर मंत्री ने कड़ा संदेश दिया है. उन्होंने स्पष्ट किया कि: भ्रष्टाचार, हत्या और साजिश में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा.उनका आरोप है कि पूर्ववर्ती सरकार ने कई महत्वपूर्ण मामलों को दबा दिया था. अब उन सभी फाइलों और केसों को फिर से खोलकर पुनः जांच की जाएगी.उन्होंने नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्हें एक डायनामिक और सक्रिय नेता बताया.**प्रदूषण और अवैध खनन पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' की तैयारी**औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण अग्निमित्र पॉल ने प्रदूषण के मुद्दे पर सख्त रवैया अपनाया:अवैध कारोबार: दामोदर नद से अवैध बालू और कोयला चोरी को पूरी तरह बंद किया जाएगा.उद्योगों को निर्देश: मंगलपुर औद्योगिक क्षेत्र की फैक्ट्रियों को प्रदूषण नियंत्रण यंत्र चलाने का सख्त निर्देश दिया जाएगा.

स्वास्थ्य सुरक्षा: उन्होंने कहा कि वक्तरनगर और आसपास के इलाकों में लोगों को फेफड़ों की बीमारी से बचाने के लिए प्रशासन सख्त कदम उठाएगा.

नियमों का उल्लंघन करने वाली फैक्ट्रियों पर कड़ी कार्रवाई होगी.पुलिस और कानून व्यवस्थाअंडाल थाने के एक एएसआई के साथ हुए कथित अन्याय के सवाल पर मंत्री ने कहा कि वह इस मामले में पूरी जानकारी जुटाने के बाद पुलिस कमिश्नर से सीधे बात करेंगी और सुनिश्चित करेंगी कि न्याय हो.इस भव्य स्वागत समारोह ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा के नए नेतृत्व वाली सरकार में अग्निमित्र पॉल आसनसोल और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों के लिए एक सक्रिय और कड़े प्रशासक के रूप में कार्य करने को तैयार हैं.

हावड़ा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: उत्तर हावड़ा के बाद अब लिलुआ में दो कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

हावड़ा : हावड़ा सिटी पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अपने विशेष अभियान में एक और बड़ी सफलता हासिल की है. दो दिन पहले उत्तर हावड़ा के कुख्यात अपराधी आकाश सिंह की गिरफ्तारी के बाद, अब लिलुआ थाने की पुलिस ने दो और शातिर बदमाशों को धर दबोचा है.पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए बदमाशों की पहचान इस प्रकार हुई है: रंजीत कर्मकार उर्फ लालू,राजवीर सिंह उर्फ घेंटूपुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, ये दोनों अपराधी पिछले कई वर्षों से इलाके में सक्रिय थे. इन पर जबरन जमीन कब्जा करने, रंगदारी वसूलने और विभिन्न असामाजिक गतिविधियों में शामिल होने के गंभीर आरोप हैं. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र में इनका काफी प्रभाव था और इन्हें सत्ताधारी दल (तृणमूल) का करीबी माना जाता था.विधानसभा चुनाव के बाद इलाके में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए हावड़ा सिटी पुलिस के मार्गदर्शन में एक विशेष तलाशी अभियान शुरू किया गया है. लिलुआ थाने की यह कार्रवाई उसी अभियान का हिस्सा है. पुलिस का मानना है कि इन गिरफ्तारियों से इलाके में संगठित अपराध की कमर टूटेगी.हावड़ा के अलग-अलग हिस्सों से लगातार हो रही कुख्यात अपराधियों की गिरफ्तारी के बाद आम जनता ने राहत की सांस ली है. पुलिस ने बताया कि धृत आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी, जिससे उनके गिरोह के अन्य सदस्यों और भविष्य की साजिशों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है.

रायगंज में तृणमूल के पूर्व पार्षद गिरफ्तार, उगाही और मारपीट काआरोप

उत्तर दिनाजपुर : रायगंज में मारपीट, छेड़छाड़, दुकान कब्जा और उगाही जैसे गंभीर आरोपों में तृणमूल से जुड़े पूर्व पार्षद अभिजीत साहा उर्फ बापी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. पूछताछ के बाद शुक्रवार सुबह गिरफ्तारी की गई.आरोप है कि देवीनगर इलाके में एक महिला की इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान पर हमला कर मारपीट, तोड़फोड़ और नकदी लूट की गई. साथ ही लंबे समय से दुकान कब्जाने और उगाही की धमकी देने का भी आरोप है. पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार किया.अदालत में पेश करने पर उन्हें एक दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है. उन पर हत्या के प्रयास, उगाही और छेड़छाड़ समेत कई गैर-जमानती धाराएं लगाई गई है.स्थानीय लोगों का दावा है कि इलाके में लंबे समय से जबरन वसूली और दबंगई चल रही थी, लेकिन अब एक के बाद एक शिकायतें सामने आ रही है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.

हरिश्चंद्रपुर में सड़क हादसे के बाद बवाल, पुलिस पर पथराव

मालदा : सड़क हादसे में एक युवक की मौत के बाद मालदा के हरिश्चंद्रपुर थाना के कुशिदा इलाके में हालात बेकाबू हो गए. मृतक के शव को उठाने पहुंची पुलिस को गुस्साए लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा और देखते ही देखते मामला हिंसक झड़प में बदल गया.मिली जानकारी के अनुसार, कुशिदा-तुलसिहाटा राज्य मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से शुक्रवार को बाइक सवार हसन अली (21) की मौत हो गई, जबकि उनकी बहन गंभीर रूप से घायल हो गई. हादसे के बाद जब पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने लगी, तो परिजनों और स्थानीय लोगों ने विरोध शुरू कर दिया.आरोप है कि स्थिति बिगड़ने पर भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया और एक पुलिस वाहन में तोड़फोड़ की. इस घटना में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए. हालात काबू में लाने के लिए पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने का भी आरोप है, जिसमें मृतक की मां घायल हो गईं.वहीं, पुलिस का कहना है कि उन्होंने कोई लाठीचार्ज नहीं किया, बल्कि भीड़ ने अचानक हमला किया.

महिला सफाईकर्मी से अभद्रता का आरोप, पूर्व पार्षद की गिरफ्तारी नहीं होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

कोलकाता : रामपुरहाट नगर पालिका क्षेत्र में एक अस्थायी महिला सफाईकर्मी के साथ कथित अभद्रता और धमकी देने का मामला सामने आया है. इस घटना को लेकर इलाके में तनाव का माहौल है और सफाईकर्मियों ने कड़ा रुख अपनाया है. सफाईकर्मियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द आरोपित की गिरफ्तारी नहीं की गई, तो वे नगर पालिका क्षेत्र में अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार और धरना प्रदर्शन शुरू करेंगे. सफाईकर्मियों का कहना है कि जब तक न्याय नहीं मिलेगा, तब तक काम बंद रहेगा.जानकारी के अनुसार, वार्ड नंबर-4 की अस्थायी महिला सफाईकर्मी रूमा हाजरा ने आरोप लगाया है कि शुक्रवार सुबह काम की हाजिरी देने के बाद जब वह लौट रही थीं, तभी डाक बांग्ला मोड़ के पास उनका रास्ता रोककर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया. इस मामले में अब्बास हुसैन जो तृणमूल कांग्रेस के पूर्व पार्षद बताए जा रहे हैं, के खिलाफ आरोप लगाए गए हैं.पीड़िता का कहना है कि वह हाल ही में वेतन बढ़ोतरी की मांग को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष के पास गई थीं. इसी बात को लेकर आरोपित ने उन्हें रास्ते में रोककर गाली-गलौज की और धमकाया. उन्होंने आरोप लगाया कि उनके साथ बेहद अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया. घटना के बाद रूमा हाजरा ने रामपुर पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई है. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

वहीं, नगर पालिका के अस्थायी सफाईकर्मियों का आरोप है कि गुरुवार को वेतन समय पर देने की मांग को लेकर उन्होंने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया था. उनका कहना है कि इसी कारण नाराज होकर आरोपित ने इस तरह की घटना को अंजाम दिया.हालांकि, आरोपित अब्बास हुसैन ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया है और कहा है कि उन्हें राजनीतिक रूप से बदनाम करने की कोशिश की जा रही है.फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है.

कोयला कारोबारियों से रंगदारी वसूली के दो आरोपितों को छह दिनों की पुलिस हिरासत

आसनसोल : दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट (एडीपीसी) अंतर्गत जामुड़िया से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां कोयला कारोबारियों और डीओ कोयला लदे वाहनों के चालकों से हथियार के बल पर रंगदारी वसूलने के आरोप में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मुन्ना सिंह (32) और विजय सिंह (38) के रूप में हुई है. दोनों अंडाल थाना क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं. शुक्रवार को दोनों को आसनसोल अदालत में पेश किया गया, जहां उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई और अदालत ने उन्हें छह दिनों की पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया.यह कार्रवाई आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट की टीम द्वारा की गई. पुलिस ने आरोपितों के पास से एक पिस्तौल, 50 राउंड कारतूस, 84 हजार रुपये नकद और एक चारपहिया वाहन बरामद किया गया है.बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से पुलिस को लगातार शिकायत मिल रही थी कि देर रात कुछ बदमाश ईसीएल के वैध कोयला डिपो और डीओ कोयला लदे वाहनों के चालकों को हथियार दिखाकर डराते हैं और उनसे मोटी रकम वसूलते हैं. इन शिकायतों के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की.मिली सूचना के आधार पर जामुड़िया थाना अंतर्गत केंदा चौकी की पुलिस ने गुरुवार देर रात विशेष अभियान चलाया. इस दौरान दोनों आरोपितों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया.पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में एक बड़े गिरोह के शामिल होने की आशंका है. आरोपितों से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस रैकेट का मुख्य सरगना कौन है और इसमें और कौन-कौन लोग शामिल हैं.

मालदा में हथियार तस्करी नाकाम, दो गिरफ्तार

मालदा: जिले में एक बार फिर बड़े हथियार तस्करी के प्रयास को कालियाचक थाने की पुलिस ने नाकाम कर दिया है. गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तस्करी से पहले ही दो कुख्यात तस्करों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मंगल मंडल (27) और सुजन मंडल (20) के रूप में हुई है. मंगल इंग्लिशबाजार के गौड़ इलाके का निवासी है, जबकि सुजन कालियाचक के उमाकांतटोला का रहने वाला है. शुक्रवार को मालदा के पुलिस अधीक्षक अनुपम सिंह ने पत्रकार सम्मेलन कर इसकी जानकारी दी.उन्होंने बताया कि शुरुआती पूछताछ में सामने आया है कि ये हथियार बिहार से लाए गए थे. शुक्रवार को दोनों आरोपितों को मालदा जिला अदालत में पेश किया गया. जहां सात दिन की पुलिस हिरासत की मांग की गई है.पुलिस सूत्रों के अनुसार, गुरुवार शाम कालियाचक थाने की पुलिस को सूचना मिली थी कि शाहबाजपुर से शारदा की ओर एक मोटरसाइकिल पर बड़ी मात्रा में हथियार ले जाए जा रहे है. सूचना पाकर पुलिस की एक विशेष टीम ने शारदा इलाके में घेराबंदी कर दी. संदिग्ध बाइक को रोककर तलाशी लेने पर जांचकर्ताओं के होश उड़ गए. दोनों युवकों के पास से कुल चार पाइपगन बरामद किए गए. हालांकि उनके पास से कोई कारतूस या जिंदा गोली नहीं मिली.पुलिस यह जांच कर रही है

साथ ही आरोपितों से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि ये हथियार किसे और कहां भेजे जाने थे.

ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात व्यक्ति की मौत

पश्चिम मेदिनीपुर : जिले के बेलदा थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह रेल की चपेट में आकर एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई. बताया जा रहा है कि अप लाइन या मिडिल लाइन से गुजर रही तेज रफ्तार एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौके पर ही कटकर मौत हो गई.घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. स्थानीय लोगों की सूचना पर रेल पुलिस मौके पर पहुंची

न्यूज कॉर्नर

दुर्गापुर में तृणमूल का एक और पूर्व काउंसिलर गिरफ्तार

कोलकाता : पश्चिम बर्दवान जिले के दुर्गापुर से बड़ी खबर सामने आई है, जहां तृणमूल कांग्रेस के पूर्व काउंसिलरों पर पुलिस ने लगातार कार्रवाई शुरू कर दी है. इस कार्रवाई के तहत पूर्व काउंसिलर मानस राय को एक बार फिर गिरफ्तार किया गया है. उन पर अवैध वसूली और आर्थिक धोखाधड़ी के गंभीर आरोप हैं. इससे पहले भी पुलिस उन्हें उनके बेटे के साथ इसी तरह के मामलों में गिरफ्तार कर चुकी थी.बताया जा रहा है कि चुनाव परिणाम आने के बाद मानस राय ने तृणमूल के खिलाफ खुलकर बयानबाजी की थी और पार्टी छोड़ने का ऐलान किया था, लेकिन इसके बावजूद कानूनी कार्रवाई से उन्हें राहत नहीं मिल सकी. गुरुवार रात पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया और शुक्रवार को दुर्गापुर अदालत में पेश किया गया.इसी कड़ी में शहर के एक और पूर्व तृणमूल काउंसिलर हेरा बाउरी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है. फरीदपुर के रहने वाले हेरा बाउरी पर भी लंबे समय से रंगदारी वसूली और दबंगई के कई आरोप लगे हुए थे.राज्य में सरकार बदलने के बाद पुलिस प्रशासन की ओर से रंगदारी वसूली और गुंडागर्दी के खिलाफ सख्त रुख अपनाने के संकेत पहले ही दे दिए गए थे. अब उसी के तहत जिले में लगातार कार्रवाई देखने को मिल रही है. इन गिरफ्तारियों के बाद स्थानीय लोगों में संतोष का माहौल है और वे इसे कानून व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम मान रहे हैं.फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और आने वाले दिनों में इस तरह की कार्रवाई और तेज होने की संभावना जताई जा रही है.

प्रेम नगर में युवक की मौत के बाद लोगों में आक्रोश

बर्दवान : बर्नपुर के प्रेम नगर इलाके में एक युवक की मौत के बाद स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी फैल गई है. मृतक की पहचान साहिद कालिंदी के रूप में हुई है. घटना बस स्टैंड के पीछे स्थित क्षेत्र की बताई जा रही है, जहां रहने वाले एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई.परिजनों का आरोप है कि पांच तारीख को इलाके के ही निवासी विनोद और उसके परिवार के कुछ लोगों ने साहिद की बेरहमी से पिटाई की थी. इस घटना में दो अन्य लोगों के शामिल होने का भी आरोप लगाया गया है.परिजनों के अनुसार, आरोपितों ने साहिद पर बाल्टी चोरी का झूठा आरोप लगाया था. उन्होंने कहा कि युवक अपनी सफाई देता रहा, लेकिन उसकी एक नहीं सुनी गई और उसे बुरी तरह पीटा गया. गंभीर रूप से घायल साहिद को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां शुक्रवार इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.घटना के बाद मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों में आक्रोश है. उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई और सख्त सजा की मांग की है.

ओल्ड मालदा में दो साल बाद अवैध रूप से भरा गया तालाब फिर हुआ बहाल

मालदा : राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद अवैध कामों और जलाशयों को भरने के खिलाफ प्रशासन सख्त हो गया है. इसी कड़ी में ओल्ड मालदा के साहापुर स्थित मोड्ग्राम इलाके में करीब दो साल पहले अवैध रूप से भरे गए एक बड़े तालाब को भूमि एवं भूमि सुधार विभाग ने विशेष अभियान चलाकर पुनः बहाल कर दिया.स्थानीय सूत्रों के अनुसार, लगभग दो बीघा जमीन के बीच स्थित इस तालाब को रात के अंधेरे में प्रशासन की नजरों से बचाकर भर दिया गया था. उस समय विरोध के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई थी. लेकिन सरकार बदलने के बाद प्रशासन सक्रिय हुआ और अब तालाब को फिर से खोदकर उसका अस्तित्व लौटाया गया.इस मामले में विभागीय अधिकारी सौमेंद्रनाथ साहा ने शुक्रवार को विस्तृत टिप्पणी से बचते हुए कहा कि कार्रवाई सरकारी नियमों के तहत की गई है और बाकी जानकारी उच्च अधिकारी देंगे.वहीं, इस मुद्दे को लेकर भाजपा ने पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधा है.पंचायत समिति की अध्यक्ष रुम्पा राजवंशी ने आरोप लगाया कि पहले कई जलाशयों को अवैध रूप से भरा गया, लेकिन शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई. उन्होंने मांग की कि इस घटना में शामिल लोगों की पहचान कर सख्त कदम उठाए जाएं.प्रशासन के इस कदम को इलाके में अहम माना जा रहा है और संकेत हैं कि आगे भी अवैध कब्जों और जलाशय माफियाओं के खिलाफ अभियान जारी रहेगा.

कद्दावर टीएमसी नेता और पूर्व चेयरमैन चंचल खांडा गिरफ्तार, 24 घंटे की पूछताछ के बाद बड़ी कार्रवाई

तमलुक : पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बदलाव के बाद प्रशासनिक सक्रियता के बीच पूर्व मेदिनीपुर जिले के तामलुक से एक बड़ी खबर सामने आ रही है. पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस के प्रभावशाली नेता और तामलुक नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन चंचल खाँड़ा को गिरफ्तार कर लिया है. उनकी गिरफ्तारी के बाद जिले के राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है.

तामलुक पुलिस ने गुरुवार सुबह तामलुक संगठनात्मक जिला तृणमूल कांग्रेस के उपाध्यक्ष चंचल खाँड़ा को हिरासत में लिया था. उनसे थाने में लगभग घंटे तक मैराथन पूछताछ की गई. पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान कई सवालों के संतोषजनक जवाब न मिलने के बाद उन्हें आधिकारिक तौर पर गिरफ्तार कर लिया गया.पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, चंचल खाँड़ा के खिलाफ लंबे समय से कई गंभीर मामले लंबित थे. उन पर मुख्य रूप से निम्नलिखित आरोप हैं:हत्या का प्रयास: जानलेवा हमले की साजिश में शामिल होने का आरोप.जालसाजी सरकारी या निजी कार्यों के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करने का मामला.धोखाधड़ी: वित्तीय अनियमितताओं और लोगों को ठगने से जुड़ी कई शिकायतें.राज्य में सत्ता परिवर्तन और राजनीतिक समीकरणों के बदलने के बाद पुलिस की इस कार्रवाई को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है. स्थानीय लोगों और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि प्रशासन अब उन रसूखदार नेताओं पर शिकंजा कस रहा है, जो लंबे समय से पहुँच के कारण कानूनी कार्रवाई से बचे हुए थे.चंचल खाँड़ा की गिरफ्तारी की खबर जंगल की आग की तरह फैली और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई. जहाँ विपक्षी दलों के समर्थक इसे न्याय की शुरुआत बता रहे हैं, वहीं तृणमूल के कुछ धड़े इसे राजनीतिक बदले की भावना से की गई कार्रवाई करार दे रहे हैं. फिलहाल, तामलुक शहर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस आरोपियों से जुड़े अन्य सुराग तलाश रही है.

दुर्गापुर : भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोपित को छोड़ने पर किया थाना घेराव

: दुर्गापुर में कानून व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सियासी घमासान तेज हो गया है. न्यू टाउनशिप थाना क्षेत्र के बीओजीएल इलाके में राज़ा गुई नामक व्यक्ति को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है. उस पर लंबे समय से आतंक फैलाने, दादागिरी करने और आम लोगों को डराने-धमकाने के आरोप लगते रहे हैं.भाजपा का आरोप है कि तृणमूल शासन के दौरान राज़ा गुई इलाके में खुलेआम आपराधिक गतिविधियां चलाता था और लोगों से रुपये वसूली करता था. हाल ही में पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी किया, लेकिन बाद में छोड़ने से विवाद और गहरा गया है. इसी के विरोध में शुक्रवार को न्यू टाउनशिप थाने के सामने भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जोरदार प्रदर्शन किया. यह प्रदर्शन भाजपा के दुर्गापुर 3-नंबर मंडल अध्यक्ष बुद्ध देव मंडल के नेतृत्व में हुआ.प्रदर्शन के दौरान बुद्धदेव मंडल ने आरोप लगाया कि राज़ा गुई बीओजीएल इलाके का एक कुख्यात व्यक्ति है, जिसके पास से आग्नेयास्त्र भी बरामद हुआ था. इसके बावजूद उसे किस आधार पर छोड़ा गया, यह बड़ा सवाल है. उन्होंने कहा कि तृणमूल के शासन में वह खुलेआम दादागिरी करता था, लोगों को डराता था और जबरन वसूली करता था.भाजपा ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. इस घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है और पुलिस की भूमिका को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं.

प्रेसिडेंसी जेल से 23 स्मार्टफोन मिलते ही एक्शन में आए सीएम शुभेंदु

कोलकाता : आज राज्य सचिवालय नवान्न में मीडिया कर्मियों से बातचीत में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति, सुधार गृहों में चल रही अवैध गतिविधियों तथा आरजी कर घटना की जांच को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसलों की जानकारी को साझा किया. राज्य सरकार ने प्रेसीडेंसी सुधार गृह में कैदियों द्वारा स्मार्टफोन इस्तेमाल किए जाने के आरोपों के बाद जेल अधीक्षक और मुख्य नियंत्रक को निलंबित कर दिया है. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि जेल प्रशासन का एक वर्ग अपराधियों के साथ सांठगांठ कर कैदियों को जेल के भीतर मोबाइल फोन इस्तेमाल करने में मदद कर रहा था. उन्होंने बताया कि हालिया तलाशी अभियान के दौरान प्रेसिडेंसी जेल से 23 स्मार्टफोन बरामद किए गए हैं. सीएम ने आगे कहा कि, कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में प्रशासन के विभिन्न स्तरों पर रक्षक ही भक्षक जैसे हालात थे और प्रशासन के एक वर्ग की अपराधियों के साथ सांठगांठ विकसित हो गई थी. उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार इस दुष्चक्र को तोड़ने के लिए लगातार अभियान चलाती रहेगी. शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि अपराधी जेल के भीतर से अपना नेटवर्क चला रहे हैं. यह एक दिन में नहीं हुआ. वर्षों से निचले स्तर से लेकर ऊपरी स्तर तक एक गठजोड़ तैयार किया गया था. इसी के आधार पर संबंधित अधिकारियों को निलंबित किया गया है. मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि इस तरह की अनियमितताएं पिछली सरकार के कार्यकाल से जारी थीं और मामले की जानकारी सुधार सेवा महानिदेशक को दे दी गई है.

उन्होंने राज्य के सभी सुधार गृहों के अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी परिस्थिति में अपराधियों की मदद बर्दाश्त नहीं की जाएगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि दमदम सेंट्रल जेल और बहरमपुर जेल समेत अन्य सुधार गृहों से भी इसी तरह की शिकायतें मिली हैं. मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रेसिडेंसी करेक्शनल होम में बंदियों के परिजनों की ओर से बड़ी संख्या में मोबाइल फोन, यहां तक कि स्मार्टफोन के उपयोग की शिकायतें प्राप्त हुई थीं. शिकायत मिलते ही डीजी करेक्शनल होम एन. रमेश बाबू को मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी और कोलकाता पुलिस के सहयोग से तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया. वहीं मामले पर डीजी (कारा) एन. रमेश बाबू ने बताया कि कोलकाता पुलिस की सहायता से प्रेसिडेंसी जेल में अचानक छापेमारी अभियान चलाया गया. 10 विशेष टीमों का गठन कर लगभग 4 घंटे तक तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें विभिन्न गुप्त स्थानों से कुल 23 मोबाइल फोन बरामद किए गए. ये मोबाइल जेल के भीतर कैसे पहुंचे, कौन उनका उपयोग कर रहा था और किन लोगों से संपर्क बनाए रखा जा रहा था. इसकी विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है.

बंगाल में चुनाव बाद हिंसा की कोई जानकारी नहीं, सत्यापन के बाद कार्रवाई की जाएगी : मुख्यमंत्री

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि विपक्षी तृणमूल कांग्रेस द्वारा चुनाव बाद हिंसा के जो आरोप लगाए जा रहे हैं, उनके बारे में सरकार के पास कोई जानकारी नहीं है और इस बात पर बल दिया कि ऐसे आरोपों के सही तरीके से सत्यापन के बाद ही कार्रवाई होगी. दरअसल, वह पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय द्वारा चुनाव बाद हुई हिंसा के आरोपों का जवाब दे रहे थे. नवगठित विधानसभा के पहले सत्र के दौरान चट्टोपाध्याय ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनावों के बाद राज्यभर में हिंसा के कारण कई लोगों को अपने घर छोड़कर भागना पड़ा. तृणमूल के विधायक ने सदन में कहा, कई जगहों पर हिंसा हो रही है. बहुत से लोग बेघर हो गए हैं. सरकार को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए. इसके जवाब में अधिकारी ने कहा, हमें ऐसी किसी घटना की जानकारी नहीं है. अगर कोई बेघर हुआ तो पुलिस और प्रशासन उनकी वापसी कराएंगे. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हिंसा में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और सभी वास्तविक मामलों में कानून अपना काम करेगा. सदन में उस समय हंगामा खड़ा हो गया जब भाजपा विधायकों ने 'चोर चोर' के नारे लगाए, जिसके बाद तृणमूल ने कुछ देर के लिए सदन से वॉकआउट कर दिया. तृणमूल के सदस्य विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव के दौरान भी सदन से अनुपस्थित रहे, हालांकि बाद में वापस लौट आए. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक रथींद्र बोस निर्विरोध रूप से पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए. इसके साथ ही वह राज्य के उत्तरी हिस्से से इस पद तक पहुंचने वाले पहले विधायक बन गए. विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव के बाद अधिकारी ने कहा कि राज्य विधानसभा की कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया जाएगा ताकि आम लोग जान सकें कि सदन के भीतर क्या हो रहा है. विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव के बाद नवगठित 18वीं पश्चिम बंगाल विधानसभा को संबोधित करते हुए अधिकारी ने कहा कि यह सदन जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगा और संवैधानिक सिद्धांतों तथा स्थापित नियमों के अनुसार काम करेगा. उन्होंने कहा, हम संविधान को ध्यान में रखकर विधानसभा की कार्यवाही को आगे बढ़ाएंगे. सदन में मजबूत और सकारात्मक विपक्ष की जरूरत पर बल देते हुए अधिकारी ने कहा, हम सकारात्मक विपक्ष चाहते हैं. विधानसभा टकराव की जगह नहीं है. संवैधानिक दृष्टि से यह सदन विपक्ष का है. उन्होंने यह भी कहा कि सदन में बोलने का समय 50-50 के आधार पर होगा. साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार नहीं चाहती कि किसी भी विधायक को निलंबन की कार्रवाई का सामना करना पड़े और सदन की मर्यादा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है. इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) विधायक नवसाद सिद्दीकी ने कहा कि पिछले चुनावों के बाद हुई हिंसा ने लोगों में भय पैदा किया था और उस समय विपक्ष की आवाज को दबा दिया गया था. उन्होंने सरकार से अपील की कि विपक्षी दलों को सदन में सम्मान दिया जाए और जनता के मुद्दे उठाने के लिए पर्याप्त अवसर दिया जाए. उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे सदन में रचनात्मक भूमिका निभाएंगे, न कि महज विरोध की राजनीति करेंगे.

मुख्यमंत्री ने नंदीग्राम सीट से दिया इस्तीफा

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को नंदीग्राम विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया और भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक बने रहने का विकल्प चुना. सूत्रों के अनुसार, शुभेंदु अधिकारी ने विधानसभा नियमों के तहत निर्धारित अनिवार्य 14 दिनों की अवधि के भीतर विधानसभा अध्यक्ष रथींद्र बोस को एक सीट से अपना इस्तीफा सौंप दिया. हाल में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम और दक्षिण कोलकाता के भवानीपुर दोनों सीटों से चुनाव लड़ा. उन्होंने नंदीग्राम में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार पबित्र कर को 9,665 मतों से हराकर जीत हासिल की, जबकि भवानीपुर में उन्होंने तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को 15,105 मतों के अंतर से हराया.

पूर्व मंत्री रथिन बोस नगर निकाय भर्ती घोटाला मामले में ईडी के समक्ष पेश हुए

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के पूर्व खाद्य मंत्री रथिन घोष शुक्रवार को कथित नगर निकाय भर्ती घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए. इससे पहले वह पांच बार जारी समन पर उपस्थित नहीं हुए थे. घोष सुबह करीब 10 बजे सॉल्ट लेक इलाके में सीजीओ कॉम्प्लेक्स में स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे और कहा कि उन्हें यह नहीं पता कि उन्हें किस कारण से बुलाया गया है. कार्यालय में प्रवेश करने से पहले उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मुझे नहीं पता कि मुझे क्यों बुलाया गया है. अंदर जाने के बाद ही पता चलेगा. चुनाव के दौरान केंद्रीय एजेंसी ने उन्हें पांच बार समन भेजा था, लेकिन वह राजनीतिक व्यस्तताओं और चुनाव प्रचार संबंधी कार्यक्रमों का हवाला देते हुए पेश नहीं हुए थे. ईडी अधिकारियों द्वारा उनसे नगर निकायों में पैसे लेकर भर्ती किए जाने के आरोपों से जुड़ी जांच में पूछताछ किए जाने की संभावना है. यह घटनाक्रम पूर्व अग्निशमन सेवा मंत्री सुजीत बोस की इसी मामले में गिरफ्तारी के कुछ दिनों बाद सामने आया है. उन्हें लंबी पूछताछ के बाद ईडी ने गिरफ्तार किया था. बोस को भी छह अप्रैल से लेकर विधानसभा चुनाव अवधि के दौरान कई बार ईडी के समन मिले थे. उन्होंने चुनाव प्रचार में व्यस्तता का हवाला देते हुए समय मांगने के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख किया था. चुनाव के बाद बोस एक मई और 11 मई को ईडी जांचकर्ताओं के सामने पेश हुए थे. 11 मई को ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था.

तिलजला अवैध निर्माण ध्वस्तीकरण पर कलकत्ता हाई कोर्ट की अंतरिम रोक, फिलहाल नहीं होगा पुनर्वास

कोलकाताः महानगर कोलकाता के तिलजला थाना क्षेत्र के तपसिया इलाके में अवैध निर्माण को गिराने की कार्रवाई पर कलकत्ता हाई कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है. हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल वहां रहने वाले लोगों के पुनर्वास की कोई व्यवस्था नहीं की जाएगी. मामले की सुनवाई शुक्रवार को न्यायमूर्ति राजा बसु चौधरी की पीठ में हुई. अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई 22 मई को निर्धारित की है. सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति ने टिप्पणी की कि शहर में अवैध निर्माण को लेकर अदालत के पूर्व निर्देशों के बावजूद पिछली सरकार की ओर से निष्क्रियता देखी गई थी. अदालत ने कहा कि किसी भी निर्माण को कानून का पालन किए बिना नहीं तोड़ा जा सकता और सभी कार्रवाई विधिसम्मत तरीके से ही करनी होगी. उल्लेखनीय है कि, मंगलवार को तपसिया स्थित एक बहुमंजिली इमारत की दूसरी मंजिल पर चल रही चमड़ा फैक्ट्री में आग लग गई थी. हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा हैं. घटना के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा था कि तिलजला की उक्त इमारत अवैध रूप से निर्मित थी, उसका कोई स्वीकृत भवन नक्शा नहीं था और वहां गैरकानूनी तरीके से फैक्ट्री चलाई जा रही थी. मुख्यमंत्री के निर्देश के कुछ घंटों के भीतर ही इलाके में बुलडोजर पहुंचा और उसे गिराने की कार्रवाई शुरू कर दी गई थी. ध्वस्तीकरण के खिलाफ इमारत के निवासियों ने नाराजगी जताई थी. इमारत के कुछ हिस्सों को तोड़ भी दिया गया था, जिसके बाद मामला हाई कोर्ट पहुंचा. अदालत ने अपने आदेश में कहा कि फिलहाल इमारत को गिराने की कार्रवाई पर रोक रहेगी. साथ ही निर्देश दिया गया कि उक्त परिसर में किसी प्रकार का व्यवसाय नहीं किया जाएगा और कोई भी व्यक्ति वहां निवास नहीं कर सकेगा. अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अभी किसी निवासी को पुनर्वास नहीं दिया जाएगा और पहले से क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत भी नहीं की जा सकेगी. फिलहाल, हाई कोर्ट ने पूरे क्षेत्र में यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया है.

'बेघर' पार्टी कार्यकर्ताओं की सूची तैयार करेगी तृणमूल

कोलकाताः विपक्ष के नेता शोभनदेव चटर्जी ने शुक्रवार को तृणमूल विधायकों से अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी के बेघर कार्यकर्ताओं की एक सूची तैयार करने का निर्देश दिया है. पार्टी के बेघर कार्यकर्ताओं की शिकायत का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि किसी भी तृणमूल कार्यकर्ताओं के बेघर होने की खबर नहीं मिली है.

इसके बाद विधानसभा के नौशाद अली कक्ष में तृणमूल विधायक दल की बैठक हुई. बैठक में पार्टी के विधायकों से कहा गया कि वे उन पार्टी कार्यकर्ताओं की सूची तृणमूल के शीर्ष नेतृत्व को सौंपें जिन्होंने अपना घर खो दिया है. तृणमूल ने 'चुनाव के बाद हिंसा' के मुद्दे को देखने के लिए पहले ही तीन तथ्य-परिक्षण टीम का गठन कर दिया है. इस टीम के सदस्य पीड़ितों के परिवारों से मिलेंगे.

अब बंगाल में शुरु होगा सीएम शुभेंदु का जनता दरबार

कोलकाताः देश भाजपा शासित अन्य कई राज्यों के जैसा ही अब बंगाल की भाजपा सरकार भी 'जनता दरबार' शुरु कर सकती है. राज्य सचिवालय नवान्न सूत्रों के अनुसार, 'जनता दरबार' के दौरान एक या दो अधिकारी मुख्यमंत्री के साथ रहेंगे. इस पहल के जून में शुरू होने की उम्मीद है. इन्हीं सूत्रों का दावा है कि राज्य प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों ने इसके लिए तैयारियां पहले ही शुरू कर दी हैं. लोगों की शिकायतों का समाधान करने के लिए, राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी 'जनता का दरबार' शुरू करने जा रहे हैं. सूत्रों के अनुसार, यह 'जनता दरबार' सप्ताह में एक या दो बार, दो घंटे के लिए आयोजित किया जाएगा. हालांकि, राज्य प्रशासन ने इस मामले में अभी तक कोई औपचारिक घोषणा जारी नहीं की है. बहरहाल बता दे कि, 'जनता दरबार' सार्वजनिक शासन को बढ़ाने, नागरिक अधिकारों की सुरक्षा, कुशल सेवा वितरण और कानूनी सशक्तीकरण सुनिश्चित करने का एक ऐसा मंच होता है जहां से हम लोग भी सीधे मुख्यमंत्री से अपनी बात कह सकते हैं और उनकी समस्याओं का समाधान फौरी तौर पर होता रहा है. देश के तमाम जिले हैं जहां जिले के डीएम भी 'जनता दरबार' में लोगों की समस्याओं की सुनते हैं और त्वरित कार्रवाई के दिए निर्देश देते हैं. ऐसे 'जनता दरबार' से लोगों का विश्वास देश की शासन व्यवस्था से लेकर मुख्यमंत्री तक बना रहता है.

बंगाल श्राप, पाप और भय मुक्त हो गयाः तापस राय

कोलकाताः विधानसभा में शुक्रवार को स्पीकर चुनाव के बाद हुई चर्चा के दौरान मानिकतला से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक तापस राय ने तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल अब श्रापमुक्त, पापमुक्त और भयमुक्त हो गया है. चुनाव बाद हिंसा के मुद्दे को उठाते हुए उन्होंने बिना नाम लिए तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को निशाने पर लिया. विधानसभा में भाजपा विधायक रथींद्र बोस के स्पीकर चुने जाने के बाद विभिन्न दलों के विधायक अपनी बात रख रहे थे. इसी दौरान तापस राय ने अपने संबोधन में तृणमूल कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि यह केवल सरकार बनाने या चुनाव जीतने का चुनाव नहीं था, बल्कि धर्मयुद्ध था. इस धर्मयुद्ध में जीतकर आने वालों को मैं बधाई देता हूं. अपने संबोधन की शुरुआत में उन्होंने तृणमूल विधायकों की ओर देखते हुए कहा, बहुत कुछ कर चुके हैं, अब देखने में बुरा लग रहा है क्या? इसके बाद उन्होंने सदन में राष्ट्रविरोधी और देशविरोधी नारों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की. उन्होंने स्पीकर से कहा कि जरूरत पड़े तो इसके लिए कानून लाया जाए. तापस राय के इस बयान पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को मेज थपथपाकर समर्थन किया. तृणमूल सरकार पर हमला बोलते हुए तापस राय ने कहा कि पश्चिम बंगाल अब श्रापमुक्त, पापमुक्त और भयमुक्त हो गया है. उन्होंने चुनाव बाद हिंसा के मुद्दे का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि तृणमूल फिर सत्ता में लौटती, तो भाजपा के 150 से अधिक कार्यकर्ताओं की हत्या हो सकती थी और लाखों समर्थकों को घर छोड़ना पड़ता. बिना नाम लिए अभिषेक बनर्जी पर निशाना साधते हुए तापस राय ने कहा कि एक अखिल भारतीय पार्टी के अखिल भारतीय महासचिव ने भाजपा उम्मीदवारों को धमकी दी थी कि उनकी हड्डियां तोड़ दी जाएंगी. तृणमूल विधायकों के विरोध के बीच उन्होंने कहा, मैंने किसी का नाम नहीं लिया. अब वह बाहर निकलकर देखें. भाजपा कुछ नहीं करेगी, जनता और तृणमूल ही उसका हिसाब करेगी. तापस राय ने यह भी कहा कि अगर 2021 के चुनाव बाद हिंसा में उनका नाम शामिल हो, तो उन्हें जेल भेज दिया जाए. उन्होंने दावा किया कि वह किसी भी हिंसा में शामिल नहीं थे.

बंगाल विधानसभा का बजट सत्र 18 जून से शुरू होगा, 22 को पेश होगा पूर्ण बजट

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा का बजट सत्र 18 जून से शुरू होगा और 22 जून को राज्य की पहली भाजपा नीत सरकार का पूर्ण बजट पेश किया जाएगा. विधानसभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रथींद्र बोस ने शुक्रवार को सदन के विशेष सत्र में इसकी घोषणा की. इसी विशेष सत्र में उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष पद की शपथ भी ली. पूर्ण बजट 22 जून को पेश किया जाना है. ऐसे में माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई सरकार जल्द ही राज्य के नए वित्त मंत्री के नाम की घोषणा कर सकती है. इस वर्ष पांच फरवरी को पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार में वित्त राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रहीं चंद्रिमा भट्टाचार्य ने विधानसभा में अंतरिम बजट यानी वोट ऑन अकाउंट पेश किया था. विधानसभा चुनाव के कारण उस समय पूर्ण बजट पेश नहीं किया जा सका था. राज्य में अप्रैल में चुनाव कराए गए थे और चार मई को परिणाम घोषित हुए थे. इस बीच मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से सभी विभागीय सचिवों को राज्य बजट की तैयारियां शुरू करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं. वित्त विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार आगामी पूर्ण बजट मौजूदा सत्तारूढ़ दल द्वारा विधानसभा चुनाव से पहले जारी घोषणापत्र में किए गए वादों के आधार पर तैयार किया जाएगा. सूत्रों के मुताबिक बजट का मुख्य फोकस राज्य के स्वयं के कर राजस्व बढ़ाने के लिए वैकल्पिक स्रोत तलाशना, सात लाख करोड़ रुपये से अधिक के भारी कर्ज के दबाव को कम करना, गैर योजना मदों में लगातार बढ़ रहे खर्च पर नियंत्रण लगाना तथा पूंजीगत व्यय को बढ़ावा देना होगा. राज्य सरकार को इस समय गंभीर वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. राज्य का खजाना एक ओर सीमित कर राजस्व, दूसरी ओर सात लाख करोड़ रुपये से अधिक के कर्ज और तेजी से बढ़ रहे गैर योजना खर्च के दबाव में फंसा हुआ है.

पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर नई पहल, जल्द शुरू होगी जियो-ट्रैकिंग आधारित हेल्पलाइन

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नई व्यवस्था लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है. भाजपा सरकार बनने के बाद राज्य में महिलाओं के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर जारी करने का निर्देश दिया गया है, जिसे जियो-ट्रैकिंग तकनीक से जोड़ा जाएगा. इस संबंध में जानकारी देते हुए आसनसोल दक्षिण की विधायक तथा मंत्री अग्निमित्रा पाल ने कहा कि राज्य में महिलाओं को पूर्ण स्वतंत्रता देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है. उन्होंने कहा कि अब महिलाएं किसी भी समय, किसी भी जरूरत के लिए घर से बाहर जा सकती हैं और अपनी पसंद के कपड़े पहनने या अपनी जीवनशैली अपनाने के लिए किसी तरह की रोक-टोक का सामना नहीं करना पड़ेगा.

बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी के लिए बीएसएफ को जमीन सौंपने की रणनीति तैयार

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने बांग्लादेश सीमा पर लंबित बाड़बंदी कार्य को तेज करने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को जमीन सौंपने की तीन-स्तरीय रणनीति तैयार की है. राज्य सचिवालय सूत्रों के अनुसार, सरकार ने इस पूरी प्रक्रिया को 45 दिनों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य तय किया है. सूत्रों के मुताबिक, रणनीति के पहले चरण में अंतरराष्ट्रीय सीमा के उन हिस्सों के पास उपलब्ध सरकारी जमीन तत्काल बीएसएफ को सौंपी जाएगी, जहां अब तक बाड़बंदी नहीं हुई है. इससे कंटीले तार लगाने का पहला चरण तुरंत शुरू किया जा सकेगा. दूसरे चरण में सीमा से सटे निजी भूखंडों का अधिग्रहण किया जाएगा. इसके लिए जमीन मालिकों को मौजूदा बाजार मूल्य से अधिक मुआवजा देने की योजना बनाई गई है. जमीन अधिग्रहण के बाद उसे बीएसएफ को सौंपा जाएगा, ताकि बाड़बंदी का दूसरा चरण शुरू हो सके. तीसरे चरण में सीमा क्षेत्र की अतिक्रमित जमीन को खाली कराया जाएगा. सरकार इन जमीनों को अपने कब्जे में लेकर बीएसएफ को हस्तांतरित करेगी, जिससे पूरी प्रक्रिया पूरी हो सकेगी. सूत्रों का कहना है कि पहले चरण की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है और प्रत्येक चरण के लिए अलग-अलग समयसीमा निर्धारित की गई है. सरकार का दावा है कि मंत्रिमंडल के निर्णय के 45 दिनों के भीतर पूरा अभियान समाप्त कर लिया जाएगा. राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है. उन्हें विकास कार्यों की प्रधान समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया है और वह बीएसएफ को जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया को सुचारु रूप से पूरा कराने की देखरेख करेंगी. बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी के लिए जमीन उपलब्ध कराने का मुद्दा लंबे समय से लंबित था.

सत्ता जाते ही चंद दिनों में दरकने लगी तृणमूल की दीवार

तृणमूल संसदीय दल में फेरबदल के बाद सामने आई काकोली घोष की नाराजगी

कोलकाताः लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल के मुख्य सचेतक पद से हटाए जाने के बाद बारासात से सांसद काकोली घोष दस्तिदार ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. उनकी टिप्पणी को पार्टी नेतृत्व के फैसले पर नाराजगी और निराशा के संकेत के रूप में देखा जा रहा है. तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने गुरुवार को कालीघाट में पार्टी सांसदों की बैठक के दौरान काकोली घोष दस्तिदार को मुख्य सचेतक पद से हटाकर श्रीरामपुर के सांसद कल्याण बनर्जी को फिर से इस पद की जिम्मेदारी सौंपने की घोषणा की थी. इसके बाद काकोली ने सोशल मीडिया पर लिखा, 1976 में परिचय हुआ, 1984 में राजनीतिक सफर शुरू हुआ. चार दशक की निष्ठा का आज पुरस्कार मिला. राजनीतिक हलकों में उनकी इस टिप्पणी को पार्टी नेतृत्व के फैसले पर अप्रत्यक्ष असंतोष के रूप में देखा जा रहा है. उल्लेखनीय है कि, 1976 में जब ममता बनर्जी छात्र राजनीति में सक्रिय थीं, उसी समय काकोली घोष दस्तिदार भी कांग्रेस के छात्र संगठन से जुड़ी थीं. बाद में 1984 में ममता बनर्जी ने जादवपुर लोकसभा सीट से पहली बार चुनाव लड़कर वाममोर्चा नेता सोमनाथ चटर्जी को पराजित किया था. तब से काकोली लंबे समय तक ममता की करीबी सहयोगियों में मानी जाती रही हैं. पिछले वर्ष अगस्त में कल्याण बनर्जी ने अचानक संसदीय दल के मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा दे दिया था. उस समय कृष्णानगर की सांसद महुआ मोइत्रा के साथ उनका सार्वजनिक विवाद चर्चा में था. इसके बाद ममता बनर्जी ने उनका इस्तीफा स्वीकार करते हुए काकोली घोष दस्तिदार को मुख्य सचेतक बनाया था. इससे पहले काकोली लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस की उपनेता थीं. कल्याण बनर्जी के इस्तीफे के बाद उन्हें मुख्य सचेतक बनाए जाने पर अभिनेत्री और सांसद शताब्दी राय को उपनेता बनाया गया था. अब कल्याण बनर्जी की वापसी के बाद शताब्दी राय उपनेता बनी हुई हैं, जबकि काकोली के पास संसदीय दल में कोई पद नहीं बचा है. पार्टी के कई नेताओं का मानना है कि इसी कारण उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की है. विधानसभा चुनाव में राज्य में तृणमूल कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में आई है. इसके बाद से पार्टी के अंदरूनी मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं. तृणमूल नेता कुणाल घोष ने भी हाल में सोशल मीडिया पर पार्टी के आत्मविश्लेषण की जरूरत बताई थी. उन्होंने कहा था कि तापस राय और सजल घोष जैसे नेताओं को पार्टी छोड़ने के लिए मजबूर किया गया.

शुभेंदु के निलंबन वाले दावे पर पूर्व स्पीकर बिमान बंद्योपाध्याय ने उठाए सवाल

कोलकाताः पश्चिम बंगाल विधानसभा के विशेष सत्र में शुक्रवार को सदन से निलंबन संबंधी मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के दावों को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष बिमान बंद्योपाध्याय ने लगभग नकार दिया. मुख्यमंत्री ने सदन में दावा किया था कि पूर्व अध्यक्ष ने उन्हें लगभग साढ़े 11 महीने के लिए विधानसभा से निलंबित कर दिया था. अधिवेशन समाप्त होने के बाद मीडिया से बातचीत में बिमान बंद्योपाध्याय ने मुख्यमंत्री के इस दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले पांच वर्षों में कुल मिलाकर करीब 200 दिनों तक ही विधानसभा की कार्यवाही चली है. ऐसे में किसी विधायक को साढ़े 11 महीने तक निलंबित किए जाने का दावा कैसे संभव है? उन्होंने कहा कि विधानसभा का रिकॉर्ड देखने पर स्पष्ट हो जाएगा कि विपक्ष को अपनी बात रखने के लिए पर्याप्त अवसर दिए गए थे. उनके अनुसार तत्कालीन सरकार ने विपक्ष को बोलने और अपनी राय रखने का पूरा मौका दिया. हालांकि उन्होंने आशंका जताई कि वर्तमान सरकार भी उसी लोकतांत्रिक भावना के साथ काम करेगी या नहीं, इस पर संदेह बना हुआ है. पूर्व अध्यक्ष ने विपक्षी दलों के व्यवहार पर भी टिप्पणी की. उन्होंने कहा कि पिछली विधानसभा में विपक्षी सदस्य कई बार अचानक वॉकआउट कर देते थे और बाद में आरोप लगाते थे कि उन्हें सदन से बाहर निकाल दिया गया. बिमान बंद्योपाध्याय के मुताबिक यदि किसी सदस्य ने नियमों के खिलाफ आचरण किया हो तो उसे चेतावनी देकर सदन से बाहर जाने को कहा गया होगा, लेकिन इसके अलावा कोई असाधारण कार्रवाई नहीं की गई.

चंद्रनाथ रथ हत्याकांड में बड़ा खुलासा, झारखंड से लाई गई थी वारदात इस्तेमाल की गई कार

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को जांच के दौरान महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं. प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हत्या में इस्तेमाल की गई चारपहिया गाड़ी झारखंड से लाई गई थी और पश्चिम बंगाल पहुंचने के बाद उसका नंबर प्लेट बदल दिया गया था. सूत्रों के अनुसार, मामले में गिरफ्तार तीन आरोपितों में से एक मयंक राज मिश्रा ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि उसे झारखंड के एक व्यक्ति ने उक्त वाहन को झारखंड से उत्तर 24 परगना जिले के बारासात तक पहुंचाने का जिम्मा दिया था. बारासात उसी इलाके के निकट है, जहां मध्यमग्राम मोड़ पर चंद्रनाथ रथ की हत्या की गई थी. जांच एजेंसियों के मुताबिक, मयंक ने कबूल किया है कि वह झारखंड से वाहन चलाकर बारासात पहुंचा और वहां एक सुनसान स्थान पर गाड़ी का नंबर प्लेट बदलकर नकली नंबर लगा दिया. बताया जा रहा है कि असली नंबर प्लेट दार्जिलिंग जिले के सिलीगुड़ी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में पंजीकृत वाहन का था. सूत्रों ने यह भी बताया कि मयंक को वाहन पहुंचाने के बदले एक लाख रुपये दिए गए थे. बारासात में वाहन सौंपने के बाद वह हावड़ा स्टेशन पहुंचा और वहां से ट्रेन पकड़कर बक्सर चला गया, जहां बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया. गौरतलब है कि चंद्रनाथ रथ की हत्या छह मई की रात हुई थी, जो विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के दो दिन बाद की घटना थी. चुनाव में भाजपा ने 207 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी, जबकि तृणमूल कांग्रेस 80 सीटों तक सिमट गई थी. जांच के अनुसार, छह मई की रात रथ एक पार्टी कार्यक्रम से लौट रहे थे. मध्यमग्राम के एक चौराहे पर झारखंड से लाई गई गाड़ी ने उनके वाहन का रास्ता रोक दिया. इसी दौरान लंबे समय से उनके वाहन का पीछा कर रही दो मोटरसाइकिलों में से एक उनके वाहन के पास आकर रुकी. मोटरसाइकिल सवार हमलावर ने करीब से 10 गोलियां चलाईं. हमले में चंद्रनाथ रथ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके चालक बुद्धदेव बेरा गंभीर रूप से घायल हो गए थे. हालांकि, उनकी हालत में अब सुधार बताया जा रहा है. मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि यदि चंद्रनाथ रथ उनके निजी सहायक नहीं होते, तो उनकी हत्या नहीं की जाती. उन्होंने यह भी कहा था कि उन्होंने भवानीपुर सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 15 हजार से अधिक मतों से हराया था और इसी वजह से उनके सहयोगी को निशाना बनाया गया.

अब मां कैंटीन में 5 रुपये में मिलेगा 'माछ-भात', बंगाल सरकार का बड़ा फैसला

कोलकाताः बंगाल सरकार की ओर से चलाई जाने वाली मां कैंटीन में अब पांच रुपये में माछ-भात (मछली-चावल) मिलेगा. इससे पहले पांच रुपये में अंडा-चावल मिलता था. मालूम हो कि हालिया संपन्न विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान तृणमूल कांग्रेस की ओर से कहा गया था कि बंगाल में भाजपा की सरकार बनने पर वह मछली खाना बंद करवा देगी. शुभेंदु अधिकारी की सरकार अब पांच रुपये में मछली-चावल शुरू करवा कर तृणमूल के उक्त दावे को गलत साबित करने जा रही है. चुनाव जीतने के बाद भाजपा नेताओं की ओर से कोलकाता समेत राज्य के विभिन्न स्थानों पर मछली-चावल के भोज का भी आयोजन किया गया था. मां कैंटीन में मछली-चावल के अलावा चावल के साथ अंडा, दाल व सब्जी का विकल्प भी रहेगा.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है
(साइज 12x8)
सम्पर्क:
मो.: 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

न्यूज कॉर्नर

डीएम ने जनता दरबार में सुनी आमजनों की समस्याएं

युवा शक्ति न्यूज

गया : जिले के डीएम शशांक शुभंकर ने समाहरणालय स्थित सभागार में आयोजित जनता दरबार के माध्यम से जिले के विभिन्न प्रखंडों से शुक्रवार को आए लगभग 100 से अधिक आमजनों की समस्याएं सुनीं.इस अवसर पर भूमि विवाद, आवास योजना, स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी शिकायतें, पेंशन योजना, मुआवजा, शिक्षा विभाग से संबंधित विषयों समेत अन्य मामलों को लोगों ने डीएम के समक्ष रखा.डीएम ने उपस्थित अधिकारियों को संबंधित प्रकरणों का त्वरित एवं निष्पक्ष निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए.उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है और प्रत्येक विभागीय पदाधिकारी इस दिशा में गंभीरता से कार्य करें.

आईजी ने पुलिस अधिकारियों संग समीक्षा एवं ब्रीफिंग बैठक की

युवा शक्ति न्यूज

गया : मगध क्षेत्र के आईजी विकाश वैभव द्वारा शुक्रवार को पुलिस पदाधिकारियों की समीक्षा एवं ब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई.ब्रीफिंग में एसएसपी सुशील कुमार, सीटी एसपी कोटा किरण कुमार, एएसपी मनोज कुमार सहित सभी डीएसपी एवं थानाध्यक्ष उपस्थित रहे.इस दौरान आईजी विकाश वैभव द्वारा सभी थानाध्यक्षों से बारी-बारी से परिचय प्राप्त किया तथा उन्हें बेहतर पुलिसिंग, विधि-व्यवस्था संधारण, अपराध नियंत्रण एवं जनसहभागिता को मजबूत करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए.बैठक का मुख्य उद्देश्य पुलिस बल को और अधिक कार्यशील, अनुशासित एवं जनोन्मुख बनाना रहा.

युवक की हत्या, गुरुवार से लापता था

युवा शक्ति न्यूज

गया : जिले में अपराधियों ने एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी.ईंट-पत्थर से कूचकर शव बधार में फेंक दिया. गुरुवार से लापता था.मृतक की पहचान शेरपुर निवासी शांतनु कुमार उर्फ बहादुर के रूप में हुई है.घटना बेलागंज थाना क्षेत्र के शेरपुर गांव के पास की है.ग्रामीणों के मुताबिक सुबह जब लोग बधार की ओर गए तो वहां शांतनु का शव पड़ा देखा.शव मिलने की खबर आग की तरह गांव में फैल गई.देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई.परिजनों को सूचना मिली तो घर में कोहराम मच गया.परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है.कुछ भी बोलने से परहेज कर रहे हैं.सूचना मिलते ही बेलागंज थाना के अपर थानाध्यक्ष कमलेश पासवान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे.पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की.शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई.पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है.पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है.शुरुआती जांच में कई बिंदुओं पर काम किया जा रहा है.दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा.फिलहाल शेरपुर गांव में मातम पसरा है और हर किसी की जुबान पर बस एक ही सवाल है कि आखिर शांतनु की इतनी बेरहमी से हत्या किसने और क्यों की.

तलाशी अभियान के दौरान देशी हथियार बरामद

युवा शक्ति न्यूज

गया : विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त आसूचना के आधार पर शुक्रवार को एसएसबी 29वीं बटालियन गया के कमांडेंट कुणाल के दिशानिर्देशन में बटालियन के एफ समवाय बन्नुबगीचा (लखीसराय) के निरीक्षक (सामान्य) मनीष कुमार के नेतृत्व में एसएसबी एवं जिला पुलिस लखीसराय थाना-बन्नुबगीचा के साथ संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया.तलाशी अभियान के दौरान 02 देशी हथियार बरामद किया गया.बरामदगी के उपरांत संयुक्त ऑपरेशन दल द्वारा पूरे क्षेत्र की सघन तलाशी ली गई.बरामद किए गए हथियार को थाना- बन्नुबगीचा, जिला- लखीसराय (बिहार) को विधिक कार्रवाई हेतु सुपुर्द कर दिया गया है.

.जिलाध्यक्ष ने दो संयोजक मनोनीत किया

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : जिला कांग्रेस कमिटी के जिलाध्यक्ष रजनीश कुमार ने संगठन का विस्तार करते हुए शुक्रवार को जिला कार्यालय राजेंद्र आश्रम मे बैठक कर संयोजक मनोनीत किया है.जिनमें अर्जुन प्रसाद गुप्ता एवं सर्विंद्र चौधरी का नाम शामिल है.उपस्थित दोनों संयोजक को जिलाध्यक्ष ने माला पहनाकर स्वागत कर बधाई और शुभकामनाएं दी. इस कार्यक्रम मे जुगल किशोर सिँह, धर्मेंदर कुमार निराला, विधा शर्मा, डॉ कुमारी गीता पासवान, शिव कुमार चौरसिया, धर्मेन्द्र शर्मा, राजकपुर गुप्ता, अमित कुमार, अशोक प्रसाद भारती आदि उपस्थित रहे.

प्वाइंट्स मैन के कैडर रिस्ट्रक्चरिंग के आदेश जारी

युवा शक्ति न्यूज

गया:रेलवे में प्वाइंट्स मैन के लेवल 5 तक की पदोन्नति के आदेश रेलवे बोर्ड द्वारा जारी कर दिए गए हैं.अभी तक प्वाइंट्स मैन की नियुक्ति लेवल वन में होती थी और लेवल टू तक ही पदोन्नति चैनल उपलब्ध थे.किन्तु ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के प्रयास से प्वाइंट्स मैन के लिए पदोन्नति के नये आयाम खुल गये हैं.ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन अपने केन्द्रीय फेडरेशन एआईआरएफ के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा के कुशल नेतृत्व तले बहुत पहले से ही रेलवे बोर्ड के विभिन्न स्तरों पर प्वाइंट्स मैन के पदोन्नति के नये आयाम खोलने की लड़ाई लड़ रहा था.इसके परिणामस्वरूप रेलवे बोर्ड की बैठकों में जोरदार आवाज उठाया गया जिससे प्वाइंट्स मैन के कैडर रिस्ट्रक्चरिंग के लिए एक संयुक्त कमिटी का गठन किया गया जिसने प्वाइंट्स मैन को लेवल पांच तक पदोन्नति उपलब्ध कराने की अनुशंसा की.इतना ही नहीं, इस प्रक्रिया पर बढ़ने वाले वित्तीय बोझ के लिए एआईआरएफ ने वित्त मंत्रालय तक अपनी बात रखी और अंततः वित्तीय सहमति प्राप्त कर रेलवे बोर्ड ने 14 मई को आदेश संख्या 39/2026 जारी कर दिया.ईसीआरकेयू ने प्वाइंट्स मैन के पदोन्नति चैनल उपलब्ध कराने का अपना वादा पूरा किया.पहले प्वाइंट्स मैन के लिए केवल दो लेवल ही पदोन्नति चैनल थे जिसे उक्त आदेश के तहत बढ़ाकर लेवल पांच तक कर दिया गया है.साथ ही, प्रत्येक लेवल में प्वाइंट्स मैन की प्रतिशतता में भी संशोधन किया गया है ताकि वरीय कर्मचारियों को सीधे लेवल पांच और उनसे जूनियर को लेवल चार में पदोन्नति मिल जाएगा. बताया गया कि यह पदोन्नति 03 अप्रैल 2026 से लागू करते हुए वेतन निर्धारण किया जाएगा.इस आदेश के तहत लेवल पांच में 4.54 प्रतिशत, लेवल चार में 13.63 प्रतिशत, लेवल टू में 27.27 प्रतिशत और लेवल वन में 54.55 प्रतिशत के दायरे में प्वाइंट्स मैन लाभान्वित होंगे.

पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर आईजी से मिले श्रमजीवी पत्रकार संघ के पदाधिकारी

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अजय भूषण के नेतृत्व में गया जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने गुरुवार को मगध प्रमंडल के पुलिस महानिरीक्षक विकास वैभव से मुलाकात कर पत्रकारों की सुरक्षा एवं सहयोग को लेकर ज्ञापन सौंपा.उन्होंने कहा कि पत्रकारों को लगातार धमकियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे निर्भीक होकर कार्य करना कठिन होता जा रहा है.उन्होंने कहा कि मगध प्रमंडल में पत्रकारों को माफिया, भ्रष्ट नेताओं और भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ खबर प्रकाशित करने पर धमकियों का सामना करना पड़ता है. कई बार पत्रकारों को झूठे मुकदमों में फंसाने की भी कोशिश की जाती है.उन्होंने आरोप लगाया कि बालू माफिया और भू-माफिया का सरकारी तंत्र से गठजोड़ होने के कारण पत्रकारों पर दबाव बनाया जाता है.धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं और उनकी सुरक्षा जरूरी है.उन्होंने आईजी से पत्रकारों के हित में ठोस सुरक्षा व्यवस्था लागू करने की मांग की, ताकि वे बिना भय के सच्चाई सामने ला सकें.उनके साथ संघ के जिला उपाध्यक्ष अमित कुमार सिंह, रविकांत पटेल, ऋतुरंजन कुमार शामिल थे.वहीं आईजी विकास वैभव ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया.

ममता ने कालीघाट से हारे हुए उम्मीदवारों से की मुलाकात कहा- मुश्किल समय में साथ खड़े रहने वाले लोग 'अनमोल' होते हैं

कोलकाता: विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस संगठन की संरचना में बदलाव लाने के लिए उत्सुक है. शुक्रवार को कालीघाट में पराजित उम्मीदवारों और पार्टी नेताओं के साथ हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में पार्टी नेता ममता बनर्जी ने कड़ा संदेश दिया. उन्होंने संकेत दिया कि इस कठिन समय में पार्टी छोड़ने के इच्छुक लोगों के लिए दरवाजे खुले हैं और पार्टी का पुनर्गठन करना सुनिश्चित करेंगी. दूसरी ओर, राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी राज्य में हुए फेरबदल के बाद चुनावोत्तर हिंसा का आरोप लगाते हुए शनिवार से तीन जिलों में एक तथ्य-जांच दल भेज रही है.आज की बैठक में ममता बनर्जी ने हार के कारणों की जांच के साथ-साथ पार्टी अनुशासन बनाए रखने पर भी कड़ा रुख अपनाया. पार्टी सूत्रों के अनुसार, उन्होंने नेताओं से कहा, जो जाना चाहते हैं, जा सकते हैं. मैं किसी को नहीं रोकूंगी. जो रुकेंगे, वे अनमोल हैं. उन्होंने पार्टी के एक वर्ग द्वारा सार्वजनिक रूप से मुख खोलने या एक-दूसरे के खिलाफ अपना गुस्सा निकालने पर भी सख्त चेतावनी दी और कहा कि अनुचित टिप्पणियां करना तुरंत बंद किया जाना चाहिए. यदि किसी को कुछ कहना है, तो उसे सीधे पार्टी के भीतर ही सूचित किया जाना चाहिए. उन्होंने जिला नेताओं को अगले सात दिनों के भीतर क्षेत्रवार रिपोर्ट भेजने का भी आदेश दिया. नेता इस हार के कारणों के बारे में विस्तृत जानकारी जानना चाहती थीं.चुनाव परिणाम घोषित होने के दाद से राज्य के विभिन्न हिस्सों में तृणमूल कार्यकर्ताओं पर हमलों के आरोप लगे हैं. पार्टी का दावा है कि कई कार्यकर्ता बेघर हो गए हैं. कालीघाट में हुई बैठक में बेघरों के नामों की सूची प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है. इसके साथ ही तृणमूल नेता ने कहा है कि ब्लॉक, नगर और क्षेत्रीय स्तर पर छोटी सभाएं और जुलूस फिर से शुरू किए जाएंगे. पार्टी

कार्यालयों की मरम्मत और रंगाई का आदेश देते हुए ममता ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह स्वयं भी कार्यालय की रंगाई करेंगी. उन्होंने उन लोगों को भी पार्टी छोड़ने का आदेश दिया जो अ रंग बदल रहे हैं.चुनाव के बाद हुई हिंसा की जांच के लिए तृणमूल पार्टी ने भाजपा समर्थित उपद्रवियों के खिलाफ एक जांच दल का गठन किया है. तृणमूल के सोशल मीडिया हैंडल पर प्रकाशित सूची के अनुसार, यह दल शनिवार से काम शुरू करेगा. पार्टी का प्रतिनिधिमंडल मुख्य रूप से तीन जिलों का दौरा करेगा.दक्षिण 24 परगना का कार्यभार सुष्मिता देव, प्रसून बनर्जी, सजदा अहमद और तन्मय घोष संभाल रहे हैं. पूर्वी मेदिनीपुर का कार्यभार डोला सेन, मोहम्मद नदीमुल हक, डॉ. शर्मिला सरकार और सुशोवन रॉय संभालेंगे. वहीं, हुगली जिले में प्रतिमा मंडल, समीरुल इस्लाम, बीरबाहा हांसदा, शिरशेंदु बनर्जी या सुमन भट्टाचार्य और सैयद तनवीर नसरीन तथ्य-जांच का जिम्मा संभालेंगे. पार्टी ने प्रभावित कार्यकर्ताओं को कानूनी सहायता प्रदान करने का जिम्मा चंद्रिमा भट्टाचार्य को सौंपा है.इस चुनावी माहौल में तृणमूल के शीर्ष नेतृत्व ने पार्टी के सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ में भी बड़ा फेरबदल किया है. देबांशु भट्टाचार्य के नेतृत्व वाली सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ की मौजूदा समिति को भंग कर दिया गया है. इसके स्थान पर छह सदस्यीय कोर कमेटी का गठन किया गया है. यह नवगठित समिति मतगणना में धांधली के आरोपों और ईवीएम विवाद को ध्यान में रखते हुए आने वाले दिनों में चुनाव प्रचार की रूपरेखा तैयार करेगी.यह उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनावों में राज्य में एक बड़ा राजनीतिक फेरबदल देखने को मिला है. 2021 के चुनावों में जहां तृणमूल ने 215 सीटें जीतकर भारी बहुमत हासिल किया था, वहीं इस बार उसकी सीटें घटकर मात्र 80 रह गई हैं. वहीं दूसरी ओर, भाजपा ने 77 सीटों से एक ही बार में 207 सीटें जीतकर राज्य में सत्ता हथिया ली है.ममता ने गुरुवार को कालीघाट में पार्टी सांसदों के साथ ठक करके इस आपदा का कारण जानने की कोशिश की. अभिषेक बनर्जी, सुदीप बनर्जी, सौगता रॉय और डेरेक ओ'ायन जैसे शीर्ष नेता वहां मौजूद थे. बैठक में पार्टी नेता ने संदेश दिया कि मनोबल किसी भी तरह से नहीं टूटना चाहिए. उन्होंने अतीत में भी विपक्ष की सीटों पर बैठकर संघर्ष किया है. यह संघर्ष भविष्य में भी सड़कों पर उतरकर जारी रहेगा. कुल मिलाकर, 26 तारीख की इस करारी हार के बाद, घासफुल खेमा अपने संगठन को मजबूत कर रहा है और दोबारा मैदान में उतरने के लिए तैयार है.

नौका हादसा: दो दिन बाद मिले दोनों लापता मजदूरों का शव

मालदा : गत बुधवार ओल्ड मालदा के मुचिया इलाके में टांगन नदी के दाहुक घाट पर हुए नाव हादसे में लापता दो मजदूरों के शव बरामद कर लिए गए है. लगातार दो दिनों की तलाश के बाद शुक्रवार सुबह नदी से दोनों शव बाहर निकाले गए.दो दिन पहले धान से लदी एक नाव पार कराने के दौरान अचानक टांगन नदी में डूब गई थी. नाव में सवार अन्य लोग किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहे, लेकिन दो मजदूर धान के साथ ही नदी में समा गए थे. सूचना मिलते ही आपदा प्रबंधन की

टीम मौके पर पहुंची. स्पीड बोट और गोताखोरों की मदद से दो दिनों तक व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका.शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों ने नदी में दो शव को देखा. एक मजदूर का शव घटनास्थल से कुछ दूरी पर मिला, जबकि दूसरा शव मुचिया के चर लक्ष्मीपुर फॉरेस्ट इलाके में बरामद हुआ.

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मालदा मेडिकल कॉलेज व अस्पताल भेज दिया.इस घटना से मृतकों के परिवारों और पूरे इलाके में शोक की लहर है. प्रशासन यह भी जांच कर रहा है कि क्या नाव में जरूरत से ज्यादा माल लादा गया था.

एआई और साइबर सुरक्षा पर विशेष व्याख्यान का हुआ आयोजन

युवा शक्ति न्यूज गयाजी : गया कॉलेज, गया में बहुआयामी एक दिवसीय वार्ता के तहत एआई और साइबर अपराध विषय पर शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण कार्यशाला आयोजित की गई.कार्यक्रम की मुख्य वक्ता अंतरराष्ट्रीय एआई कानूनी नीति विशेषज्ञ मिस दिव्यांशी रहीं.ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और अमेरिकन बार काउंसिल जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़ी रहीं दिव्यांशी को उनके सामाजिक योगदान के लिए महात्मा गांधी पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है.कार्यशाला के दौरान उन्होंने उभरते साइबर खतरों और एआई के नैतिक उपयोग पर प्रकाश डाला.उन्होंने कहा कि लंबे अनुभव के बाद, अब उनका उद्देश्य अपनी मातृभूमि और नई पीढ़ी को तकनीक के प्रति जागरूक कर देश सेवा करना है.इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे.

उत्तर बंगाल: उत्तर-पूर्वी भारत के प्रवेश द्वार पर विकास का नया सवेरा

सिलीगुड़ी : दार्जिलिंग की पहाड़ियाँ, सिलीगुड़ी, तराई, डुआर्स और संपूर्ण उत्तर बंगाल-जो उत्तर-पूर्वी भारत का प्रवेश द्वार है-आज विकास के एक अभूतपूर्व मोड़ पर खड़ा है. इस क्षेत्र की प्रगति के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे (खपषीरींर्ीिर्लीीश) को तैयार करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है.क्षेत्र की कनेक्टिविटी और व्यापार को विश्व स्तरीय बनाने के लिए कई बड़ी परियोजनाओं पर काम चल रहा है:बागडोगरा हवाई अड्डा: हवाई अड्डे का विस्तार और आधुनिकीकरण उत्तर बंगाल को अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगा.सड़क नेटवर्क: नए राष्ट्रीय राजमार्ग, एक्सप्रेसवे और एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण से यातायात सुगम होगा और समय की बचत होगी.सेवक-रंगपो रेल लाइन: यह महत्वाकांक्षी रेल परियोजना न केवल सिक्किम को शेष भारत से जोड़ेगी, बल्कि सामरिक और पर्यटन की दृष्टि से भी मील का पत्थर साबित होगी.विकास के साथ-साथ पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना भी अनिवार्य है.

झारखंड उच्च न्यायालय में उठा पेट्रोल-डीजल का मुद्दा, वकीलों ने की ऑनलाइन सुनवाई की मांग

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय में राजधानी रांची के कई पेट्रोल पंपों के ड्राई होने और पेट्रोल-डीजल को लेकर पंपों पर भारी भीड़ होने का मुद्दा उठाया गया. उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति संजय प्रसाद की खंडपीठ में दो अधिवक्ताओं शैलेश कुमार सिंह और वरीय अधिवक्ता एमएस मित्तल ने यह मुद्दा उठाया.उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया कि राजधानी रांची में बीते कुछ दिनों से कई पेट्रोल पंप ड्राई हो चुके हैं और बंद हैं. वहीं कुछ पेट्रोल पंपों पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी हुई है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देश के लोगों से आह्वान किया है कि वे वर्क फ्रॉम होम काम कर सकते हैं.ऐसे में झारखंड उच्च न्यायालय की सुनवाई भी ऑनलाइन तरीके से की जाए तो बेहतर होगा. जिस पर खंडपीठ ने कहा कि पेट्रोल-डीजल को लेकर जो स्थितियां वर्तमान में राजधानी रांची सहित राज्य के अन्य जिलों में दिख रही है, इससे वे भी अवगत हैं.अधिवक्ताओं के अनुरोध पर उन्होंने कहा कि इस विषय को उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के संज्ञान में लाने का प्रयास करेंगे. साथ ही उन्होंने अधिवक्ताओं को कहा कि ऑनलाइन कोर्ट चलाने के संदर्भ में वह चीफ

जस्टिस के पास वे अपनी बात रखें.राज्य में पेट्रोल-डीजल की गंभीर किल्लत के बीच झारखंड उच्च न्यायालय एडवोकेट्स एसोसिएशन ने भी सप्ताह में एक दिन अनिवार्य वर्चुअल कोर्ट संचालन की मांग की है. एसोसिएशन ने झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजकर प्रशासनिक निर्देश जारी करने का अनुरोध किया है.एसोसिएशन ने सुझाव दिया है कि सप्ताह में एक दिन जैसे सोमवार को मैंडेटरी वर्चुअल डे घोषित किया जाए, जिसमें उच्च न्यायालय और अधीनस्थ अदालतों में केवल वर्चुअल सुनवाई हो. पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि झारखंड उच्च न्यायालय पहले से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं से लैस है.वर्ष 2020 के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग नियमों के तहत इस व्यवस्था को आसानी से लागू किया जा सकता है.

एसोसिएशन ने मुख्य न्यायाधीश से आग्रह किया है कि राज्य में ईंधन आपूर्ति सामान्य होने और अदालतों के 08 जून 2026 को पुनः खुलने तक सप्ताह में एक दिन वर्चुअल कोर्ट संचालन का निर्देश जारी किया जाए. उल्लेखनीय है कि शुक्रवार की सुबह 06 बजे से ही राजधानी रांची के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल लेने के लिए वाहनों की लंबी कतार देखने को मिली.

लोग बोतल और गैलन में भी अपनी आवश्यकताओं के लिए पेट्रोल लेते पाए गए.

आसनसोल में सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने का आदेश

आसनसोल : आसनसोल नगर निगम ने सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने को लेकर सख्त रुख अपनाया है. निगम की ओर से जारी आधिकारिक नोटिस में स्पष्ट कहा गया है कि हटन रोड मोड़ से इस्माइल मोड़ तक फैले अवैध कब्जों को हटाने के लिए कार्रवाई तय कर दी गई है.नोटिस के अनुसार, अतिक्रमण करने वाले लोगों ने 14 मई 2026 को आवेदन देकर खुद ही अवैध निर्माण हटाने के लिए 15 दिनों का समय मांगा था. इस पर प्रशासन ने उन्हें 15 दिन की अंतिम मोहलत दे दी है. हालांकि, यह भी साफ कर दिया गया है कि इस अवधि के बाद किसी भी तरह का विस्तार या अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा.प्रशासन ने चेतावनी दी है कि तय समय सीमा पूरी होने के बाद संबंधित अधिकारी मौके पर जाकर भौतिक सत्यापन करेंगे. यदि कहीं भी अतिक्रमण या अवैध निर्माण पाया गया, तो उसे तुरंत तोड़ दिया जाएगा और इसके लिए पूरी जिम्मेदारी संबंधित अतिक्रमणकारियों की होगी.इस अभियान को लेकर जिला प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क है. पश्चिम बर्दवान के जिला मजिस्ट्रेट, पुलिस आयुक्त और अन्य संबंधित विभागों को नोटिस की प्रति भेजी गई है, ताकि अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखी जा सके.निगम ने पुलिस प्रशासन से पर्याप्त बल, महिला पुलिस और अग्निशमन विभाग की मौजूदगी सुनिश्चित करने को कहा है. साथ ही बिजली और टेलीफोन सेवाओं को भी आवश्यकतानुसार अस्थायी रूप से बंद करने के निर्देश दिए गए हैं.प्रशासन का कहना है कि आसनसोल में सरकारी जमीन पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और तय समय के बाद बड़े पैमाने पर बुलडोजर कार्रवाई की जाएगी.

डीएम ने एससी/एसटी अत्याचार के तहत 76 पीड़ित लाभुकों को 2786250 रुपये की मुआवजा की स्वीकृति

युवा शक्ति न्यूज

गया : अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति अत्याचार से पीड़ित व्यक्तियों के लिए सुविधा प्रदान करने के लिए बिहार सरकार अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत मुआवजा प्रदान करना है.जिले के डीएम शशांक शुभंकर द्वारा शुक्रवार को 76 पीड़ित लाभुकों को 2786250 रुपये मुआवजा स्वीकृति का आदेश दिया है.उन्होंने बताया कि गया जिला के विभिन्न थानों से प्राप्त प्राथमिकी एवं आरोप पत्र पर भुनसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 एवं समय-समय पर पीडित/पीड़िता को राहत अनुदान के कुल 76 मामले जिसमें प्रथम किस्त के 75 मामलो में कुल राशि-2686250/- एवं द्वितीय किस्त के 01 मामलो में कुल राशि- 100000/- के भुगतान का स्वीकृति दिया गया.

डीएम ने कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सदस्यो को अत्याचार से सुरक्षा प्रदान करने के लिए राज्य सरकार के द्वारा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम है.इस अधिनियम के के तहत् अत्याचार के मामलो में राहत अनुदान की राशि का भुगतान पीड़ित / पीड़िता को उनके आधार से सम्बद्ध बैंक खातो पर डीबीटी के माध्यम से किया जा रहा है.इस अधिनियम के तहत् गाली गलौज एवं अपमानित करने के मामले में धारा 3 (1) (ा) (ा) मे कुल राशि 100000/- रू0 जिसमें प्राथमिकी पर 25% (25000/-) माननीय न्यायालय में आरोप पत्र भेजे जाने पर 50% (50000/-) तथा दोष सिद्ध होने के उपरांत शेष 25% (25000/-) राशि का भुगतान किया जाता है.मार पीट / गम्भीर चोट के मामलो में इस अधिनियम की धारा 3 (2) (ि) के तहत् कुल राशि 200000/- जिसमें प्राथमिकी पर 25% (50000/-) माननीय न्यायालय में आरोप पत्र भेजे जाने पर 50% (100000/-) तथा दोष सिद्ध होने के उपरांत शेष 25% (50000/-) राशि का भुगतान किया जाता है.

बलात्संग एवं सामुहिक बलात्संग के मामले में क्रमशः 500000/- एवं 825000/- जिसमें चिकित्सा जांच और पुष्टि के पश्चात् 50% तथा न्यायालय में आरोप पत्र भेजे जाने पर 25% तथा दोष सिद्धि के उपरांत शेष 25% का भुगतान पीड़िता को उनके खाते पर डीबीटी के माध्यम से किया जाता है.

हत्या या मृत्यु के मामलो में कुल अनुमान्य राशि 825000/- जिसमें शव परीक्षण के उपरांत 50% रू 412500/- तथा माननीय न्यायालय में आरोप पत्र भेजे जाने पर 50% 412500/- पीड़ित के आश्रित को रू0 5000/- एवं महंगाई भर्त्ता के साथ प्रतिमाह पेंशन तथा माननीय न्यायालय में आरोप गठन के उपरांत परिवार के किसी सदस्य को नौकरी दिये जाने का प्रावधान है.

बिहार विधानसभा अध्यक्ष ने की शिक्षा सुधार पर उच्चस्तरीय बैठक

युवा शक्ति न्यूज

गयाजी : बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने शुक्रवार को गया स्थित जिला परिषद सभागार में जिले के प्राथमिक, मध्य एवं उच्च विद्यालयों के प्रधानाचार्यों तथा जिला शिक्षा पदाधिकारी के साथ शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की.बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता, आधारभूत संरचना एवं डिजिटल सुविधाओं के विस्तार पर विशेष रूप से चर्चा की गई.बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिल रहा है.राज्य सरकार द्वारा विद्यालयों की संख्या में वृद्धि, शिक्षकों की नियुक्ति, स्मार्ट क्लास, डिजिटल शिक्षा तथा छात्र-छात्राओं के लिए प्रोत्साहन योजनाओं पर विशेष बल दिया जा रहा है.डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा बजट में अभूतपूर्व वृद्धि करते हुए वर्ष 2026 में 68 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है, जो शिक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है.उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू नई शिक्षा नीति 2020 का उल्लेख करते हुए कहा कि अब शिक्षा को रोजगारोन्मुख, तकनीकी एवं व्यवहारिक बनाया जा रहा है.जिले के संदर्भ में उन्होंने कहा कि गया केवल धार्मिक और ऐतिहासिक नगरी ही नहीं, बल्कि ज्ञान और संस्कृति की भूमि भी है.

सीयूएसबी के कुलपति ने मेजर (डॉ.) वी. परिमला वेणु द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन किया

युवा शक्ति न्यूज

टिकारी(गया) : दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर मेजर डॉ. वी. परिमला वेणु द्वारा लिखित पुस्तक कंटेम्पोरेनिटी ऑफ कन्फ्लिक्ट्स एंड थॉट्स इन पोस्टकॉलोनियल ड्रामा का शुक्रवार को विमोचन किया.इस अवसर पर कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने मेजर वेणु को पुस्तक के प्रकाशन हेतु उनके सूक्ष्म एवं समर्पित कार्य के लिए सराहा.उन्होंने कहा कि पुस्तक को प्रकाशन तक पहुंचाने में उनका ईमानदार प्रयास, सुविचारित योजना और प्रत्येक विवरण पर विशेष ध्यान अत्यंत प्रशंसनीय है.पुस्तक की प्रस्तुति उनकी प्रतिबद्धता, धैर्य और उत्कृष्टता को दर्शाती है.कुलपति ने कहा कि इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए वे हार्दिक बधाई की पात्र हैं. जन संपर्क पदाधिकारी (पीआरओ) मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि मेजर वेणु ने एनसीसी, अंग्रेजी व्याकरण, प्रौद्योगिकी के माध्यम से अंग्रेजी भाषा शिक्षण, रिपोर्ट लेखन, व्यक्तित्व विकास आदि विषयों पर 12 पुस्तकें प्रकाशित की हैं तथा ग्रामर मेड इजी इन एंग्लो-हिंदी नामक एक सह-लेखित पुस्तक भी प्रकाशित की है.पुस्तक के संबंध में जानकारी देते हुए मेजर वेणु ने बताया कि कंटेम्पोरेनिटी ऑफ कन्फ्लिक्ट्स एंड थॉट्स इन पोस्टकॉलोनियल ड्रामा यह दर्शाती है कि उत्तर-औपनिवेशिक नाटक समकालीन समाज के सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक संघर्षों को अभिव्यक्त करने का एक सशक्त माध्यम कैसे बनता है.

यह पुस्तक आलोचनात्मक रूप से इस बात का विश्लेषण करती है कि उत्तर-औपनिवेशिक नाटककार किस प्रकार औपनिवेशिक शासन के बाद पहचान, विस्थापन, प्रतिरोध, संकरता, सत्ता और सांस्कृतिक स्मृति जैसे मुद्दों को अभिव्यक्त करते हैं.चयनित उत्तर-औपनिवेशिक स्थलों और संदर्भों के विश्लेषण के माध्यम से यह अध्ययन दर्शाता है कि नाट्य कथाएं राष्ट्रवाद, प्रवासन, लैंगिक राजनीति, नस्लीय तनाव तथा परंपरा और आधुनिकता के बीच संघर्ष जैसे वैश्विक एवं स्थानीय विवादों पर किस प्रकार प्रतिक्रिया देती हैं.

यह पुस्तक इस बात पर बल देती है कि वर्तमान समय की वास्तविकताओं को समझने में उत्तर-औपनिवेशिक नाटक कितने प्रासंगिक हैं तथा किस प्रकार औपनिवेशिक इतिहास के अनुभव आज भी समकालीन चिंतन और अभिव्यक्ति को प्रभावित कर रहे हैं.

साहित्यिक सिद्धांतों और गहन पाठ-विश्लेषण के बीच सेतु स्थापित करते हुए यह कृति उत्तर-औपनिवेशिक चेतना और उससे जुड़े विकसित होते विमर्शों पर नए दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है.यह पुस्तक उत्तर-औपनिवेशिक साहित्य, नाट्य अध्ययन और सांस्कृतिक अध्ययन के विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं विद्वानों के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ सामग्री है, साथ ही उन पाठकों के लिए भी उपयोगी है जो साहित्य और समकालीन सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों के अंतर्संबंध में रुचि रखते हैं.

न्यूज कॉर्नर

सिविल कोर्ट में लगा स्वास्थ्य जांच शिविर, 137 की हुई जांच

धनबाद : 90 दिवसीय अवेयरनेस एवं आउटरीच कार्यक्रम के तहत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर सिविल कोर्ट धनबाद परिसर में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर स्वास्थ्य जांच कराई. शिविर में सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ राजीव सिंह, डॉ एचएन सिंह, डॉ मनोज कुमार व पैरामेडिकल स्टाफ ने एक ओर जहां न्यायिक पदाधिकारियों, सिविल कोर्ट कर्मचारी, पारा लीगल वॉलेंटियर, अधिवक्ताओं के स्वास्थ्य की जांच की, वहीं लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का कार्य भी किया गया. चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने उपस्थित लोगों को नियमित जांच, स्वच्छता, संतुलित आहार एवं बीमारियों से बचाव के संबंध में जानकारी दी. इस बाबत जानकारी देते हुए प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि शिविर में कुल 137 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई. जरूरतमंद लोगों को आवश्यक चिकित्सीय परामर्श भी उपलब्ध कराया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना एवं उनमें स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना बताया गया. उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार लगातार जिले में जनजागरूकता का कार्यक्रम कर रही है, जिसके तहत अनेकों तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं.

जन शिकायत के प्रभारी पदाधिकारी ने सुनी जनता की समस्याएं

धनबाद: उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार प्रभारी जन शिकायत पदाधिकारी नियाज अहमद ने समाहरणालय स्थित सभागार में जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों की शिकायतों को सुना. लोगों के आवेदनों को प्राप्त कर उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को शिकायत का निष्पादन करने के लिए निर्देशित किया.जनता दरबार में नौकरी के नाम पर ठगी, बीसीसीएल में पुनर्वास तथा मुआवजा, पानी की समस्या, तालाब किनारे धार्मिक कार्य हेतु घाट निर्माण, बेघर को आवास व्यवस्था, किडनी फेल होने के कारण लोन चुकाने में असमर्थ, रैयती तालाब चौड़ीकरण के कारण आसपास के घर क्षतिग्रस्त, आम रास्ता तथा नाली का पानी रोकने, खाता संख्या में सुधार, होमगार्ड बहाली, पारिश्रमिक भुगतान में कटौती, आपसी विवाद, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य समेत विभिन्न आवेदन प्राप्त हुए. उन्होंने लोगों को पूर्ण भरोसा दिलाया कि आपकी समस्याओं को दूर करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है. जिला प्रशासन नियमानुसार आपकी हर समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेगा.

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, बोरियो में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

साहिबगंज : भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी की साहिबगंज शाखा और एसोसिएशन ऑफ सर्जन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, बोरियो में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित की गयी. कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डीएसई कुमार हर्ष, रेड क्रॉस सचिव डॉ विजय कुमार तथा संयुक्त सचिव चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा ने दीप प्रज्वलित कर किया. विद्यालय की प्रचार्या सह वार्डन अनीता कुमारी ने स्वागत भाषण दिया और छात्राओं ने स्वागत गीत से शुरू किया. मुख्य अतिथि ने स्वास्थ्य जांच शिविर के महत्व पर प्रकाश डाला. शिविर में स्वास्थ्य विभाग साहिबगंज की ओर से डॉ विवेक भारती, डॉ सुदामा साह, लवली कुमारी, विजय प्रताप, ज्योति कुमारी, संगीता कुमारी, रेशम अफरोज, रोजिना हेंब्रम, प्रभावती हेंब्रम ने रक्त जांच, आंखों की जांच की तथा दवा वितरण किया. साथ ही सूर्या नर्सिंग एजुकेशनल कॉलेज की छात्राओं ने सीपीआर प्रशिक्षण देकर जीवन रक्षा की जानकारी दी. शिविर में कुल 260 बालिकाओं की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक सलाह दी गयी. कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, छात्राएं तथा विभिन्न संस्थाओं के सदस्य उपस्थित रहे.

कूड़ा उठाने के दौरान नप के सफाई कर्मी को करंट लगने से हालत गंभीर, भर्ती

साहिबगंज : नगर परिषद के सफाई कर्मी मनोज मलिक का शुक्रवार को बंगाली टोला में कूड़ा उठाने के दौरान करंट लगने से हालत गंभीर हो गई. अन्य नप कर्मियों ने बेहोशी की हालत में इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया है. नप कर्मियों ने बताया कि ट्रैक्टर कचड़ा उठाव के लिए गया था. बंगाली टोला स्थित तिलकधारी कुआं के पास एक बिजली का पोल है. कूड़ा उठाने के दौरान कुदाल पोल में सट गया. इससे बेहोश हो गया. वही नप कर्मी झरना कॉलोनी के रहने वाले मनोज मलिक(50) है. मनोज मलिक दैनिक भत्ता पर काम करता है. इधर डॉक्टर डॉ. केशव कृष्णा ने बताया कि मनोज की गंभीर रूप से करंट लगा है. फिलहाल इलाज चल रहा है.

मारपीट के दो अलग-अलग मामलों में चार आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

मिर्ज़ाचौकी : थाना में दर्ज दो अलग-अलग मारपीट मामलों में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया.प्राप्त जानकारी के अनुसार मिर्ज़ाचौकी थाना कांड संख्या 42/26 में पुलिस ने आरोपी मोहम्मद सोनू एवं मोहम्मद रेहान को गिरफ्तार करके आवश्यक जहां मिर्ज़ाचौकी पुलिस ने दो आरोपी मोहम्मद तसलीम एवं निसार को गिरफ्तार करके आवश्यक पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया!

मनमानी के खिलाफ मुख्यमंत्री, सम्राट चौधरी ने लिया संज्ञान: लोजपा (रामविलास)

औरंगाबाद (बिहार) : शुक्रवार दिनांक - 15 मई 2026 को अपने जिला मुख्यालय स्थित आवास पर ही लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के जिलाध्यक्ष, चंद्र भूषण कुमार सिंह उर्फ सोनू सिंह ने एक प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया! जिसमें मौके पर उपस्थित मीडिया कर्मियों को जानकारी देते हुए बताया कि यहां निजी विद्यालय के संचालक, प्राचार्य, विद्यालय शिक्षक द्वारा हमेशा की जा रही मनमानी के खिलाफ जब मैंने अभिभावकों द्वारा प्राप्त लिखित आवेदन के आधार पर ही बच्चों की शिक्षा से जुड़ी हुई मामले में प्रमुखता से आवाज उठाई, तो बिहार के माननीय मुख्यमंत्री, सम्राट चौधरी ने भी इस मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वतः संज्ञान लिया है, और निजी विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ कठोर निर्णय लेते हुए आदेश भी निर्गत कर दिया है, कि कोई भी निजी विद्यालय अब मनमानी नहीं करेगा, और विद्यालय में पढ़ रहे छात्र-छात्रा के साथ शोषण नहीं करेगा! किसी भी निजी विद्यालय के द्वारा अब यह दबाव नहीं बनाया जाएगा, कि मेरे ही विद्यालय से या मेरे सांठ - गांठ से चल रही दुकान से ही विद्यालय के कोई भी अभिभावक या छात्र-छात्रा मनमानी दर पर पोशाक खरीदे या कॉपी - कलम किताब खरीदें! इसलिए अब किसी भी निजी विद्यालय में पढ़ रहे

छात्र-छात्रा या उनके अभिभावक अब किसी भी दुकान से सामान खरीद सकते हैं! जहां उन्हें उचित दर पर शिक्षा से जुड़ी हुई कोई भी सामान मिलता हो! इसके बाद लोजपा (रामविलास) के जिलाध्यक्ष, चंद्र भूषण कुमार सिंह उर्फ सोनू सिंह ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री, सम्राट चौधरी द्वारा यह पारित आदेश के बावजूद भी यदि कोई निजी विद्यालय के संचालक या उनके विद्यालय स्टाफ द्वारा अपने चुनिंदा दुकानों से ही कॉपी - कलम -किताब, टाइ - बेल्ट, जूता - मौजा, पोशाक खरीद करने हेतु छात्र-छात्र या उनके अभिभावक को दबाव बनाया जाता है, तो वो हमारे पास या राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के किसी भी साथियों के पास अथवा माननीया जिला पदाधिकारी, अभिलाषा शर्मा के पास भी मिलकर लिखित आवेदन देते हुए शिकायत दर्ज करा सकते हैं, कि इस निजी विद्यालय के प्रबंधन द्वारा हम पर जबरदस्ती दबाव बनाया जा रहा है, कि यहां से ही आप यह सामान खरीदें! तत्पश्चात लोजपा (रामविलास) के जिलाध्यक्ष, चंद्र भूषण कुमार सिंह उर्फ सोनू सिंह ने यह भी बताया कि माननीय मुख्यमंत्री, सम्राट चौधरी ने निजी विद्यालयों के लिए यह भी आदेश जारी किया है, कि कोई भी विद्यालय अपने विद्यालय की सूची लिस्ट में यह लिखकर टांगेगा,

कि किन-किन वर्गों के लिए, कितने - कितने रूपये के हिसाब से प्रति माह फीस लिया जाता है, और यदि ऐसा कोई भी विद्यालय में नियम का पालन नहीं किया जाएगा, तो उन पर नियमानुकूल तरीके से बिहार - सरकार, सक्षम पदाधिकारी कार्रवाई भी करेंगे! तब संवाददाता ने लोजपा (रामविलास) जिलाध्यक्ष, चंद्र भूषण सिंह उर्फ सोनू सिंह से सवाल पूछा कि किसी भी राजनीतिक पार्टी के बड़े-बड़े नेताओं द्वारा मंच पर तो खूब लंबा लंबा भाषण दिया जाता हैं, कि सम्मान शिक्षा लागू होनी चाहिए, परंतु ऐसा होता नहीं है, और हमेशा निजी विद्यालयों संचालक को ही बढ़ावा दिया जाता है? आखिर ऐसा क्यों? तब संवाददाता द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए लोजपा (रामविलास) जिलाध्यक्ष, चंद्र भूषण कुमार सिंह उर्फ सोनू सिंह ने कहा कि बिहार में माननीय मुख्यमंत्री, नीतीश कुमार के बाद बिहार के माननीय मुख्यमंत्री, सम्राट चौधरी ने सत्ता संभालते ही जनहित से जुड़े हुए, शिक्षा के क्षेत्र में यह कठोर निर्णय लिया है! इसलिए आने वाले दिनों में यह भी सुधार निश्चित तौर पर होगा!

डीसी ने जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी

जमशेदपुर: समाहरणालय परिसर से उपायुक्त राजीव रंजन ने मकान गणना और जनगणना 2027 समेत वज्रपात एवं लू से बचाव हेतु जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि गर्मी के मौसम में लू एवं बारिश में वज्रपात की घटनाओं से बचाव हेतु आमजनों को जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है. जागरूकता रथ के माध्यम से जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी दी जाएगी. उपायुक्त ने कहा कि लू से बचाव हेतु दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं तथा हल्के एवं सूती कपड़ों का प्रयोग करें. वहीं मौसम खराब होने, तेज गर्जन अथवा बिजली चमकने की स्थिति में लोग खुले मैदान, पेड़ के नीचे अथवा जलाशयों के आसपास जाने से बचें. उन्होंने कहा कि जनगणना-2027 के तहत भवन गणना एवं मकान सूचीकरण कार्य को लेकर भी आमजनों को जागरूक किया जाएगा.

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर दीवार से जा टकराई और धू-धू कर जलने लगी

साहिबगंज : शुक्रवार को दोपहर को मुख्य सड़क पर महादेवगंज में एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया. तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर दीवार से टकरा गई, जिसके बाद वाहन में अचानक भीषण आग लग गई. देखते ही देखते स्कॉर्पियो धू-धू कर जलने लगी. हालांकि वाहन में सवार चालक और एक अन्य व्यक्ति समय रहते बाहर निकल गए, जिससे उनकी जान बच गई.घटना के बाद इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया. सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की दमकल मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

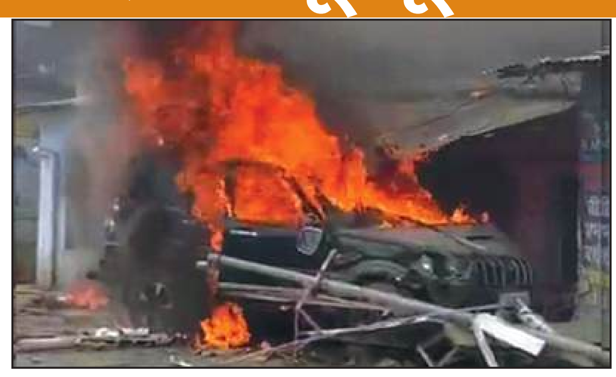

गया. हालांकि तब तक स्कॉर्पियो पूरी तरह जल चुकी थी. आग में वाहन का अधिकांश हिस्सा खाक हो गया, जबकि इंजन और चेचिस ही किसी तरह बच सके.जानकारी के अनुसार काले रंग की स्कॉर्पियो (जेएच 18 पी 7042) महादेवगंज से साहिबगंज की ओर जा रही थी. इसी दौरान महादेवगंज चौक के समीप वाहन असंतुलित हो गया और पहले सड़क किनारे खड़ी एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी.इसके बाद स्कॉर्पियो बाइक को घसीटते हुए बिजली के पोल से टकराई और फिर एक मकान की दीवार में जा घुसी.प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो का फ्यूल टैंक क्षतिग्रस्त हो गया. टैंक से डीजल रिसने के बाद पूरे वाहन में आग फैल गई. घटना की सूचना पर मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी.पुलिस जांच में स्कॉर्पियो जयंती ग्राम निवासी मनीष मंडल नामक युवक की बताई जा रही है.

वट सावित्री पर्व की तैयारी में जुटीं महिलाएं, बाजारों में उमड़ी खरीदारों की भीड़

साहिबगंज : जिले के सभी प्रखंडों में वट सावित्री व्रत को लेकर शुक्रवार को बाजारों में उत्साह और रौनक चरम पर रही. खासकर साड़ी, श्रृंगार और पूजन सामग्री की दुकानों पर महिलाओं की भारी भीड़ देखने को मिली. महिलाओं ने नई साड़ियां, चूड़ियां, सिंदूर, बिंदी और अन्य सजावटी सामान की जमकर खरीदारी की.पर्व को देखते हुए पूजन सामग्री की दुकानों पर भी ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ रही. कच्चा सूत, अगरबत्ती, धूप, दीप और पूजा में उपयोग होने वाली अन्य सामग्रियों की बिक्री तेज रही. फल बाजारों में भी चहल-पहल बढ़ गई, जहां केला, आम समेत मौसमी फलों की मांग में इजाफा देखा गया. दुकानदारों के अनुसार वट सावित्री पर्व के कारण सामान्य दिनों की अपेक्षा कारोबार में काफी बढ़ोतरी हुई है. बाजारों में दिनभर उत्सव जैसा माहौल बना रहा.महिलाओं ने बताया कि वट सावित्री व्रत उनके लिए आस्था और श्रद्धा का महत्वपूर्ण पर्व है. इस दिन महिलाएं पति की लंबी उम्र, परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना के साथ व्रत रखती हैं.शनिवार को प्रखंड क्षेत्र में वट सावित्री व्रत श्रद्धा और विधि-विधान के साथ मनाया जाएगा. महिलाएं वट वृक्ष की पूजा कर परिक्रमा लगाएंगी, रक्षा सूत्र बांधेंगी तथा व्रत कथा सुनकर पूजा-अर्चना करेंगी.

आग लगने से स्कूल के पुराने क्वार्टर जलकर खाक

कर्सियांग,: पहाड़ के एक प्राचीन शैक्षणिक संस्थान में शुक्रवार को अचानक भयावह आग लगने से अफरा-तफरी मच गई. इस घटना में पुराने क्वार्टर में पूरी तरह जलकर राख हो गया.मिली जानकारी के अनुसार, विक्टोरिया बॉयज स्कूल परिसर के भीतर स्थित एक पुराने क्वार्टर में अचानक आग लग गई. देखते ही देखते आग ने पूरे पुराने क्वार्टर को अपनी चपेट में ले लिया. स्थानीय लोगों और स्कूल कर्मचारियों ने शुरुआती स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की,

सिलीगुड़ी: नौकाघाट मोड़ पर ट्रैफिक पुलिस की भारी चेकिंग, नियम तोड़ने वालों में मचा हड़कंप

सिलीगुड़ी:. सिलीगुड़ी के व्यस्ततम इलाकों में से एक नौकाघाट मोड़ पर शुक्रवार को ट्रैफिक पुलिस द्वारा चलाए गए एक विशेष अभियान के कारण काफी हलचल देखी गई. सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने के लिए पुलिस ने सुबह से ही नाकेबंदी कर सघन तलाशी अभियान चलाया.ट्रैफिक पुलिस की टीम ने सड़क से गुजरने वाले दोपहिया और चार पहिया वाहनों को रोककर उनके दस्तावेजों की जांच की. इस दौरान मुख्य रूप से निम्नलिखित चीजों पर ध्यान दिया गया:चालक का वैध ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन के कागजात.बाइक सवारों द्वारा हेल्मेट का उपयोग.ट्रैफिक सिग्नल का पालन और वाहनों की गति सीमा.जैसे ही पुलिस का अभियान शुरू हुआ, नियम तोड़ने वाले कई वाहन चालकों में अफरा-तफरी मच गई. कई बाइक सवार पुलिस को देखकर बीच सड़क से ही गाड़ी मोड़कर उल्टी दिशा में भागते दिखे, तो कुछ लोग पुलिस की नजरों से बचने के लिए अपना चेहरा छिपाकर गलियों से निकलने की कोशिश करते नजर आए. हालांकि, मुस्तैद ट्रैफिक कर्मियों ने कई नियम तोड़ने वालों को मौके पर ही पकड़ लिया.

पुलिस सूत्रों के अनुसार, लापरवाही से गाड़ी चलाने, बिना हेल्मेट के यात्रा करने और आवश्यक दस्तावेज न होने के आरोप में कई वाहनों का चालान काटा गया और कुछ को जब्त भी किया गया. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और लोगों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए इस तरह के औचक अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे.

संजोड़ी मेला जाने के दौरान बड़ा हादसा, दो बाइक की टक्कर में एक युवक का पैर टूटा दूसरे की हालत गंभीर

बरहेट : प्रखंड क्षेत्र के डूंगली बरमसिया के समीप शुक्रवार को दो बाइक के बीच हुई जोरदार टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे में एक युवक का पैर टूट गया, जबकि दूसरे के सिर में गंभीर चोट आई है. घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया.प्राप्त जानकारी के अनुसार बरमसिया निवासी राम किस्कू उम्र 30 अपने घर से संजोड़ी मेला में फुटबॉल मैच देखने जा रहे थे. इसी दौरान डूंगली निवासी जीवन सोरेन उम्र 25, जो तेज रफ्तार बाइक से पीछे से आ रहा था, उसी बीच उसने राम किस्कू की बाइक में जोरदार टक्कर मार दी.टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक सड़क पर गिर गईं और दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे में राम किस्कू का बायां पैर टूट गया, वहीं जीवन सोरेन के सिर में गहरी चोट लगने की सूचना है.घटना के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को उपचार के लिए बरहेट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. वहां मौजूद चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया.

सीमा पर सुरक्षा की ओर बड़ा कदम: मालदा में किसानों ने बाड़ लगाने के लिए 'हंसते-हंसते' सौंपी अपनी जमीन

मालदा : पश्चिम बंगाल की नई सरकार के आदेश के बाद भारत-बांग्लादेश सीमा पर कटीले तारों की बाड़ लगाने का काम युद्ध स्तर पर शुरू हो गया है. शुक्रवार को मालदा जिले के हबीबपुर ब्लॉक में प्रशासन द्वारा जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया के दौरान एक अनोखी तस्वीर देखने को मिली, जहाँ सीमावर्ती किसानों ने देश की सुरक्षा के लिए अपनी जमीन स्वेच्छा से प्रशासन को सौंप दी.मालदा जिला प्रशासन के निर्देश पर शुक्रवार सुबह से ही हबीबपुर ब्लॉक के भूमि एवं भूमि सुधार विभाग (के अधिकारियों ने सीमावर्ती इलाकों का दौरा किया. यह प्रक्रिया मुख्य रूप से जज़ईल क्षेत्र के भवानीपुर, भावुक, आगरा, ईटाघाटी और कोटलपुर जैसे गांवों में चलाई गई. अधिकारियों ने मौके पर ही किसानों से जमीन अधिग्रहण के लिए जरूरी दस्तावेजों और प्रतिज्ञा-पत्रों पर हस्ताक्षर कराए.आमतौर पर जमीन अधिग्रहण को लेकर विवाद देखे जाते हैं, लेकिन यहाँ के किसान इस फैसले से बेहद खुश नजर आए. किसानों का कहना है कि सीमा पर बाड़ न होने के कारण उन्हें वर्षों से भारी नुकसान उठाना पड़ रहा था.

फसल और पशुओं की सुरक्षा: किसानों ने बताया कि बांग्लादेशी उपद्रवी अक्सर भारतीय सीमा में घुसकर उनकी तैयार फसल काट ले जाते थे और मवेशियों (गाय-बैलों) की चोरी कर उन्हें सीमा पार ले जाते थे.पुरानी मांग पूरी: ग्रामीणों का कहना है कि वे लंबे समय से बाड़ लगाने की मांग कर रहे थे, जिसे नई सरकार ने 4 दिनों की समय सीमा तय कर पूरा करने का साहस दिखाया है.जमीन देने वाले किसानों ने सरकारी नियमों के अनुसार उचित मूल्य (चरीज्ञशीं ठरीश) मिलने के आश्वासन पर अपनी सहमति दी है. प्रशासन ने साफ किया है कि प्रत्येक किसान को उनकी जमीन के बदले तय सरकारी मुआवजा प्रदान किया जाएगा.हबीब ब्लॉक भूमि एवं भूमि सुधार अधिकारी स्वपन तरफदार ने बताया:राज्य सरकार ने बीएसएफ को 4 दिनों में जमीन सौंपने का फैसला किया है. इसी क्रम में हमने अधिग्रहण का काम शुरू किया है. किसानों का सहयोग सराहनीय है, वे खुद आगे आकर अपनी जमीन दे रहे हैं. हमें उम्मीद है कि यह प्रक्रिया समय सीमा के भीतर पूरी कर ली जाएगी.सीमा पर बाड़ लग जाने से न केवल मालदा बल्कि पूरे पश्चिम बंगाल में घुसपैठ और तस्करी जैसी अवैध गतिविधियों पर लगाम लगने की उम्मीद जताई जा रही है.

मानगो की ट्रैफिक अव्यवस्था और चेकिंग में अनियमितता को लेकर जदयू ने उठाई आवाज

जमशेदपुर : जनता दल यूनाइटेड पूर्वी सिंहभूम के जिला अध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव के नेतृत्व में आज पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल जमशेदपुर के सिटी एसपी से मिला और शहर की गंभीर ट्रैफिक समस्याओं को लेकर विस्तृत ज्ञापन सौंपा. प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से मानगो क्षेत्र में लगातार बढ़ती ट्रैफिक अव्यवस्था, जाम, दुर्घटनाओं की आशंका एवं ट्रैफिक चेकिंग में हो रही अनियमितताओं को प्रमुखता से उठाया. जदयू नेताओं ने कहा कि मानगो पायल सिनेमा रोड पर फ्लाईओवर के डाउनरैंप निर्माण के बाद एक ही सड़क पर अत्यधिक ट्रैफिक दबाव बढ़ गया है, जिससे दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है. सड़क संकरी होने तथा वाहनों की संख्या लगातार बढ़ने के कारण दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ गई है. प्रतिनिधिमंडल ने इस क्षेत्र में स्थायी ट्रैफिक प्रबंधन, वैकल्पिक व्यवस्था एवं पुलिस बल की तैनाती की मांग की. ज्ञापन में यह भी कहा गया कि शहर में ट्रैफिक चेकिंग के नाम पर आम जनता को अनावश्यक परेशान किया जा रहा है. मानगो क्षेत्र की तीन प्रमुख सड़कों में से एक सड़क पर 7 से 8 स्थानों पर लगातार जांच अभियान चलाया जाता है, जबकि बाकी दो सड़कों पर नाममात्र की जांच होती है. इससे एक ही मार्ग पर भारी जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है. जदयू नेताओं ने आरोप लगाया कि ट्रैफिक जांच के दौरान कई स्थानों पर पारदर्शिता का अभाव देखने को मिलता है. कहीं भी यह स्पष्ट नहीं रहता कि कितने वाहनों को पकड़ा गया और कितना जुर्माना वसूला गया. प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि सभी ट्रैफिक जांच स्थलों पर प्रतिदिन की कार्रवाई का सार्वजनिक रिकॉर्ड रखा जाए. प्रतिनिधिमंडल ने यह भी मांग

उठाई कि पूरे झारखंड की तरह जमशेदपुर में भी अधिक से अधिक ऑनलाइन चालान व्यवस्था लागू की जाए. जिन वाहन चालकों के पास तत्काल जुर्माना जमा करने की राशि उपलब्ध नहीं हो, उनकी गाड़ी जब्त करने के बजाय ऑनलाइन चालान जारी किया जाए ताकि वे बाद में पोर्टल अथवा न्यायालय के माध्यम से राशि जमा कर सकें. जदयू नेताओं ने स्कूल समय में ट्रैफिक चेकिंग पर भी सवाल उठाया. उन्होंने कहा कि सुबह 7 बजे से ही कई स्थानों पर जांच शुरू हो जाती है, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों एवं अभिभावकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है. पार्टी ने मांग की कि स्कूल समय में, विशेषकर स्कूलों के आसपास, ट्रैफिक जांच पर रोक लगाई जाए. प्रतिनिधिमंडल ने नो-एंट्री व्यवस्था में कथित अनियमितताओं का मुद्दा भी उठाया. नेताओं ने कहा कि पहले नो-एंट्री के दौरान केवल टाटा कंपनी के आवश्यक वाहनों को अनुमति दी जाती थी, लेकिन अब निजी वाहन मालिकों को भी कथित रूप से अवैध तरीके से पास जारी किए जा रहे हैं, जिससे जाम और दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है. जदयू ने सभी जारी पासों की जांच कर अवैध पास निरस्त करने की मांग की. इसके अलावा बिष्टुपुर मेन रोड, वोल्टास गोलचक्कर से आदित्यपुर जाने वाले मार्ग पर मुख्य सड़क पर 90 अवैध पार्किंग एवं वाहन खड़ा करने के मामले को भी प्रतिनिधिमंडल ने उठाया. नेताओं ने आरोप लगाया कि इससे ट्रैफिक बाधित होता है और आम लोगों को परेशानी होती है. जदयू नेताओं ने यह भी कहा कि कई स्थानों पर ट्रैफिक पुलिस मुख्य सड़क से हटकर छिपकर जांच करती है और अचानक वाहन चालकों को रोकती है, जिससे कई बार चालक असंतुलित होकर गिर जाते हैं और दुर्घटनाएं होती हैं. पार्टी ने मांग की कि ट्रैफिक पुलिस सामने रहकर व्यवस्थित तरीके से जांच करे. सिटी एसपी ने प्रतिनिधिमंडल की सभी बातों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देकर समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया. मौके पर मुख्य रूप से महानगर अध्यक्ष अजय कुमार, जिला महासचिव कुलविंदर सिंह पन्नू, युवा मोर्चा अध्यक्ष नीरज सिंह, प्रवक्ता आकाश शाह,बीर सिंह देवगन, सचिव विकास साहनी, संजीब सिंह, अशोक सिंह, विनोद सिंह, लालू गौड़, दिनेश कुमार, दीपक गौड़, विकास रजक, बबलू कुमार, लालू गौड़, अवतार सिंह, दीपक गौड़, धनोज सिंह एवं त्रिलोचन सिंह,दर्शन सिंह,गणेश चन्द्र, अर्जुन मुखी उपस्थित थे.

संपादकीय
कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए
कोलकाता | शनिवार | 16 मई, 2026

फिर एक निर्भया त्रासदी

चौदह साल पहले दिल्ली में जिस निर्भया कांड ने भारत की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया था, दिल्ली में एक बार फिर उस जैसी त्रासदी की पुनरावृत्ति हुई है. दिल्ली ने एक बार फिर इस भयावह सच का सामना किया है कि वहां की सार्वजनिक जगहें महिलाओं के लिये कितनी असुरक्षित व भयावह बनी हुई हैं. दुर्भाग्य से एक बार फिर वही बस अपराध स्थली बनी है, जो सार्वजनिक आवागमन और सुरक्षा के लिये बनी होती हैं. दिल्ली स्थित नांगलोई में एक प्राइवेट स्लीपर बस के भीतर ड्राइवर और कंडक्टर द्वारा एक महिला के साथ कथित रूप से गैंगरेप की घटना ने सभ्य समाज को गहरे तक विचलित किया है. इस घटना ने एक बार फिर से शासन–प्रशासन, पुलिसिंग और परिवहन नियमों के पालन में हुई भारी चूक का एक जीता–जागता सबूत पेश किया है. निस्संदेह, इस घटना की क्रूरता केवल उस हमले में ही नहीं है, बल्कि उत्पन्न परिस्थितियों की भयानक रूप में जानी–पहचानी प्रकृति में भी है. विडंबना देखिए कि जिस बस को महिलाएं सार्वजनिक यातायात के लिये सुरक्षित मानकर चलती हैं, उसी में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई है. एक बार फिर बस अपराधियों के मंसूबों को पूरा करने वाला साधन बनी. इस घटना ने एक बार फिर से उजागर किया है कि जिन लोगों को यात्रियों की सुरक्षित आवागमन की जिम्मेदारी दी गई थी, वे ही कथित तौर पर दरिंदे बनकर सामने आए. हर बार की तरह तुरंत कार्रवाई का दावा करते हुए गिरफ्तारी को तत्काल कदम उठाने के रूप में दर्शाया जा रहा है. जबकि ऐसे हकीकत है कि हमारी व्यवस्था की विद्रूपताएं जस की तस बनी हुई हैं. सही मायनों में देश के हृदय में वर्ष 2012 के जख्म अभी भरे नहीं हैं. विडंबना देखिए कि निर्भया कांड के बाद सरकारों ने तमाम सुधारों के वायदे जनता के सामने किए थे. तब घोषणा की गई थी कि अपराधियों पर नजर रखने के लिये दिल्ली में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी को व्यापक रूप दिया गया है. लेकिन परिणाम जस के तस रहे. देश को याद है कि वर्ष 2012 के निर्भया कांड के बाद त्वरित फैसले देने वाली अदालतों की स्थापना करने की घोषणा की गई थी. इसके अलावा महिला सुरक्षा से जुड़ी तमाम योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये व्यापक प्रचार किया गया था. इसके बावजूद एक और निर्भया जैसी घटना बताती है कि अब तक जमीनी हकीकत में बहुत कुछ बदलाव नहीं आया है. देखने में आया है कि तमाम निजी बसें अपर्याप्त निगरानी व लचर सुरक्षा व्यवस्था के साथ चलती रहती हैं. महिला यात्रियों की सुरक्षा के प्रोटोकॉल का पालन अक्सर महज दिखावे के लिये होता है. निस्संदेह, निजी बसों के कर्मचारियों की सख्त जांच के अभाव ने ऐसे वातावरण को तैयार किया है जहां चालक–परिचालक व अन्य अपराधियों की समांतर गुंडागर्दी चलती रहती है. यही वजह है कि गाहे–बगाहे दिल्ली की छवि महिलाओं के लिये असुरक्षित शहर होने के कारण खराब हुई है. जिसका कारण है कि यहां जवाबदेही संस्थागत होने के बजाय सतही तौर पर नजर आती है. यह विडंबना ही है कि हर बार ऐसी घटना के बाद जन आक्रोश में उबाल आता है. लेकिन देखने में आता है कि जल्दी ही राजनीतिक बयानबाजी और कालांतर नौकरशाही की उदासीनता में बदल जाता है. यही वजह है कि महिलाएं इस भय को अपनी नियति मानकर जीने को अभिशप्त हैं. दिल्ली की जागरूक जनता को चाहिए कि वे नांगलोई की घटना को महज एक और गुजरती सुर्खी बनकर न रहने दें. उन्हें इसे ऐसे अपराधों को रोकने की दिशा में एक निर्णायक मोड़ बनाना चाहिए. निस्संदेह, दिल्ली के अधिकारियों को निजी परिवहन संचालकों की व्यापक जांच–पड़ताल करनी चाहिए. जिसमें रियल–टाइम जीपीएस ट्रैकिंग को निजी बसों में अनिवार्य रूप से लागू करना चाहिए. साथ ही निजी बस चालक व परिचालकों की पृष्ठभूमि की कड़ी जांच करनी चाहिए. सबसे महत्वपूर्ण यह कि सरकारों को समझ लेना चाहिए कि महिलाओं की सुरक्षा महज बयानबाजी व नारे लगाने से सुनिश्चित नहीं होगी. साथ ही शासन–प्रशासन को घटना के बाद पुलिस कार्रवाई तक सीमित नहीं होना चाहिए. बल्कि अपराध नियंत्रण की दिशा में भी गंभीर पहल होनी चाहिए.

वट सावित्री व्रत : प्रेम, समर्पण और अटूट विश्वास का पावन पर्व

– उदय कुमार सिंह

प्रेम की शक्ति कितनी अद्भुत हो सकती है, इसका सबसे प्रेरणादायक उदाहरण वट सावित्री व्रत में देखने को मिलता है. यह केवल एक धार्मिक व्रत नहीं, बल्कि पति-पत्नी के अटूट प्रेम, विश्वास और समर्पण का प्रतीक है. हिंदू धर्म में मान्यता है कि माता सावित्री ने अपने दृढ़ निश्चय, बुद्धिमत्ता और पतिव्रता धर्म के बल पर यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे. यही कारण है कि आज भी विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना के लिए यह व्रत पूरे श्रद्धा के साथ रखती हैं. वट सावित्री व्रत महिलाओं के लिए केवल पूजा-अर्चना का पर्व नहीं बल्कि रिश्तों की मजबूती, धैर्य, निष्ठा और समर्पण का संदेश देने वाला उत्सव भी है. यह व्रत हमें सिखाता है कि सच्चे प्रेम और अडिग विश्वास के सामने बड़ी से बड़ी बाधा भी टिक नहीं सकती. क्या है वट सावित्री व्रत? वट सावित्री व्रत हिंदू धर्म का एक प्रमुख पर्व है, जिसे ज्येष्ठ मास की अमावस्या या पूर्णिमा तिथि को अलग-अलग क्षेत्रों में मनाया जाता है. उत्तर भारत में यह व्रत ज्येष्ठ अमावस्या को जबकि महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा जैसे राज्यों में ज्येष्ठ पूर्णिमा को मनाने की परंपरा है. इस दिन विवाहित महिलाएं बरगद यानी वट वृक्ष की पूजा करती हैं और सावित्री-सत्यवान की कथा सुनती हैं. वट वृक्ष को दीर्घायु, स्थिरता और अमरत्व का प्रतीक माना गया है. धार्मिक मान्यता के अनुसार इसकी जड़ों में ब्रह्मा, तने में भगवान विष्णु और शाखाओं में भगवान शिव का वास होता है. वट सावित्री व्रत का महत्व वट सावित्री व्रत का धार्मिक और सामाजिक दोनों दृष्टियों से विशेष महत्व है. यह व्रत पति की लंबी आयु, परिवार की सुख-समृद्धि और वैवाहिक जीवन में प्रेम बनाए रखने के लिए रखा जाता है. इस पर्व का संदेश है कि रिश्ते केवल शब्दों से नहीं बल्कि विश्वास, त्याग और समर्पण से मजबूत बनते हैं. सावित्री की कथा महिलाओं को साहस, धैर्य और निष्ठा की प्रेरणा देती है. यह पर्व परिवार और दांपत्य जीवन में प्रेम, सम्मान और एक-दूसरे के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करता है. वट सावित्री व्रत कथा प्राचीन समय में मद्र देश के राजा अश्वपति की कोई संतान नहीं थी. संतान प्राप्ति के लिए उन्होंने वर्षों तक तपस्या और यज्ञ किया. उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर देवी सावित्री प्रकट हुईं और उन्हें एक तेजस्वी पुत्री का वरदान दिया. देवी के आशीर्वाद से जन्म लेने के कारण कन्या का नाम सावित्री रखा गया. समय बीतने के साथ सावित्री अत्यंत सुंदर, बुद्धिमान और गुणवान युवती बनीं. विवाह योग्य होने पर उनके पिता ने उन्हें स्वयं अपना वर चुनने की अनुमति दी. भ्रमण के दौरान सावित्री की मुलाकात वनवासी राजा द्युमत्सेन के पुत्र सत्यवान से हुई. सत्यवान सत्यवादी, धर्मात्मा और परोपकारी थे. सावित्री ने उन्हें अपना पति चुन लिया. जब ऋषि नारद को यह पता चला तो उन्होंने राजा अश्वपति को बताया कि सत्यवान अल्पायु हैं और विवाह के एक वर्ष बाद उनकी मृत्यु निश्चित है. यह सुनकर राजा चिंतित हो उठे और उन्होंने सावित्री को अपना निर्णय बदलने के लिए कहा. लेकिन सावित्री अपने निर्णय पर अडिग रहीं. उन्होंने कहा कि आर्य कन्या जीवन में केवल एक बार ही पति का वरण करती है. अंततः सावित्री और सत्यवान का विवाह हो गया. विवाह के बाद सावित्री अपने पति और अंधे सास-ससुर के साथ वन में रहने लगीं. वह पूरे समर्पण के साथ परिवार की सेवा करती थीं. जैसे-जैसे सत्यवान की मृत्यु का समय निकट आने लगा, सावित्री ने कठोर उपवास और तपस्या आरंभ कर दी. नियत दिन सत्यवान लकड़ी काटने जंगल गए और सावित्री भी उनके साथ गईं. जंगल में अचानक सत्यवान के सिर में तेज दर्द हुआ और वे सावित्री की गोद में सिर रखकर लेट गए. तभी यमराज उनके प्राण लेने पहुंचे. यमराज जब सत्यवान की आत्मा लेकर जाने लगे, तब सावित्री भी उनके पीछे चल पड़ीं. यमराज ने उन्हें कई बार लौटने के लिए कहा, लेकिन सावित्री अपने पति का साथ छोड़ने को तैयार नहीं हुईं. सावित्री की निष्ठा और बुद्धिमत्ता से प्रसन्न होकर यमराज ने उन्हें वरदान मांगने को कहा. पहले वरदान में सावित्री ने अपने अंधे सास-ससुर की आंखों की रोशनी मांगी. दूसरे वरदान में उन्होंने अपने ससुर का खोया हुआ राज्य वापस मांगा. तीसरे वरदान में सावित्री ने सौ पुत्रों का वरदान मांग लिया. यमराज ने तीनों वरदान दे दिए. तब सावित्री ने कहा कि पति के बिना संतान कैसे संभव है. यह सुनकर यमराज उनकी चतुराई और पतिव्रता धर्म से अत्यंत प्रभावित हुए और उन्होंने सत्यवान को पुनर्जीवन प्रदान कर दिया. इसके बाद सावित्री और सत्यवान सुखपूर्वक अपने परिवार के साथ रहने लगे. तभी से वट सावित्री व्रत की परंपरा शुरू हुई. वट सावित्री व्रत तिथि और शुभ योग पंचांग के अनुसार, वर्ष 2026 में वट सावित्री व्रत उत्तर भारत में 16 मई 2026, शनिवार को मनाया जाएगा. अमावस्या तिथि 16 मई को प्रातः 05:11 बजे प्रारंभ होकर 17 मई 2026 को पूर्वाह्न 01:30 बजे तक रहेगी. उदया तिथि के अनुसार 16 मई को व्रत रखा जाएगा. इस दिन प्रातः 10:26 बजे तक सौभाग्य योग रहेगा, जिसके बाद शोभन योग प्रारंभ होगा. ज्योतिष शास्त्र में ये दोनों योग अत्यंत शुभ माने जाते हैं. ऐसे में इस शुभ योगों में पूजा करना विशेष फलदायी माना गया है.

शिक्षा और परीक्षा : साख बहाल करने का सवाल

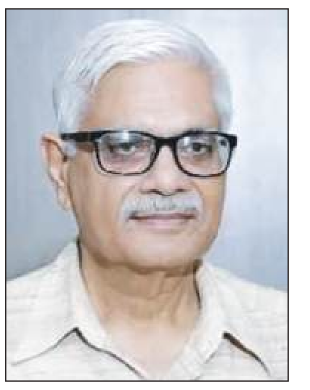

–गिरीश्वर मिश्र

मेडिकल प्रवेश परीक्षा यानी 'नीट' में पेपर लीक की ताजा घटना ने एक बार फिर पूरे देश, खास तौर पर युवा और किशोर वर्ग को झकझोर दिया है. देशभर के लाखों परीक्षार्थियों के वर्षों के परिश्रम और उनकी ख़ुद और परिवार वालों की आशाओं और आकांक्षाओं पर पानी फिर गया. बड़े परिश्रम और अच्छे खासे पैसे लगा कर कोचिंग आदि से तैयारी कर परीक्षा की दहलीज पर पहुंचने के बाद कुछ थोड़े से धनलोलुप आपराधिक तत्वों की करतूत ने युवा वर्ग को बड़ा निराश किया. वे अब कुंठा और अनिश्चय के दौर में पहुँच रहे हैं. पर यह घटना किसी भी तरह आकस्मिक नहीं कही जा सकती क्योंकि पिछली परीक्षा में हुई नीट पेपर लीक की सीबीआई जांच अभी ख़त्म नहीं हुई है. वह कब पूरी होगी और उसका क्या हश्र होगा किसी को नहीं मालूम. अर्थात् यह तो नहीं कहा जा सकता कि सरकारी तंत्र को इस तरह की आशंका का कोई अंदेशा न रहा हो. तब भी परीक्षा की एजेंसी सजग नहीं हुई और जरूरी एहतियात बरतने में कोताही हुई और उसका परिणाम सामने है. यह समाज के प्रति ग़ैर ज़िम्मेदारी भरा अक्षम्य अपराध है. अनंत कालीन जाँच बिठाकर चीज़ों को मुल्तबी न रख इस घटना की जिम्मेदारी तय कर अविलंब उचित कारवाई की जानी चाहिए. गौरतलब है कि प्रवेश-परीक्षा की पहले से चली आ रही पुरानी व्यवस्था को सुधारने के लिए एनडीए की सरकार द्वारा वर्ष 2017 में राष्ट्रीय स्तर की एक स्वायत्त व्यवस्था 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' (एनटीए) को स्थापित करने का निर्णय लिया गया. परीक्षाओं के प्रकार और परीक्षार्थियों की निरंतर बढ़ती संख्या के चलते यह सुधार बहुत जरूरी था. एनटीए का उद्देश्य रखा गया था कि उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाली एक मानक व्यवस्था को भारत में प्रतिष्ठित किया जाय. युवा प्रधान देश में परीक्षा की विकराल होती जा रही चुनौती के लिए इस पहल को रामबाण जैसा समझा गया. विकसित भारत के लिए योग्य मानव संसाधन तैयार करने में इस एजेंसी की बड़ी भूमिका है. यह सोच कर एनटीए के संचालन के लिए एक आईएएस स्तर का डीजी, अध्यक्ष, डाइरेक्टर, ज्वाइंट डायरेक्टर आदि के साथ उच्चस्तरीय प्रबंधकीय अमला तैयार हुआ. सारी व्यवस्था की देखरेख के लिए एनटीए की अपनी प्रबंध समिति का भी प्रावधान किया गया जिसे पूरी तरह से अधिकार संपन्न बनाया गया. सरकार और आम जनता सबको यह आशा थी कि प्रोफेशनल दृष्टि से काम करने वाली एनटीए परीक्षा की व्यवस्था में जमीनी परिवर्तन ला सकेगी. यानी अखिल भारतीय स्वरूप वाली यह संस्था प्रवेश परीक्षाओं का काम राष्ट्रीय स्तर पर निष्पक्ष, विश्वसनीय, त्वरित या समय पर और स्तरीय ढंग से संपादित करेगी. परीक्षा व्यवस्था में गुणात्मक सुधार लाने के लिए कटिबद्ध सरकार को इस संस्था से बड़ी आशाएँ थीं. अब जिस तरह परीक्षा संचालन में लगातार चूक हो रही है उससे कई सवाल पैदा हो रहे हैं. परीक्षा की शुचिता और मानकों को बनाये रखने की जिम्मेदारी से एनटीए किसी भी तरह नहीं मुकर सकता. पेपर लीक की बार-बार की घटनाओं के चलते एनटीए का यह प्रयोग और उसकी कार्य प्रणाली अब संदेह के घेरे में आ रहे हैं. शायद एनटीए को पूरी तैयारी के साथ अमल में लाने का कम भी अभी पूरा नहीं हुआ है. स्मरणीय है कि एनटीए की व्यवस्था के पहले प्रवेश परीक्षाओं का विकेंद्रीकरण था और उच्च शिक्षा की संस्थाएं अपने स्तर पर परीक्षा कराती थीं और उनकी अपनी जिम्मेदारी बनती थी. वे परीक्षा की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने में रुचि भी लेती थीं क्योंकि उसके साथ उन संस्थाओं की निजी साख भी जुड़ी रहती थी . शिक्षा और परीक्षा का निकट संबंध रहता था. अब ये संस्थाएं उदासीन रहती हैं और बाहर से लादी जाने वाली आरोपित व्यवस्था से उनका बहुत कम लगाव रहता है. दूसरी ओर धीरे-धीरे सभी प्रवेश परीक्षाओं को एनटीए को सुपुर्द करते जाने की प्रथा भी चल पड़ी है. ऐसी हालत में उनके काम का दायरा भी अब बहुत विस्तृत हो चुका है जो संभवतः उनकी अपनी क्षमता से बाहर जा रहा है. यह देश का दुर्भाग्य है कि आज के माहौल में प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में किसी न किसी तरह सेंध लगा कर परीक्षा-परिणाम को प्रभावित कर जैसे-तैसे जबरदस्ती अपने पक्ष में करने-कराने के मामले लोगों को अब चौकाते नहीं हैं. चूँकि सीटें कम होती हैं और अभ्यर्थी बहुत ज्यादा इसलिए प्रवेश के लिए मारामारी मची रहती है. परीक्षा के पेपर लीक की घटनाएँ कई तरह की परीक्षाओं में पिछले दशकों में पहले भी सामने आ चुकी हैं. यदि इस घटना को अपराध के रूप में देखें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि इनसे जुड़े अपराधियों पर उन मामलों में क़ानूनी झमेले कुछ ऐसे चलते हैं कि समय पर कोई ठोस कार्रवाई ही नहीं हो पाती है. इस तरह के ज्यादातर मामलों में सबूत के अभाव में अपराधियों को दंडित करना लगभग असंभव होता रहा है. वाइरस सरीखी तेजी से फैलती इन घटनाओं के तार भी जगह-जगह से जुड़े होते हैं. आसानी से धन कमाना ही इसके मूल में होता है और उसके अप्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष लाभार्थी अनेक होते हैं. इस तरह की घटना यह तथ्य भी सामने लाती है कि मुख्यधारा की औपचारिक शिक्षा तेजी से अपनी साख खोती जा रही है. शिक्षा के व्यापारीकरण का कई रूप ले रहा है. इसके ही अंग के रूप में कोचिंग का महामारी जैसा फैलता विशाल धंधा भी बदस्तूर जारी है जिसकी आज एक बड़ी भारी अर्थव्यवस्था बन चुकी है. अनुमान है कि जेईई, नेट तथा नीट आदि विभिन्न परीक्षाओं की कोचिंग के बाज़ार की क़ीमत इस समय अट्ठावन हजार करोड़ रुपयों की है. यह नफे का व्यापार एक समानांतर शिक्षा व्यवस्था का रूप ले चुका है. अनुमान यह भी है कि लगभग 95 प्रतिशत स्कूली बच्चे इसमें शामिल हो कर परीक्षाओं की तैयारी में लगे हुए हैं. संस्थाओं में नियमित औपचारिक शिक्षा की जगह कोचिंग द्वारा शिक्षा की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है. कोटा, दिल्ली, पुणे और पटना जैसे शहर आज कोचिंग के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं. अब स्कूली बच्चों के माता-पिता कोचिंग को एक अनिवार्य इन्वेस्टमेंट मानने लगे हैं. शिक्षा का यह यथार्थ विद्यालयों में चल रही औपचारिक शिक्षा के खोखलेपन की पुष्टि करता है. इन सबका सम्मिलित परिणाम यह है कि पेपर लीक करने और नक़ल कराने जैसी घटनाएँ कम होने का नाम नहीं ले रही हैं. इस तरह की चेष्टा पर लगाम लगा कर कम करने के उपायों का कोई असरदार फल नहीं दिखता. सच्चाई यही है कि ऐसी वारदात देश के कई कोनों में होती रही हैं. इसमें विभिन्न प्रकार की परीक्षाएं शामिल होती रहीं हैं और उनका दायरा लगातार बढ़ता गया है . दुस्साहस, बेईमानी, और तिकड़म की सहायता से लोग अपनी सफलता को सुनिश्चित करने का नायाब नुस्खा तैयार करने में लगे रहते हैं. पढ़ाई से अधिक परीक्षा में अच्छे नंबर लाने के लिए शॉर्टकट तरीकों को पहचानने में अब लोग अधिक मन लगाते हैं. वैसे भी सामाजिक परिवेश में परिश्रम और योग्यता का होना न होना अब ज़्यादा महत्व नहीं रखता. अब लोग मानने लगे हैं कि योग्यता, चरित्र और कार्य कुशलता जैसे सद्गुण परीक्षाओं में सफलता और नौकरी पाकर नियुक्ति हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं होते. उसके लिए योग्यता के कुछ अतिरिक्त उद्योग करना पड़ता है. शैक्षिक परिसर की साख घट रही है. इंटर, बीए/बीएससी और एमए/एमएससी की औपचारिक पढ़ाई और उसकी डिग्री पर अब किसी का भरोसा नहीं रहा. अगली कक्षा में स्वाभाविक प्रवेश संभव नहीं होता है. उसके लिए भी परीक्षा देनी होती है. इंटर के बाद स्नातक परीक्षा में प्रवेश के लिए एनटीए की राष्ट्रीय परीक्षा के नंबर निर्णायक होते हैं. पढ़ाई और ज्ञान की जगह परीक्षा में पाए जाने वाले अंक ही काम आते हैं. लगातार बढ़ती बेरोजगारी के वर्तमान दौर में अवसरों की कमी के चलते प्रतिस्पर्धी छात्रों पर सफलता पाने का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है. परीक्षाओं में सफलता पाना कठिन हो रहा है और हमारी शिक्षा परीक्षान्मुखी होती जा रही है, इतनी कि ज्ञानार्जन हाशिये पर जा रहा है. सुभीते के लिए बहुउत्तरीय प्रश्न (एमसीक्यू) के सहारे यांत्रिक परीक्षा का बोलबाला हो रहा है. इसका दुखद पक्ष यह भी है कि यह पद्धति सोच-विचार की जगह रटंत शिक्षा को और मजबूत कर रही है. इसके चलते उत्सुकता और खोजबीन की जगह दुहराव और ग़ैर सर्जनात्मक रुचि जो प्रश्रय मिल रहा है. शिक्षा और परीक्षा दोनों की साख जोखिम में है. नई शिक्षा नीति की आंख इस पर है पर जरूरी परिवर्तन दूर की कौड़ी लगती है. युवा वर्ग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जरूरी सुधार हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए.

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं)

आपका जन्मदिन मंगलमय हो — 16 मई

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 16 मई है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह केतु है. इस माह का अधिपति ग्रह शुक्र है. आप शुक्र एवं केतु ग्रह से सम्मिलित प्रभाव से युक्त रहेंगे. आप कल्पनाशील एवं स्वतंत्र विचारों के व्यक्ति होंगे. आपका जीवन संघर्षशील रहेगा. आप न तो किसी के दबाव में रहेंगे और न ही कार्य करना पसन्द करेंगे. सुख दुख, लाभ-हानि आपके जीवन के साथ जुड़े रहेंगे. आपके कार्यों में नवीनता की झलक मिलेगी. आपका स्वभाव कुछ रहस्यमय होगा. आपका जनसम्पर्क उच्चस्तरीय होगा. व्यर्थ की वस्तुओं में उपयोगिता निकालना आपका प्रमुख गुण होगा. आपका वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा परन्तु स्थान परिवर्तन के अवसर आपके जीवन में कई बार आयेंगे. परिजनों से आपको सहयोग ही मिलेगा. आप किसी के समक्ष झुकेंगे नहीं. संगीत व रचनात्मक कृत्यों में भी आपकी रूचि रहेगी. आप एकान्त में रहना अधिक पसन्द करेंगे. शुभता हेतु अपने इष्ट देवी-देवता की अर्चना नियमित रूप से करें. अपने दैनिक जीवन में गुलाबी रंग का प्रयोग अधिकतम करें. काले रंग की वस्तुओं का दान करें. मंगलवार का व्रत रखें. केतु ग्रह से सम्बन्धित वस्तुओं का दान करना भी श्रेयस्कर रहेगा. केतु यन्त्र धारण करें. सदाचार का पालन करें. सुख-समृद्धि व सफलता के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ कें केतवें नम:	मास	:	जनवरी, मार्च एवं अगस्त
व्रत	:	मंगलवार	वर्ष	:	7, 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70
दिन	:	रविवार, सोमवार एवं बुधवार	रंग	:	गुलाबी एवं पीला
दिनांक	:	7, 16, 25	जन्मरत्न	:	लहसुनिया
उपरत्न	:	लाजवर्त	अंक	:	1, 2, 7
जड़ी	:	असगंध की जड़	दिशा	:	वायव्य

यंत्र

14	9	16
15	13	11
10	17	12

वर्ष का महत्वपूर्ण समय 21 जून से 25 जुलाई

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2026

मेष : भाग्योन्नति के नवीन आयाम उपलब्ध, कार्य-व्यवसाय में सफलता, जीवन साथी से सामंजस्य, मनोरंजन में रुचि, प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ता, मन प्रसन्न.

वृषभ : आज रात्रि 10/47 बजे तक अड़चनें, कार्यों में निराशा, आपसी मतभेद, कष्ट, हानि, विवाद, शेष समय में अनुकूलता, साहसिक प्रयास प्रगति पर, भौतिक सुख.

मिथुन : आज रात्रि 10/47 बजे तक समय संतोषजनक, इच्छा-शक्ति का विकास, आर्थिक पक्ष बेहतर, शेष समय में प्रति-कूलता, शारीरिक कष्ट, योजना अधूरी.

कर्क : विचारित कार्यों में प्रगति का सिलसिला, विवाद के समापन से खुशी, पूँजी का प्रतिफल प्राप्त, किसी आयोजन में सम्मिलित होने का अवसर, संत समागम.

सिंह : अभीष्ट कार्यों में संतोषजनक सफलता, धनागम का सुयोग, धार्मिक क्रियाकलापों में अभिरुचि, सुयश की प्राप्ति, दाम्पत्य जीवन में प्रगाढ़ता, मौजमस्ती में व्यय.

कन्या : आज रात्रि 10/47 बजे तक समय अशुभ, आशा अधूरी, लाभ में कमी, स्वजनों से अनबन, शेष समय में दिनचर्या व्यवस्थित, सुसंदेश प्राप्त, पारिवारिक खुशी.

तुला : आज रात्रि 10/47 बजे तक अनुकूलता, चिरवांछित कार्य पूर्ण, प्रतियोगिता में सफलता, हर्ष भी, शेष समय असंतोषजनक, कार्यक्षमता का ह्रास, विरोधी प्रभावी.

वृश्चिक : नवयोजना का सुपरिणाम प्राप्त, कुछेक समस्या का समाधान, मांगलिक आयोजन सम्पादित, विवादस्पद मसला हल, आमोद प्रमोद के साधन सुलभ, वाहन का सुख.

धनु : कठिनाइयों के निवारण का मार्ग प्रशस्त, अभिलाषा की पूर्ति, राजकीय पक्ष से सहयोग, दाम्पत्य जीवन मधुर, श्रेष्ठजनों से सम्पर्क का सुयोग, परोपकार की भावना.

मकर : आज रात्रि 10/47 बजे तक समय विपरीत, व्यवसाय में व्यतिक्रम, समस्याओं से चिंता, शेष समय में परिस्थितियाँ सुधार पर, सद्विचारों का उदय, आहार विहार में नवीनता.

कुम्भ: आज रात्रि 10/47 बजे तक समय शुभ, व्यापार में धन निवेश, शत्रु परास्त, यात्रा सुखद, शेष समय निराशाजनक, पदोन्नति में व्यवधान, एकाग्रता का अभाव.

मीन: व्यावसायिक क्षेत्र में विस्तार, विचारों में जागरूकता, दूसरों के आश्वासनों से मानसिक राहत, किसी के माध्यम से महत्वपूर्ण उपलब्धि, स्वजनों से तालमेल.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उच्चारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई | चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए |

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे | सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा |

अर्थव्यवस्था के लिए प्रधानमंत्री की सात सूत्री पहल क्यों जरूरी ?

- डॉ. पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

जब से संघर्ष शुरू हुआ है, दुनिया में अफरातफरी मची हुई है. होर्मुज़ जलडमरूमध्य के बंद होने से स्थिति और भी बिगड़ गई है, जिससे सप्लाई चेन में दिक्कतें आ गई हैं. इसका नतीजा यह हुआ है कि पेट्रोलियम उत्पादों और ज़रूरी चीज़ों की सप्लाई कम हो गई है, जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है. कई देशों में पेट्रोल, डीज़ल और खाद की कमी के कारण हालात खराब हो गए हैं, जिसका असर आम लोगों के साथ-साथ व्यापार और उद्योग पर भी पड़ रहा है. पेट्रोलियम उत्पादों और ज़रूरी चीज़ों की कीमतें तेज़ी से बढ़ी हैं, जिससे आम लोगों और सरकार, दोनों पर दबाव बढ़ गया है. हालाँकि, भारत सरकार इस संकट को विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में कहीं बेहतर तरीके से संभाल रही है, फिर भी हमें भविष्य में ऐसी ही किसी तबाही से बचने के लिए विचार करना चाहिए और ज़रूरी कदम उठाने चाहिए.

विदेशी मुद्रा रिजर्व क्यों महत्वपूर्ण है? : किसी भी देश के लिए विदेशी मुद्रा रिजर्व आवश्यक है. यह देश को विभिन्न तरीकों से लाभान्वित करता है. यह देश की अंतरराष्ट्रीय व्यापार करने की क्षमता को दर्शाता है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार को अमरीकी डॉलर जैसी प्रमुख मुद्राओं के उपयोग की आवश्यकता होती है. इसके अतिरिक्त, यह हमारे मामले में रुपये, स्थानीय मुद्रा की स्थिरता में योगदान देता है. आरबीआई भारतीय रुपया के मूल्य पर नज़र रखता है और यदि यह गिरता है तो यह मुद्रा स्थिर रखने के लिए कुछ डॉलर बेचता है. अंतरराष्ट्रीय ऋण आमतौर पर अमेरिकी डॉलर या यूरो जैसी मुद्राओं में बने होते हैं और एक ही मुद्रा में चुकाया जाना चाहिए. नतीजतन, विदेशी मुद्रा रिजर्व महत्वपूर्ण है या अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां देश को डिफ़ॉल्ट घोषित कर सकती हैं. यदि देश में आर्थिक उथल-पुथल है या दुनिया मंदी में है तो विदेशी मुद्रा रिजर्व एक बफर के रूप में कार्य करता है, जिससे देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखा जाता है. निवेशक बड़े विदेशी मुद्रा भंडार वाले देशों में निवेश करने के इच्छुक हैं क्योंकि यह उन्हें विश्वास दिलाता है कि उनका पैसा उसी मुद्रा में वापस कर दिया जाएगा जिसमें उन्होंने निवेश किया था. संक्षेप में, विदेशी मुद्रा रिजर्व आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ कठिन समय के दौरान तरलता के स्रोत के लिए एक नींव के रूप में कार्य करता है.

सात बिंदु जिन पर प्रधानमंत्री ने संयम बरतने का आग्रह किया : ईंधन की खपत कम करें: जब वैश्विक तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो भारत पर इसका असर तुरंत होता है. आयात बिल बढ़ जाते हैं, रिफाइनरी के मार्जिन कम हो जाते हैं और मुद्रा कमजोर हो जाती है. वित्त वर्ष 2025-26 में कच्चे तेल का आयात बिल लगभग 137 अरब डॉलर तक पहुँच गया था; यह एक ऐसा आँकड़ा है जो सभी उद्योगों में महँगाई और लॉजिस्टिक्स की लागत को प्रभावित करता है. इस बात का विश्लेषण करें कि विदेशी मुद्रा भंडार पर कितना दबाव पड़ता है. ईंधन बचाने के लिए हमें सार्वजनिक परिवहन जैसे मेट्रो, ट्रेन, बस, या कार पूलिंग का उपयोग करना चाहिए. आम नागरिकों के लिए, इसका अर्थ है परिवहन के बढ़े हुए किराए और वस्तुओं की बढ़ी हुई कीमतें. रिफाइनरियों के लिए इसका अर्थ है कच्चे तेल के चयन, प्रक्रिया की दक्षता और रखरखाव की विश्वसनीयता पर लगातार ध्यान देना- ये ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ लागत नियंत्रण में इंजीनियरिंग की सीधी भूमिका होती है. भारत जैसे विशाल राष्ट्र के लिए, ऊर्जा आपूर्ति की दीर्घकालिक रणनीति स्वदेशी संसाधनों पर आधारित होनी चाहिए और इसमें विभिन्न ऊर्जा स्रोतों के इष्टतम संतुलन का उपयोग आवश्यक है. बड़े पैमाने पर कोयले की खपत से जुड़ी पर्यावरणीय कठिनाइयों के अलावा यह भी रेखांकित करना महत्वपूर्ण है कि कोयले के भंडार सीमित हैं. सौर ऊर्जा और अन्य गैर-पारंपरिक नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और इनका उपयोग यथासंभव अधिकतम सीमा तक किया जाना चाहिए. इसका उद्देश्य तेल पर अत्यधिक निर्भरता से जुड़े जोखिमों को कम करना है, न कि इसका उपयोग पूरी तरह से बंद करना. एक-एक कदम बढ़ाते हुए, भारत स्मार्ट आयात और स्वच्छ ऊर्जा के विकल्पों को मिलाकर एक अधिक सुदृढ़ और आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य का निर्माण कर रहा है.

सोने की खरीदी: भारत दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक सोना खरीदता है. हर साल, देश 700 से 800 टन सोने का उपयोग करता है; इसकी मुख्य वजह घरों, शादियों, त्योहारों, निवेश के उद्देश्यों और ग्रामीण बचत से आने वाली भारी माँग है. हालाँकि, घरेलू उत्पादन प्रतिवर्ष केवल 1 से 2 टन तक सीमित होने के कारण भारत अपनी सोने की 90% से अधिक आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर है. वर्ष 2025 में, भारत ने लगभग 72 अरब डॉलर का सोना आयात किया, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ा. क्या हम एक वर्ष के लिए सोने की खरीद टाल सकते हैं, जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सुझाव दिया है?

उर्वरक का इस्तेमाल: वर्ष 2025 में भारत ने लगभग 15 अरब डॉलर मूल्य के उर्वरकों का आयात किया. इसका असर न सिर्फ़ विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ता है, बल्कि पर्यावरण और किसानों पर भी पड़ता है; इसलिए हमें भारतीय खेती की ओर लौटना चाहिए, जो आर्थिक रूप से ज़रूरी भी है और पर्यावरण तथा जीव-जंतुओं के लिए फ़ायदेमंद भी.

खाने का तेल: 2025 में भारत ने लगभग 19 अरब डॉलर का खाने का तेल आयात किया. प्रधानमंत्री ने इसमें 10% की कटौती का आग्रह किया, जो स्वास्थ्य के लिए भी फ़ायदेमंद होगा.

विदेश यात्रा: 2025 में 3.27 करोड़ भारतीयों ने विदेश यात्रा की, जिस पर 15 से 16 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च हुए. इससे विदेशी मुद्रा भंडार पर और दबाव पड़ा; इसके बजाय हमें अपने ही देश में यात्रा करनी चाहिए, जहाँ सुंदर पर्यटन स्थल, सांस्कृतिक विरासत स्थल और प्राकृतिक आकर्षण मौजूद हैं. 'डेस्टिनेशन वेडिंग' (शादी के लिए किसी खास जगह पर जाना) सिर्फ़ भारत में ही होनी चाहिए.

घर से काम: ईंधन की खपत कम करने का एक और तरीका है 'घर से काम' करने की उस प्रथा को फिर से शुरू करना, जिसे हमने कोरोना महामारी के दौरान अपनाया था. वर्चुअल मीटिंग और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधाएँ पहले से ही मौजूद हैं. उम्मीद है कि उद्योग जगत प्रधानमंत्री के इस आग्रह को गंभीरता से लेगा.

भारत के विकास के लिए आत्मनिर्भरता क्यों आवश्यक है? : पिछली सरकारों द्वारा स्थापित नियमों और संस्थानों ने विनिर्माण या सेवा क्षेत्र शुरू करने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए कठिन परिस्थितियाँ और मानसिक पीड़ा उत्पन्न की, जिससे हमारी अर्थव्यवस्था चीन की तुलना में काफी कमजोर रही. टाटा, अंबानी, अदानी, महिंद्रा और कई अन्य जैसे हमारे अग्रदूतों के दृढ़ संकल्प और लगन के कारण हम कठिन परिस्थितियों में भी अपनी क्षमताओं के प्रति भारतीयों में गर्व और विश्वास जगा पाए. स्थिति बदल रही है, और इन उत्पादों के स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है और मेक इन इंडिया उत्पादों के साथ मजबूत भावनात्मक जुड़ाव के साथ इनका प्रचार किया जा रहा है. भारत निर्मित उत्पादों के खरीदार और विक्रेता के बीच संबंध जितना मजबूत होगा, अर्थव्यवस्था उतनी ही मजबूत होगी, जिसके परिणामस्वरूप अधिक रोजगार सृजित होंगे. इससे हम मूल रूप से शुद्ध निर्यातक बन जाएंगे. बदलती वैश्विक परिस्थितियों में भारत आने वाले वर्षों में आर्थिक मोर्चे पर बड़ी भूमिका निभाएगा, साथ ही सभी के लाभ के लिए आध्यात्मिक और समग्र विकास उन्मुख दृष्टिकोण अपनाएगा और पर्यावरण को संतुलित और पोषित करेगा. वर्तमान सरकार की व्यापार-समर्थक नीतियां, साथ ही कुशल और जानकार कार्यबल, प्रत्येक क्षेत्र को मजबूत करेंगे और अर्थव्यवस्था को चीन से प्रतिस्पर्धा करने के लिए नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे. साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी ने वोकल फॉर लोकल की घोषणा करते हुए आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम का शुभारंभ किया. विभिन्न उत्पादों के स्वदेशी विनिर्माण में सहायता करके हम अब भारत की आत्मनिर्भरता की सही राह पर अग्रसर हैं. *(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)*

न्यूज कॉर्नर

दक्षिण-पश्चिम मानसून के 26 मई को केरल तट पर दस्तक देने की संभावना : आईएमडी

नई दिल्ली: भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को अपने पूर्वानुमान में कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के 26 मई को केरल में दस्तक देने की संभावना है. आमतौर पर केरल में मानसून की शुरुआत एक जून के आसपास होती है, जिसके बाद यह उत्तर की ओर बढ़ते हुए देश के बाकी हिस्सों में पहुंचता है. इसके साथ ही देश में मानसून मौसम (जून से सितंबर) की शुरुआत मानी जाती है. मौसम विभाग के अनुसार, पिछले वर्ष मानसून की शुरुआत 24 मई को हुई थी. आईएमडी ने कहा, इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून के 26 मई को केरल पहुंचने की संभावना है. उसने हालांकि कहा कि यह चार दिन पहले या चार दिन बाद भी पहुंच सकता है.

ईंधन की कीमतों में वृद्धि पर तृणमूल का निशाना, पहले जनता के वोट लूटते हैं, फिर दुखती रग को दबाते हैं

नई दिल्ली: तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि को लेकर बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि पहले वे जनता के वोट लूटते हैं और फिर उनकी दुखती रग को और दबाते हैं. राज्यसभा सदस्य ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह प्रश्न भी किया कि क्या अब पश्चिम बंगाल की भाजपा नीत सरकार ईंधन पर मूल्य वर्धित कर (वैट) कम करेगी, क्योंकि अब केंद्र में भी उन्हीं की सत्ता है और उन्हें धन रोके जाने की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है. वैश्विक कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण तेल विक्रेताओं को हो रहे घाटे के बीच शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल के दामों में तीन-तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई. चार वर्षों से अधिक समय में यह पहली मूल्य वृद्धि है. ओ'ब्रायन ने कहा, पहले वे आपके वोट लूटते हैं, फिर वे आपकी दुखती रग को और दबाते हैं. इसका अनुमान था. ईंधन की कीमतों में यह वृद्धि असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के 16 दिन बाद हुई है. पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में भारी उछाल के बावजूद मतदान की अवधि के दौरान कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया था. ओ'ब्रायन ने कहा, डीजल और पेट्रोल की कीमतें बढ़ गई हैं. क्या बंगाल सरकार अब पेट्रोल और डीजल पर वैट कम करेगी, क्योंकि अब तो वहां दिल्ली के नियंत्रण वाली सरकार है जिसे केंद्र की ओर से धन रोके जाने की चिंता नहीं है? विभिन्न राज्यों में वैट की दरों में भिन्नता के कारण ईंधन की कीमतें अलग-अलग होती हैं.

उन्नाव बलात्कार मामला: सेंगर की सजा निलंबित करने का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने किया रद्द

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले में पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की आजीवन कारावास की सजा को निलंबित कर दिया गया था. सुप्रीम कोर्ट ने साथ ही हाईकोर्ट से याचिका पर नए सिरे से फैसला करने को कहा. भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने हाईकोर्ट को यह भी निर्देश दिया कि वह सेंगर की दोषसिद्धि और आजीवन कारावास के खिलाफ दायर मुख्य याचिका पर दो महीने के भीतर फैसला करने का प्रयास करे. इसमें कहा गया कि यदि हाईकोर्ट के लिए मुख्य याचिका पर शीघ्रता से निर्णय लेना संभव नहीं है तो उसे वहां ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू होने से पहले सेंगर की उस याचिका पर आदेश पारित करना चाहिए जिसमें मामले में आजीवन कारावास को निलंबित करने की मांग की गई है. पीठ ने इस मुद्दे पर भारी जन आक्रोश के बाद सेंगर को जमानत देने वाले हाईकोर्ट के आदेश को पहले ही रद्द कर दिया था. पीठ ने कहा कि उसने मामले के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त नहीं की है और हाईकोर्ट इस पर नए सिरे से सुनवाई कर सकता है. प्रधान न्यायाधीश ने हाए ईकोर्ट से ऐसे नए मुद्दों पर फैसला लेने को भी कहा कि क्या किसी विधायक को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मुकदमा चलाने के दौरान भी लोक सेवक माना जा सकता है. इससे पहले, कोर्ट ने बलात्कार मामले में पूर्व विधायक की आजीवन कारावास की सजा के निलंबन को चुनौती देने वाली केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका पर सुनवाई मई के पहले सप्ताह तक के लिए स्थगित कर दी थी.

मणिपुर: नगा और कुकी समुदाय के बंधक बनाए गए 31 लोगों को रिहा किया गया

इंफाल: मणिपुर के कांगपोकपी और सेनापति जिलों में हथियारबंद समूहों द्वारा बंधक बनाए गए कुकी और नगा समुदायों के 38 में से 31 लोगों को रिहा कर दिया गया है. पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. बुधवार को कांगपोकपी में संदिग्ध उग्रवादियों ने गिरजाघर के तीन पदाधिकारियों की गोली मारकर हत्या कर दी और चार अन्य को घायल कर दिया, जबकि नोनी जिले में एक नागरिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई और उसकी पत्नी घायल हो गई. इसके बाद इन लोगों को अज्ञात क्षेत्रों में ले जाया गया. एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हथियारबंद उग्रवादियों द्वारा बंधक बनाई गईं 12 नगा महिलाओं को मखान गांव में रिहा कर दिया गया. उन्होंने बताया कि सेनापति जिले में बंधक बनाए गए कुकी समुदाय के चार पुरुषों और 10 महिलाओं को गुरुवार देर रात सुरक्षा बलों के हवाले कर दिया गया. अधिकारी ने यह भी कहा, नगालैंड से एक व्यक्ति सहित सेल्सियन ऑफ डॉन बॉस्को के दो सदस्यों को भी हथियारबंद समूहों ने अलग-अलग स्थानों से रिहा किया. एक अन्य अधिकारी ने बताया कि गुरुवार शाम को कुकी समुदाय से संबंधित 18 वर्षीय महिला सहित तीन व्यक्तियों को सेनापति जिले में पुलिस टीम के हवाले कर दिया गया. कांगपोकपी जिले में रिहा की गई एक महिला ने कहा, हमारी आंखों पर पट्टी बंधी थी और हाथ बंधे हुए थे. हमें ठीक-ठीक पता नहीं था कि हमें कहां ले जाया गया था. मुझे महसूस हुआ कि हमें पर्वतीय इलाकों में ले जाया गया था. किसी ने भी हम पर हमला नहीं किया. मणिपुर के गृह मंत्री गोविंदास कोंथौजम ने गुरुवार को कहा था कि सरकार इन लोगों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए नागरिक संस्था से जुड़े संगठनों और राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रही है. कुकी और नगा समुदायों के लोगों ने कांगपोकपी जिले में कथित अपहरणों के विरोध में अलग-अलग धरने दिए थे.

अमृतसर एयरपोर्ट पर 2.58 करोड़ का सोना पकड़ा, यात्री गिरफ्तार

अमृतसर: श्री गुरु राम दास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने एक यात्री से 2.58 करोड़ रुपये कीमत का सोना बरामद किया है. यह यात्री मलेशिया एयरलाइंस की फ्लाइट एमएच-119 से अमृतसर से कुआलालंपुर जा रहा था. कस्टम अधिकारियों को यात्री की गतिविधियों पर संदेह हुआ, जिसके बाद उसे रोका गया. अधिकारियों ने उसकी गहन जांच की, जिसमें यात्री के पास से 1,676 ग्राम 24 कैरेट सोना बरामद किया गया. यह सोना कड़ा और गोल्ड बिस्किट के रूप में छिपाकर रखा गया था. बरामद सोने की कुल कीमत करीब 2.58 करोड़ रुपये बताई जा रही है. कस्टम विभाग ने सोने को कस्टम एक्ट के संबंधित प्रावधानों के तहत जब्त कर लिया है. यात्री को गिरफ्तार कर आगे की पूछताछ शुरू कर दी गई है. अधिकारियों का मानना है कि इस मामले के तार किसी बड़े सोना तस्करी नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं, जिसकी जांच की जा रही है.

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में गोलीबारी में नौ उग्रवादी और चार सुरक्षाकर्मी मारे गए

पेशावर: पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा क्षेत्र में हुई गोलीबारी में नौ संदिग्ध उग्रवादी और चार सुरक्षा कर्मी मारे गए. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों के अनुसार, यह घटना बृहस्पतिवार देर रात बाजौर जिले में घटी. उग्रवादियों के एक समूह ने मीना और इनायत कलय इलाकों में हमले किए लेकिन सुरक्षा बलों ने 'प्रभावी जवाबी कार्रवाई' की. नौ हमलावर (सभी संदिग्ध उग्रवादी) चौकी पर ही मारे गए, जबकि कई अन्य घायल हो गए. बाद में इलाके को घेर लिया गया और शेष उग्रवादियों को पकड़ने के लिए तलाश अभियान शुरू किया गया. तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है. उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा क्षेत्र वर्षों से उग्रवादी हिंसा, अफगानिस्तान से लड़ाकों की सीमा पार आवाजाही और बार-बार होने वाले सैन्य अभियानों के कारण अशांत रहा है. यहां का पहाड़ी इलाका और खुली सीमा सुरक्षा बलों के लिए चुनौतियां बढ़ा देती हैं.

नीट-यूजी की पुन: परीक्षा 21 जून को होगी, अगले वर्ष से कंप्यूटर आधारित परीक्षा होगी: धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली: केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को घोषणा की कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) की पुन: परीक्षा 21 जून को आयोजित की जाएगी. साथ ही उन्होंने कहा कि अनियमितताओं के आरोपों के मद्देनजर सुधारों के तहत अगले वर्ष से मेडिकल प्रवेश परीक्षा कंप्यूटर आधारित होगी. प्रधान ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र और उनका भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं. उन्होंने कहा कि नीट-यूजी परीक्षा के संचालन में पाई गई अनियमितताओं के खिलाफ बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाई जाएगी और सख्त कार्रवाई की जा रही है. परीक्षा प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोपों के बाद तीन मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (स्नातक) रद्द कर दी गई.

प्रधान ने बताया कि पुनः परीक्षा की अवधि 15 मिनट बढ़ा दी गई है और उम्मीदवारों को परीक्षा के लिए अपनी सुविधा के अनुसार शहर चुनने का मौका फिर से मिलेगा और उन्हें 14 जून तक प्रवेश पत्र मिल जाएगा. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राज्य सरकारों के साथ मिलकर छात्रों के लिए परिवहन व्यवस्था का समन्वय भी करेगी. उन्होंने कहा, छात्रों का भविष्य हमारी सर्वोच्च

प्राथमिकता है. मैं समाज से, विशेष रूप से छात्रों से अपील करना चाहता हूं कि वे बिना किसी डर के परीक्षा दें. सरकार आपके साथ है. इस बार हम किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं होने देंगे. मंत्री ने कहा, हम नहीं चाहते थे कि कोई माफिया साजिश या धनबल से आपकी सीट छीन ले. हम ऐसा बिल्कुल नहीं चाहते थे. इसीलिए हमें यह कठिन निर्णय लेना पड़ा. अभिभावक के रूप में, जिम्मेदारी से जुड़े अधिकारियों के रूप में और एक मंत्री के रूप में, हम सभी इस घटना से बेहद दुखी और चिंतित हैं. मंत्री ने कहा कि पिछली बार अनियमितताएं सामने आने के बाद राधाकृष्णन समिति का गठन किया गया था और उसकी सिफारिशों को लागू किया गया था. उन्होंने कहा, इसके बावजूद यह घटना हुई. इसलिए, हमारा पहला कदम परीक्षा रद्द करना था.

प्रधान ने कहा, डर और अशांति फैलाने वालों से मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं: आगामी परीक्षा प्रक्रिया से दूर रहें. अन्यथा, उन्हें सजा भुगतनी पड़ेगी. शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह मामला उस समय सामने आया जब राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की शिकायत प्रणाली के माध्यम से गेस पेपर के प्रश्न पत्रों साथ नीट-यूजी परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों के कथित तौर पर मेल खाने को लेकर आपत्तियां प्राप्त हुईं, जिसके बाद जांच शुरू की गई.

रामेश्वरम मंदिर में लड्डू घोटाला: मुफ्त प्रसाद बेचकर 3.40 करोड़ की धोखाधड़ी, छह कर्मचारी निलंबित

रामनाथपुरम: अरुलमिगु रामनाथस्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं को मुफ्त वितरित किए जाने वाले लड्डू प्रसाद को अवैध रूप से बेचकर 3 करोड़ 40 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने के मामले में मंदिर प्रशासन ने एक जूनियर असिस्टेंट सहित छह कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है. मामले का खुलासा उस समय हुआ जब पिछले मार्च महीने में मंदिर के संयुक्त आयुक्त सेलत्तुरई ने लड्डू प्रसाद की तैयारी और आय-व्यय खातों की अचानक जांच कराई. जांच के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं.

प्राथमिक जांच में पता चला कि प्रसाद निर्माण और बिक्री के प्रभारी जूनियर असिस्टेंट के. पंचमूर्ति ने मुफ्त बांटे जाने वाले लड्डुओं की संख्या रिकॉर्ड में कम दिखाकर उन्हें स्टॉलों के माध्यम से अवैध रूप से बेच दिया. इसके जरिए बड़ी मात्रा में धन एकत्र किया गया. इसके बाद संबंधित कर्मचारियों और अन्य स्टाफ से लगातार पूछताछ की गई. जांच में यह पुष्टि हुई कि जूनियर असिस्टेंट के. पंचमूर्ति के नेतृत्व में कर्मचारियों का एक समूह लंबे समय से इस घोटाले को अंजाम दे रहा था. जांच रिपोर्ट के अनुसार, बाहरी बाजार से कच्चा माल थोक में खरीदकर अवैध तरीके से लड्डू तैयार किए गए और उन्हें मंदिर परिसर के काउंटरों के माध्यम से श्रद्धालुओं को बेचा गया.

अधिकारियों के अनुसार, वर्ष 2023 से फरवरी 2026 तक करीब 11 लाख 40 हजार लड्डू अवैध रूप से तैयार कर बेचे गए, जिससे लगभग 3 करोड़ 40 लाख 65 हजार रुपये की धोखाधड़ी हुई. इस मामले में जूनियर असिस्टेंट के. पंचमूर्ति, लावण्या, अंबिका, टिकट विक्रेता सेल्वी, कर्मचारी शिवनेश्वरी और विक्रम सहित छह लोगों को निलंबित कर दिया गया है. निलंबन संबंधी आदेश मंदिर के संयुक्त आयुक्त सेलत्तुरई द्वारा जारी किए गए हैं.

उल्लेखनीय है कि रामेश्वरम स्थित प्रसिद्ध रामनाथस्वामी मंदिर में वर्ष 2019 से प्रसाद बिक्री का कार्य मंदिर प्रशासन स्वयं संचालित कर रहा है. इसके बाद वर्ष 2023-24 के वित्तीय वर्ष में विधानसभा अनुदान घोषणा के तहत श्रद्धालुओं को प्रतिदिन मुफ्त लड्डू प्रसाद वितरित करने की योजना शुरू की गई थी, जो वर्तमान में भी जारी है.-

लापता युवती की मौत की पुष्टि के लिए परिजनों को करना पड़ा आठ माह का इंतजार

देहरादून: उत्तराखंड के देहरादून जिले में लापता हुई एक युवती के परिजनों को उसकी मौत की पुष्ट खबर के लिए आठ महीने का लंबा इंतजार करना पड़ा. उत्तर प्रदेश पुलिस ने हथिनीकुंड बैराज से बरामद एक कंकालनुमा शव की सूचना दी, जिसके डीएनए परीक्षण की रिपोर्ट के साथ परिवार का यह इंतजार खत्म हुआ. पुलिस ने बताया कि पिछले साल 16 अक्टूबर को हथिनीकुंड बैराज से बरामद हुई बिना सिर और हाथ-पैर की लाश के डीएनए परीक्षण में उसकी शिनाख्त रिया कश्यप (22) के रूप में हुई है. पुलिस के मुताबिक, रिया सितंबर 2025 में विकासनगर क्षेत्र के जीवनगढ़ से लापता हो गयी थी.

पुलिस ने बताया कि रिया की गुमशुदगी और हत्या के आरोप में इलेक्ट्रॉनिक व परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर मुख्य आरोपी शहबाज समेत तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है.

ईरान युद्ध और व्यापार पर चिनफिंग के साथ वार्ता के बाद ट्रंप की चीन यात्रा संपन्न

बीजिंग: चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और उनके अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को अपनी वार्ता को ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण बताया, हालांकि किसी भी विवादास्पद मुद्दे पर कोई समझौता नहीं हुआ है. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार को चीन की अपनी तीन दिवसीय यात्रा पूरी कर बीजिंग से रवाना हो गए. इस यात्रा के दौरान ट्रंप ने चिनफिंग के साथ ईरान युद्ध और व्यापार सहित विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर कई दौर की वार्ता की. ट्रंप के रवाना होने से पहले दोनों नेताओं ने बीजिंग में कड़ी सुरक्षा वाले चीनी राष्ट्रपति के आवास 'झोंगनानहाई' में एक निजी बैठक की. चीनी पक्ष के अनुसार, ट्रंप ने इस यात्रा को बेहद सफल और अविस्मरणीय बताया.

शी चिनफिंग को अपना एक पुराना दोस्त बताते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उनके मन में अपने चीनी समकक्ष के लिए बहुत सम्मान है और उन्होंने गहन संवाद बनाए रखने की इच्छा व्यक्त की.

कुछ बेरोजगार युवा 'कॉकरोच' की तरह हैं जो आगे चलकर व्यवस्था पर हमला करते हैं : सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली: प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कुछ बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से करते हुए शुक्रवार को कहा कि वे आगे चलकर मीडिया, सोशल मीडिया और आरटीआई कार्यकर्ता बन जाते हैं और फिर व्यवस्था पर हमला शुरू कर देते हैं. सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता का दर्जा हासिल करने के लिए प्रयासरत रहने पर एक वकील को फटकार लगाते हुए यह टिप्पणी की. पीठ ने कहा कि समाज में पहले से ही ऐसे परजीवी मौजूद हैं जो व्यवस्था पर हमला करते हैं और पूछा कि क्या याचिकाकर्ता भी उनके साथ जुड़ना चाहता है. पीठ ने याचिकाकर्ता वकील से कहा, पूरी दुनिया वरिष्ठ अधिवक्ता बनने की पात्र हो सकती है, लेकिन कम से कम आप इसके पात्र नहीं हैं.

सीजेआई ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि दिल्ली हाईकोर्ट याचिकाकर्ता को वरिष्ठ अधिवक्ता का दर्जा प्रदान भी कर दे, तो शीर्ष अदालत उसके पेशेवर आचरण को देखते हुए उसे रद्द कर देगी. सीजेआई ने फेसबुक पर याचिकाकर्ता द्वारा

इस्तेमाल की गई भाषा का भी उल्लेख किया. पीठ ने याचिकाकर्ता से यह भी पूछा कि क्या उसके पास कोई अन्य मुकदमा नहीं है. पीठ ने सवाल किया, क्या यह उस व्यक्ति का आचरण है जो वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित होने की इच्छा रखता है? शीर्ष अदालत ने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता का दर्जा किसी व्यक्ति को प्रदान किया जाता है, और इसके लिए प्रयास नहीं किया जाना चाहिए. उच्चतम न्यायालय ने कहा, आप इसके पीछे पड़े हुए हैं.

बागी अन्नाद्रमुक विधायकों को मंत्री बनाने पर वीसीके ने जताई आपत्ति

राजनीतिक नैतिकता पर उठाए सवाल

चेन्नई : विदुथलाई चिरुथाईगल काची (वीसीके) के महासचिव एवं सांसद डी रविकुमार ने शुक्रवार को ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के बागी विधायकों को विजय नीत तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार में मंत्री नियुक्त करने के विचार पर कड़ी आपत्ति जताई. उन्होंने कहा कि यह कदम राजनीतिक और लोकतांत्रिक नैतिकता पर गंभीर सवाल खड़े करता है. रविकुमार ने तर्क दिया कि अन्नाद्रमुक के महासचिव के रूप में ई. के. पलानीसामी के पास पार्टी सचेतक (व्हिप) नियुक्त करने का पूरा अधिकार है और व्हिप के निर्देश पार्टी के सभी विधायकों पर बाध्यकारी होते हैं. उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि परिणामस्वरूप, पार्टी के निर्देशों के विपरीत सरकार के पक्ष में मतदान करने वाले 25 विधायक संविधान की

'दसवीं अनुसूची' (दलबदल विरोधी कानून) के तहत अयोग्य घोषित किए जाने संबंधी कार्यवाही के दायरे में आते हैं.

उन्होंने कहा, भले ही वर्तमान में ऐसे विधायकों को मंत्री नियुक्त करने पर कोई संवैधानिक रोक न हो, लेकिन ऐसा करना राजनीतिक और नैतिक शुचिता पर गंभीर सवाल खड़े करेगा. उनकी यह टिप्पणी पलानीसामी के उस दावे के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि विरोधी अन्नाद्रमुक धड़े ने मंत्री पद के लालच में शक्ति परीक्षण के दौरान सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार का समर्थन किया है. हालांकि, बागी नेताओं ने इस आरोप को खारिज किया है.

विधानसभा में दो विधायकों वाली वीसीके, वामपंथी दलों और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के साथ टीवीके सरकार को समर्थन दे रही है. विधानसभा में 13 मई को विश्वासमत के लिए मतदान के दौरान अन्नाद्रमुक के 25 बागी विधायकों ने टीवीके सरकार के पक्ष में मतदान किया था. इसके चलते विधानसभा में टीवीके को कुल 144 विधायकों का समर्थन मिल गया और उसने 118 के बहुमत के आंकड़े को आसानी से पार कर लिया.

ड्रोन, यूएएस अब आसमान में 'बाज के पंजों' की तरह : वायुसेना प्रमुख सिंह

नई दिल्ली: भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने शुक्रवार को कहा कि ड्रोन और अन्य मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएएस) से हवाई ताकत बढ़ी है और अब ये केवल आकाश में निगरानी करने वाले उपकरण ही नहीं हैं, बल्कि आसमान में बाज के पंजों की तरह हैं. वायुसेना अध्यक्ष ने मानवरहित हवाई प्रणालियों और यूएएस रोधी प्रणालियों पर एक रक्षा संगोष्ठी को संबोधित करते हुए रेखांकित किया कि किसी भी आधुनिक हवाई खतरे से निपटने के लिए उस क्षेत्र की पूरी जानकारी अति महत्वपूर्ण है, और एक ही हवाई क्षेत्र में काम करने वाली तीनों सेवाओं के बीच पूर्ण समन्वय होना

चाहिए. वायु सेना प्रमुख ने पश्चिम एशिया संघर्ष के दौरान हुई हालिया घटना का जिक्र करते हुए कहा, हमने देखा है कि क्या होता है अगर आपके पास उक्त क्षेत्र की जानकारी नहीं है, तो आपको पता नहीं होता कि आपके लोग कहां हैं और दूसरे कहां हैं. हमने देखा है कि कुवैत में एफ-15 विमानों के साथ क्या हुआ. आपसी संघर्ष. इसलिए हम ऐसी घटनाओं को सह नहीं कर सकते. अमेरिका की मध्य कमान ने दो मार्च को एक बयान में कहा था कि एक मार्च को कुवैत के ऊपर तीन अमेरिकी एफ-15ई स्ट्राइक ईगल विमान कथित तौर पर गलती से मित्र राष्ट्र की ओर से की गई गोलेबारी की वजह से दुर्घटनाग्रस्त हो गए.

यह संगोष्ठी थिंक-टैंक सेंटर फॉर एयरोस्पेस पावर एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज (सीएपीएसएस) और इंडियन मिलिट्री रिव्यू (आईएमआर) प्रकाशन द्वारा संयुक्त रूप से भारतीय वायु सेना के सुब्रतो पार्क में आयोजित की जा रही है. वायु सेनाध्यक्ष ने कहा कि ड्रोन, मानवरहित हवाई प्रणालियां (यूएएस) और यूएएस रोधी प्रणालियां आज के समय में बेहद प्रासंगिक हैं.

प्रधानमंत्री ने स्वर्ण आभूषण क्षेत्र के लिए 'डेथ वारंट' जारी किया, विशेष पैकेज की घोषणा हो: कांग्रेस

नई दिल्ली: कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लोगों से एक साल तक सोना नहीं खरीदने की अपील किए जाने को शुक्रवार को स्वर्ण आभूषण क्षेत्र के लिए डेथ वारंट करार दिया और कहा कि सरकार इस क्षेत्र से जुड़े लगभग 3.5 करोड़ लोगों के हितों की रक्षा के विशेष पैकेज की घोषणा करे. पार्टी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने यह भी कहा कि कांग्रेस इस रोजगार बंदी के खिलाफ संसद से लेकर सड़क तक लड़ाई लड़ेगी. उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर विदेशी मुद्रा बचाने के मकसद से पिछले दिनों ईंधन के विवेकपूर्ण उपयोग, सोने की खरीद और विदेश

यात्रा को स्थगित करने जैसे उपायों का आह्वान किया था.

न्यूज कॉर्नर

मोतिहारी सेंट्रल जेल की हाई सिक्योरिटी सेल में कैदी के पास मिला मोबाइल, जेल सुरक्षा पर उठे सवाल

पूर्वी चंपारणः मोतिहारी सेंट्रल जेल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिले में हड़कंप मच गया है. दरअसल हाई सिक्योरिटी सेल में बंद एक विचाराधीन कैदी के पास से मोबाइल फोन, सिम, बैटरी और चार्जर बरामद किया गया. मिली जानकारी के अनुसार,केन्द्रीय कारा के हाई सिक्योरिटी कक्ष में बंद पटना जिले के भगवानगंज अनीली के विचाराधीन बंदी नीतीश यादव के पास से मोबाइल,सिम बैट्री और चार्जर मिला है.बताया गया कि बंदी की संदिग्ध गतिविधियों को देखते हुए जेल प्रशासन द्वारा विशेष तलाशी अभियान चलाया गया. तलाशी के दौरान बंदी के पास से एक मोबाइल फोन, एयरटेल का सिम, बैटरी, डेटा केबल और चार्जर बरामद किया गया.जेल प्रशासन के अनुसार उसे उप कारा मसौढ़ी से सेंट्रल जेल, मोतिहारी में शिफ्ट किया गया था. इस बीच हाई सिक्योरिटी सेल में बंद नीतीश यादव की संदिग्ध गतिविधि को देख सुरक्षा में तैनात कक्षपाल हरदेव मंडल ने इसकी सूचना दी. इसके बाद बंदी की तलाशी ली गई तो उसके पास से मोबाइल, सिमकार्ड, चार्जर, डेटा केबल बरामद किया गया. सेंट्रल जेल के उपाधीक्षक संजय कुमार ने शुक्रवार को नगर थाने में आवेदन देकर बंदी नीतीश यादव के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है. नगर इंस्पेक्टर राजीव रंजन ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है. उसके पास से बरामद मोबाइल सिम के आउट गोइंग और इन कमिंग काल का डिटेल भी निकाला जा रहा है, ताकि यह पता चल सके कि जेल के अंदर रहते हुए वह किन-किन लोगों के संपर्क में था. यह भी पता लगाया जा रहा कि जेल में उसे मोबाइल किसने पहुंचाया था. सभी बिंदुओं पर जांच-पड़ताल की जा रही है.

भारत-नेपाल सीमा पर 80 खाली कारतूस,150 किलो मानव बाल के साथ छह तस्कर गिरफ्तार

अररियाः सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 56 वीं वाहिनी की डी समवाय कुशमाहा के जवानों ने भेड़ियारी भारत-नेपाल सीमा के पास से छह तस्करों को 80 खाली कारतूस,150 किलो मानव बाल एवं छह किलो धातु के उपकरण सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और छह साइकिल के साथ छह तस्करों को गिरफ्तार किया है. ये सभी तस्कर साइकिल से भारत से नेपाल सीमा में प्रवेश करने वाले थे.इसी दौरान विशेष गश्ती टीम ने इन तस्करों को धर दबोचा. एसएसबी ने यह कार्रवाई भेड़ियारी में भारतीय बोर्डर भारत-नेपाल सीमा स्तंभ संख्या 178 के नजदीक भारत साइड में की.गिरफ्तार सभी तस्कर पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं. एसएसबी की ओर से मिली जानकारी के अनुसार,तस्करों के पास से 5.56 एमएम के 73 खाली कारतूस,9 एमएम के 7 खाली कारतूस, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण,150 किलो मानव बाल, 30 किलो अन्य धातु उपकरण,40 किलोग्राम अन्य समानों के साथ छह साइकल जब्त किया गया है. गिरफ्तार किए गए तस्करों में मुर्शिदाबाद के 43 वर्षीय नासिर अहमद,मुर्शिदाबाद के 42 वर्षीय रफीकुल शेख,मुर्शिदाबाद के 46 वर्षीय सद्दाम,37 वर्षीय जुल्फिकार,51 वर्षीय अनीसुर शेख और 37 वर्षीय राजन अली को गिरफ्तार किया गया है. सभी तस्करों से पूछताछ करने और कागजी कार्रवाई पूरा करने के बाद सभी तस्करों और जब्त समानों को आवश्यक विधि सम्मत कार्रवाई के लिए जोगबनी थाना के अधीन सुपुर्द कर दिया गया है.

अनंत सिंह पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार, एमपी-एमएलए कोर्ट ने खारिज की स्टे याचिका

गोपालगंज : नर्तकी के डांस के दौरान बाहुबली विधायक अनंत सिंह के समर्थकों द्वारा हथियार लहराने के मामले में मोकामा के जेडीयू विधायक अनंत सिंह को फिलहाल कोर्ट से राहत नहीं मिली है. गोपालगंज व्यवहार न्यायालय की एमपी-एमएलए कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान गिरफ्तारी पर स्टे लगाने की मांग को अदालत ने खारिज कर दिया. गोपालगंज जिले के व्यवहार न्यायालय में आज अनंत सिंह मामले की सुनवाई चढ़-चढ़- कोर्ट में हुई. इस दौरान उनके अधिवक्ता राजेश कुमार पाठक ने बचाव पक्ष की ओर से कई कानूनी दलीलें पेश कीं. उन्होंने पुलिस कार्रवाई की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे राजनीति से प्रेरित बताया. बचाव पक्ष का मुख्य तर्क था कि पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में कई कानूनी विसंगतियां हैं. अधिवक्ता ने अदालत से कहा कि गिरफ्तारी की प्रक्रिया उचित नहीं रही और पूरे मामले में राजनीतिक दबाव की आशंका है. इसी आधार पर कोर्ट से गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की गई. हालांकि बचाव पक्ष की लंबी दलीलों के बावजूद अदालत ने फिलहाल गिरफ्तारी पर स्टे देने से इनकार कर दिया. इसे अनंत सिंह के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि अब भी गिरफ्तारी की संभावना बनी हुई है और कानूनी संकट बरकरार है. कोर्ट ने मामले की गंभीरता और उपलब्ध दस्तावेजों का अवलोकन करने के बाद सुनवाई को आगे बढ़ाने का फैसला लिया.

सीतामढ़ी में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी विभाग की बड़ी कार्रवाई

रिश्वत लेते जूनियर इंजीनियर रंगे हाथ गिरफ्तार

सीतामढ़ी : बिहार के सीतामढ़ी में भ्रष्टाचार के खिलाफ निगरानी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक घूसखोर जूनियर इंजीनियर (जेई) को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. इस कार्रवाई के बाद पुपरी नगर परिषद कार्यालय में हड़कंप मच गया. गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान पुपरी नगर परिषद में तैनात जूनियर इंजीनियर विजय कुमार शर्मा उर्फ गोपाल कुमार के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, निगरानी विभाग को लगातार शिकायत मिल रही थी कि नगर परिषद कार्यालय में विकास कार्यों और भुगतान से जुड़े मामलों में रिश्वत की मांग की जा रही है. शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि जेई विजय कुमार शर्मा काम कराने और फाइल आगे बढ़ाने के एवज में मोटी रकम की मांग कर रहा था. शिकायत की सत्यता जांचने के बाद निगरानी विभाग ने जाल बिछाकर कार्रवाई की योजना बनाई.

संवेदक राज भूषण कुमार का कहना है कि जूनियर इंजीनियर विजय कुमार शर्मा ने एक लाख पैंतालिस हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी. इसके बाद राज भूषण ने इसकी शिकायत निगरानी विभाग में की. जिसके बाद विजलेंस की टीम एक्शन में आ गई. शिकायत की पुष्टि होने के बाद निगरानी विभाग की टीम ने विशेष रणनीति के तहत कार्रवाई की. जैसे ही गोपाल कुमार रिश्वत की रकम ले रहा था, टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया. गिरफ्तारी के साथ ही मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई.

निगरानी विभाग की इस कार्रवाई के दौरान कार्यालय परिसर में काफी देर तक हलचल बनी रही. टीम ने आरोपी के पास से रिश्वत की पूरी राशि बरामद कर ली है. इसके बाद आरोपी को अपने साथ पूछताछ के लिए ले गई. निगरानी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है. साथ ही उससे जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जाएगी. जरूरत पड़ने पर उसके ठिकानों पर भी छापेमारी की जा सकती है.

स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर परिषद कार्यालय में लंबे समय से भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने आ रही थीं. आम लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए भी कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते थे. बिना पैसे दिए फाइल आगे नहीं बढ़ती थी. ऐसे में निगरानी विभाग की इस कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है. वहीं, इस घटना के बाद नगर परिषद कार्यालय के कर्मचारियों और अधिकारियों में भी बेचैनी देखी जा रही है. कार्रवाई की खबर फैलते ही इलाके में चर्चा का माहौल गर्म हो गया. लोग इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ा संदेश मान रहे हैं.

प्लास्टिक, घरेलू कचरे को नालियों में न फेंकें: मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुरः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लोगों से प्लास्टिक, कपड़े और घरेलू कचरे को नालियों में नहीं डालने की अपील करते हुए कहा कि शहरों को स्वच्छ, स्वस्थ एवं जलभराव व मौसमी बीमारियों से मुक्त रखने के लिए जन भागीदारी आवश्यक है. मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में 495 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का निरीक्षण करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार ने शहर में नागरिक समस्याओं, विशेष रूप से जलभराव, मच्छर से संबंधित मुद्दों और मानसून के मौसम के दौरान और उसके बाद उभरने वाली बीमारियों को हल करने पर लगातार ध्यान केंद्रित किया है. उन्होंने कहा, हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि गोरखपुर की लंबित समस्याओं का समाधान हो. जलभराव, मच्छरों और बारिश के मौसम में फैलने वाली बीमारियों जैसे मुद्दों का स्थायी समाधान किया जाना चाहिए. योगी ने कहा कि जब लोग और सरकार मिलकर काम करते हैं तो विकास संभव होता है.

उन्होंने निवासियों से प्लास्टिक का उपयोग बंद करने और पॉलिथीन बैग, कपड़े व घरेलू कचरे को नालियों व नहरों में फेंकने से परहेज करने का आग्रह करते हुए कहा, जब सामूहिक प्रयास होता है, तो विकास होता है. मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ गोरखपुर राज्य एवं देश को समृद्धि के नए लक्ष्यों की ओर बढ़ने में मदद करेगा.

दूल्हे की कार में छिपा था 3 करोड़ का गांजा, एसटीएफ ने खोला तस्करी का नया खेल, दो सगे भाई गिरफ्तार

सीतामढ़ी: बिहार के सीतामढ़ी जिले में तस्करों ने गांजा की तस्करी के लिए एक अनोखा तरीका अपनाया, जिसने पुलिस को भी हैरान कर दिया. नेपाल से लाई जा रही 142.2 किलोग्राम गांजे की बड़ी खेप को छिपाने के लिए उन्होंने कार को दूल्हे की बारात वाली गाड़ी की तरह फूलों-मालाओं से सजाकर तैयार किया था. एसटीएफ और सुरसंड पुलिस की संयुक्त टीम ने इस चतुराई को भेदते हुए कार्रवाई की और पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश कर दिया. सुरसंड थाना क्षेत्र में हुई इस छापेमारी में क्रेटा कार से कुल 142.2 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया. अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत 3 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है. पुलिस ने कार की तलाशी के दौरान गांजे के पैकेट्स निकाले, जो शादी वाली सजावट के नीचे छिपाए गए थे. इस कार्रवाई में एक बाइक और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए.

पुलिस ने मौके से दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया. आरोपी परिहार थाना क्षेत्र के मसहा गांव निवासी विकाश महतो उर्फ विकाश कुमार और उसके छोटे भाई अमृत कुमार हैं. दोनों उमेश महतो के पुत्र हैं. लंबे समय से यह दोनों नेपाल से गांजा लाकर बिहार के विभिन्न जिलों में सप्लाई करते आ रहे थे. पुलिस के अनुसार, तस्करों ने शादी-ब्याह के मौसम में बारात वाली गाड़ियों की जांच कम होने का फायदा उठाने की योजना बनाई थी. कार पर फूल-मालाएं लगाकर इसे पूरी तरह शादी की गाड़ी जैसा बना दिया गया था, ताकि किसी को शक न हो. डढ्ढक्र अधिकारियों का कहना है कि यह तरीका नया नहीं है, लेकिन इस बार मात्रा और चतुराई दोनों ही चौंकाने वाली थी.

पूछताछ में मुख्य आरोपी विकाश महतो ने स्वीकार किया कि वह नेपाल से नियमित रूप से गांजा मंगाकर बिहार के कई जिलों में ऊंचे दामों पर बेचता था. डढ्ढक्रके मुताबिक विकाश इस नेटवर्क का मुख्य सरगना है और उसके तार अंतरराज्यीय तस्करी गिरोह से जुड़े हो सकते हैं. पुलिस अन्य सहयोगियों और सप्लायर्स की तलाश में जुट गई है. सुरसंड थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है. सीतामढ़ी और भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में हाल के दिनों में ड्रग्स तस्करी के मामले बढ़े हैं. इस सफलता को डढ्ढक्र की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, जो तस्करों के नए तरीकों से निपटने की क्षमता को भी दर्शाती है. सुरसंड थाना अध्यक्ष लाल किशोर गुप्ता ने बताया कि नेपाल से बड़ी मात्रा में गांजा आने की गुप्त सूचना मिली थी. सूचना के आधार पर तुरंत कार्रवाई की गई और गाड़ी की तलाशी ली गई, जिसमें गांजा बरामद हुआ. आगे की जांच और कार्रवाई जारी है.

एक मां ने पांच दिन में चार बच्चों को दिया जन्म, सभी सुरक्षित

मुरादाबादः उत्तर प्रदेश के संभल जिले की एक महिला ने मुरादाबाद स्थित तीर्थंकर महावीर अस्पताल में पांच दिन के अंतराल में चार बच्चों को सामान्य प्रसव से जन्म दिया. चिकित्सकों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. चिकित्सकों ने इसे दुर्लभ मामला बताया. अस्पताल के अनुसार, संभल के ओवरी गांव की रहने वाली अमीना ने नौ मई को पहले बच्चे को जन्म दिया और इसके बाद 14 मई को चिकित्सकों की निगरानी में तीन अन्य बच्चों का जन्म हुआ. अस्पताल ने बताया कि चार नवजात बच्चों में दो बेटे और दो बेटियां हैं और अमीना छह मई को इस अस्पताल में भर्ती हुई थीं.

डॉ. शुभ्रा अग्रवाल के नेतृत्व वाली टीम ने जटिलता के बावजूद सफलता प्राप्त की. डॉ. अग्रवाल ने बताया कि यह अस्पताल में पहला मामला है, जहां चार बच्चों का सामान्य प्रसव हुआ. उन्होंने बताया कि महिला का इलाज गर्भावस्था के तीसरे महीने से हो रहा था और अल्ट्रासाउंड में चार भ्रूणों की पुष्टि हुई थी.

प्रधानमंत्री की अपील के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पैदल पहुंचे कार्यालय

पटनाः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने को लेकर की गयी अपील के कुछ दिन बाद बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शुक्रवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अपने सरकारी आवास से मंत्रिमंडल सचिवालय कार्यालय तक पैदल पहुंचे. मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री और अन्य अधिकारी लोक सेवक आवास (मुख्यमंत्री आवास) से मंत्रिमंडल सचिवालय कार्यालय तक पैदल गए. प्रधानमंत्री की ईंधन बचाने और गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करने की अपील के बाद बिहार सरकार ने हाल में कई कदम उठाए हैं. इनमें सप्ताह में एक दिन 'नो व्हीकल डे' मनाना और पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने के लिए वाहनों के नियमित उपयोग में कटौती शामिल है. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के काफिले में शामिल वाहनों की संख्या भी कम कर दी गई है.

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पश्चिम एशिया संकट की तुलना वैश्विक कोविड महामारी से करते हुए ईंधन बचत की अपील किए जाने के कुछ दिन बाद मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी कि वह अपने काफिले में वाहनों की संख्या कम कर रहे हैं और मंत्रियों तथा अन्य जनप्रतिनिधियों से भी ऐसा करने की अपेक्षा करते हैं. वाहनों के उपयोग में कटौती के अलावा मुख्यमंत्री ने कहा था कि उनकी सरकार ईंधन की खपत कम करने के उद्देश्य से कई अन्य कदमों पर भी काम कर रही है. इनमें 'वर्क फ्रॉम होम' व्यवस्था को बढ़ावा देना और सप्ताह में एक दिन 'नो व्हीकल डे' मनाना शामिल है. मुख्यमंत्री ने कहा था, प्रधानमंत्री ने पेट्रोल और डीजल के उपयोग को कम करने का आह्वान किया है. इसके अनुरूप कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं. इनमें मुख्यमंत्री के काफिले में वाहनों की संख्या कम करना भी शामिल है. यात्रा की आवश्यकता कम करने के लिए मुख्यमंत्री ने कहा था कि सभी विभागों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठकें आयोजित करने का निर्देश दिया गया है, जबकि कार्यालयों को जहां संभव हो 'वर्क फ्रॉम होम' व्यवस्था अपनाने की सलाह दी गई है. उन्होंने लोगों से भी स्वेच्छा से सप्ताह में एक दिन 'नो व्हीकल डे' मनाने की अपील की थी.

राजधानी पटना में ब्लैक आउट मॉक ड्रिल के समय मसाला कारोबारी की गोली मारकर हत्या

पटनाः राजधानी पटना के सुल्तानगंज थानाक्षेत्र के मुसल्लेपुर हाट सब्जी मंडी में गुरुवार को अज्ञात अपराधियों ने एक मसाला कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी. अपराधियों ने इस हत्याकांड को सिविल डिफेंस के ब्लैकआउट पूर्वाभ्यास के दौरान अंजाम दिया. आनन-फानन में स्थानीय लोग और परिजन उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने देर रात उन्हें मृत घोषित कर दिया. घटना की सूचना मिलते ही सिटी पुलिस अधीक्षक (पटना पूर्वी) परिचय कुमार और पटना सिटी के अपर पुलिस अधीक्षक राजकिशोर सिंह मौके पर पहुंचे. साथ ही साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से महत्वपूर्ण नमूने एकत्रित किए हैं.

सपा ने आस्था के प्रतीकों का विरोध कर हिंदू भावनाओं को आहत किया: पंकज चौधरी

लखनऊः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी दल के नेताओं ने समय-समय पर प्रधानमंत्री, ब्राह्मण समाज, सनातन संस्कृति और राम मंदिर जैसे आस्था के प्रतीकों का विरोध कर हिंदू भावनाओं को आहत किया है. चौधरी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, समाजवादी पार्टी के नेताओं ने लगातार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया, समय-समय पर ब्राह्मण समाज, सनातन संस्कृति और राम मंदिर जैसे आस्था के प्रतीकों का विरोध कर हिंदू भावनाओं को आहत करने का काम किया है. उन्होंने कहा, जातियों में बांटो और सत्ता हासिल करो की राजनीति अब जनता के सामने पूरी तरह उजागर हो चुकी है. तुष्टिकरण और वोटबैंक की सोच पर चलने वालों को प्रदेश की जागरूक जनता लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देने के लिए तैयार है. प्रदेशाध्यक्ष ने कहा, उत्तर प्रदेश अब विकास, सांस्कृतिक सम्मान और राष्ट्रहित की राजनीति के साथ खड़ा है, न कि समाज को विभाजित करने वाली मानसिकता के साथ.

चौधरी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव, प्रो. राम गोपाल यादव, अजेंद्र सिंह लोधी, राज कुमार भाटी समेत कई नेताओं के बयानों का एक वीडियो भी साझा किया. गाजियाबाद जिले के कविनगर थाने में समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी के खिलाफ ब्राह्मण समाज पर अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज की गयी. पुलिस के अनुसार, यह प्राथमिकी भाजपा नेता डॉ. अजय शर्मा की शिकायत पर कविनगर थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 196(1) (धर्म या अन्य आधारों पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) के तहत दर्ज की गई है. शर्मा ने शिकायत में आरोप लगाया कि ब्राह्मण समाज के खिलाफ की गई टिप्पणियों से उनकी भावनाएं आहत हुई हैं और उन्होंने भाटी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की. भाटी ने हालांकि अपने बयान पर माफी मांग ली है.

भारत-नेपाल सीमा पर सोमालियाई नागरिक गिरफ्तार फर्जी दस्तावेजों के सहारे नेपाल भागने की कोशिश नाकाम

पूर्वी चंपारणः बिहार के पूर्वी चंपारण जिला से लगते रक्सौल भारत-नेपाल सीमा पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और इमिग्रेशन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में एक सोमालियाई नागरिक को गिरफ्तार किया गया है. आरोपित बिना वैध इमिग्रेशन क्लीयरेंस के नेपाल जाने की कोशिश कर रहा था. जांच में सामने आया है कि वह मेडिकल वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद फर्जीवाड़ा कर भारत में अवैध रूप से रह रहा था. गिरफ्तार विदेशी नागरिक की पहचान सोमाली रिपब्लिक निवासी महमेद अहमद फराह खदरा गेडी मोहामूद के रूप में हुई है. अधिकारियों के अनुसार वह पिछले कुछ समय से हैदराबाद के टोली चौकी इलाके में अपने अन्य सोमालियाई साथियों के साथ रह रहा था. सुरक्षा एजेंसियां अब उसके भारत में रहने, संपर्कों और गतिविधियों की विस्तृत जांच में जुट गई हैं.

दरअसल, शुक्रवार को एसएसबी की बीआईटी टीम भारत-नेपाल सीमा पर स्थित मैत्री पुल पर नियमित जांच अभियान चला रही थी. इसी दौरान नेपाल की ओर जाने की कोशिश कर रहे एक विदेशी नागरिक के हाव-भाव संदिग्ध लगे. जवानों ने उसे रोककर पूछताछ शुरू की. रक्सौल एसडीपीओ मनीष आनंद ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में ही युवक की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हुईं.

बिहार में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 15 आईएएस अधिकारियों का तबादला

पटनाः बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने शुक्रवार को राज्य के प्रशासनिक ढांचे में बड़ा फेरबदल करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 15 अधिकारियों का तबादला किया और कई अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया. एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गयी. विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, गन्ना उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव के. सेंथिल कुमार को श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग का अपर मुख्य सचिव नियुक्त किया गया और उन्हें पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है.

अधिसूचना में बताया गया कि इसके साथ ही एच. आर. श्रीनिवास को पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया. अधिसूचना के अनुसार, कोसी प्रमंडल के आयुक्त राजेश कुमार को लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) में प्रधान सचिव बनाया गया है. वहीं पथ निर्माण विभाग का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे पंकज कुमार पाल को विभाग का पूर्णकालिक सचिव नियुक्त किया गया है.

राज्य सरकार ने कई प्रमंडलों में आयुक्तों के स्तर पर भी फेरबदल किया. अधिसूचना के अनुसार, मुंगेर प्रमंडल के आयुक्त प्रेम सिंह मीणा को भागलपुर प्रमंडल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. वहीं दरभंगा प्रमंडल के आयुक्त हिमांशु कुमार राय को कोसी प्रमंडल के आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. पूर्णिया के जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार को पूर्णिया प्रमंडल के आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. भागलपुर प्रमंडल के आयुक्त अवनीश कुमार सिंह को खान एवं भू-तत्व विभाग में सचिव-सह-खान आयुक्त नियुक्त किया गया है.

मुख्यमंत्री सचिवालय में भी नए अधिकारियों की नियुक्ति की गई है. श्रीकांत कुंडलिक खांडेकर और गुंजन सिंह को मुख्यमंत्री सचिवालय में संयुक्त सचिव बनाया गया है. इससे पहले खांडेकर पटना और गुंजन सिंह भोजपुर में उपविकास आयुक्त (डीडीसी) के पद पर कार्यरत थे. नालंदा के उपविकास आयुक्त शुभम कुमार को पटना का नया उपविकास आयुक्त नियुक्त किया गया है. वहीं जीविका के मुख्य कार्यपालक अधिकारी हिमांशु शर्मा को विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग का प्रभारी सचिव बनाया गया है. अधिसूचना के तहत कई अधिकारियों को उनके अतिरिक्त प्रभारों से मुक्त भी किया गया है. सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी. राजेंद्र को शिक्षा एवं खेल विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है.

न्यूज कॉर्नर

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.29 अरब डॉलर बढ़कर 696.99 अरब डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली/मुंबई: विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी दर्ज हुई है. देश का विदेशी मुद्रा भंडार आठ मई को समाप्त हफ्ते में 6.29 अरब डॉलर बढ़कर 696.99 अरब डॉलर पर पहुंच गया. इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 7.79 अरब डॉलर घटकर 690.69 अरब डॉलर पर रहा था.रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को बताया कि आठ मई को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) 56.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 552.39 अरब डॉलर हो गई. आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 5.64 अरब डॉलर बढ़कर 120.85 अरब डॉलर हो गया. इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.87 अरब डॉलर हो गया. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में भारत का आरक्षित कोष भी 1.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.87 अरब डॉलर पहुंच गया. देश का विदेशी मुद्रा भंडार 27 फरवरी को समाप्त हफ्ते में 728.494 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था.

देश का निर्यात अप्रैल महीने में 13.78 फीसदी बढ़कर 43.56 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली: पश्चिम एशिया संकट एवं वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश का निर्यात अप्रैल में 13.78 फीसदी बढ़कर 43.56 अरब डॉलर हो गया. हालांकि आयात में 10 फीसदी की वृद्धि के कारण व्यापार घाटा भी बढ़कर 28.38 अरब डॉलर पर पहुंच गया. वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि अप्रैल में आयात में पिछले वर्ष की तुलना में 10 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है. यह 71.94 अरब डॉलर पर पहुंच गया. इस दौरान व्यापार घाटा 28.38 अरब डॉलर रहा. देश के कुल निर्यात और आयात दोनों में बढ़ोतरी हुई है. अग्रवाल ने कहा कि पिछले महीने पश्चिम एशिया को भारत का निर्यात 28 फीसदी घटकर 4.16 अरब डॉलर रहा, जबकि अप्रैल 2025 में यह 5.78 अरब डॉलर रहा था. उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया से आयात अप्रैल में 31.64 फीसदी घटकर 10.47 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह 15.32 अरब डॉलर रहा था.

देश का निर्यात अप्रैल महीने में 13.78 फीसदी बढ़कर 43.56 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली: पश्चिम एशिया संकट एवं वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश का निर्यात अप्रैल में 13.78 फीसदी बढ़कर 43.56 अरब डॉलर हो गया. हालांकि आयात में 10 फीसदी की वृद्धि के कारण व्यापार घाटा भी बढ़कर 28.38 अरब डॉलर पर पहुंच गया. वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि अप्रैल में आयात में पिछले वर्ष की तुलना में 10 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है. यह 71.94 अरब डॉलर पर पहुंच गया. इस दौरान व्यापार घाटा 28.38 अरब डॉलर रहा. देश के कुल निर्यात और आयात दोनों में बढ़ोतरी हुई है. अग्रवाल ने कहा कि पिछले महीने पश्चिम एशिया को भारत का निर्यात 28 फीसदी घटकर 4.16 अरब डॉलर रहा, जबकि अप्रैल 2025 में यह 5.78 अरब डॉलर रहा था. उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया से आयात अप्रैल में 31.64 फीसदी घटकर 10.47 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह 15.32 अरब डॉलर रहा था.

आयकर के आईटीआर-1 एवं आईटीआर-4 फॉर्म दाखिल करने की ऑनलाइन सुविधा शुरू

नयी दिल्ली: आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म को ऑनलाइन दाखिल करने की सुविधा शुक्रवार को शुरू कर दी. ये फॉर्म मुख्य रूप से छोटे और मध्यम करदाताओं द्वारा भरे जाते हैं.आयकर विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म के लिए एक्सेल यूटिलिटी और ऑनलाइन फाइल करने की सुविधा अब ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध है.इन दोनों फॉर्म को 30 मार्च को अधिसूचित किया गया था. ऑनलाइन फाइलिंग और एक्सेल यूटिलिटी शुरू होने के साथ ही करदाता अब आयकर रिटर्न दाखिल करना शुरू कर सकते हैं.व्यक्तिगत करदाताओं के लिए आईटीआर-1 दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है, जबकि आईटीआर-4 (गैर-ऑडिट मामलों) के लिए यह समयसीमा 31 अगस्त तय की गई है.आईटीआर-1 (सहज) फॉर्म उन निवासी व्यक्तियों के लिए है, जिनकी सालाना आय 50 लाख रुपये तक है और जिनकी आय वेतन, एक मकान, ब्याज जैसे अन्य स्रोतों और 5,000 रुपये तक की कृषि आय से होती है. इसमें 1.25 लाख रुपये तक के दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) की सूचना भी दी जा सकती है.वहीं, आईटीआर-4 (सुगम) फॉर्म ऐसे व्यक्तियों, हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) और फर्म (एलएलपी को छोड़कर) के लिए है, जिनकी कुल आय 50 लाख रुपये तक है और जिनकी आय व्यवसाय या पेशे से होती है.

आपूर्ति बाधा की आशंका के बीच कच्चातेल वायदा कीमत में करीब तीन प्रतिशत की तेजी

नयी दिल्ली: वायदा कारोबार में शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतें 3 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 10,073 रुपये प्रति बैरल हो गईं. अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण कच्चेतेल की आपूर्ति बाधित होने की आशंकाओं के बीच यह बढ़ोतरी देखने को मिली.मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का मई माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध 349 रुपये या 3.59 प्रतिशत की तेजी के साथ 10,073 रुपये प्रति बैरल हो गया. इसमें 9,898 लॉट के लिए कारोबार हुआ.इसी प्रकार, इसके जुलाई माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध 344 रुपये या 3.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 9,694 रुपये प्रति बैरल हो गया. इसमें 9,315 लॉट के लिए कारोबार हुआ.विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति में कमी और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास जारी व्यवधानों की आशंकाओं ने कच्चे तेल की कीमतों को सहारा दिया.

प्रथम पृष्ठ का शेषांश

भोजशाला को मंदिर ...

कोर्ट ने सरकार को कहा है कि लंदन से वाग्देवी की प्रतिमा को लाकर भोजशाला में स्थापित करें. परिसर पर पूरा अधिकार हिंदुओं का होगा.दरअसल, भोजशाला के धार्मिक स्वरूप को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था. हिंदू पक्ष भोजशाला को मां वाग्देवी यानी मां सरस्वती का प्राचीन मंदिर मानता है जबकि मुस्लिम पक्ष इसे कमाल मौलाना मस्जिद बताता था. इसी विवाद को लेकर हाईकोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई थीं जिन पर लंबे समय से सुनवाई चल रही थी. अब सभी पक्षों को 12 मई तक सुनने के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है.वर्ष 2024 में हाईकोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) को भोजशाला परिसर का वैज्ञानिक सर्वे करने के निर्देश दिए थे. इसके बाद एएसआई ने करीब 98 दिनों तक परिसर और आसपास के क्षेत्र में विस्तृत सर्वे किया था. सर्वे के दौरान जीपीआर तकनीक, कार्बन डेटिंग, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी सहित कई आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया. परिसर में खुदाई कर मिट्टी के नमूने भी लिए गए थे. एएसआई ने अपनी रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश की थी जिसके आधार पर दोनों पक्षों की लगातार सुनवाई हुई. 6 अप्रैल 2026 से मामले की नियमित सुनवाई शुरू हुई थी जो करीब 24 दिनों तक चली. 12 मई को अंतिम सुनवाई के बाद हाईकोर्ट की संयुक्त पीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया था. इस दौरान हिंदू और मुस्लिम पक्षों ने दलीलें दी थीं. मुस्लिम पक्ष की ओर वरिष्ठ वकील सलमान खुर्शीद दलीलें दे रहे थे.फैसले के बाद प्रशासन ने सोशल मीडिया पर भी विशेष निगरानी शुरू कर दी है. अफवाह फैलाने वालों और भ्रामक पोस्ट डालने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है. जिला प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखें. वहीं, धार कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने नागरिकों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की है. किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी या अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी.

रेलवे के 3 प्रोजेक्ट मंजूर...

इससे उत्तर बंगाल क्षेत्र में रेल यातायात और कनेक्टिविटी को मजबूती मिलने की उम्मीद है. रेल मंत्रालय की इन घोषणाओं को पश्चिम बंगाल के बुनियादी ढांचे और रेल नेटवर्क विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. दरअसल पश्चिम बंगाल में पहली बार बीजेपी की सरकार बनी है और सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण किया है. माना जा रहा है कि केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार होने से बंगाल में विकास की गति बढ़ेगी और आने वाले दिनों में विभिन्न परियोजनाएं देखने को भी मिलेंगी. खासकर ऐसी परियोजना या योजना जो पिछली टीएमसी सरकार के कार्यकाल में लागू नहीं हो पाई थीं. इनमें केंद्र सरकार की कई योजनाएं शामिल हैं, जिनसे आम लोग सीधे तौर पर लाभांवित होंगे.

दो दिन की तेजी के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को लगा 1.68 लाख करोड़ का चूना

नई दिल्ली: लगातार दो दिन तक तेजी के साथ कारोबार करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज गिरावट का शिकार हो गया. आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी. शुरुआती दो घंटे के कारोबार में बाजार में तेजी बनी रही, लेकिन इसके बाद जैसे-जैसे दिन बढ़ता गया, वैसे-वैसे बिकवाली का दबाव भी बढ़ता गया. पहले दो घंटे के कारोबार के बाद दोपहर 11 बजे से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा. विशेष रूप से दोपहर एक बजे के बाद बाजार पर पूरी तरह से बिकवालों का कब्जा हो गया. बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से 730 अंक से अधिक टूट गया. इसी तरह निफ्टी दिन के ऊपर स्तर से लगभग 230 अंक तक लुढ़क गया. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.21 प्रतिशत और निफ्टी 0.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए.

आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी, फार्मास्यूटिकल और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही. इसी तरह ऑटोमोबाइल और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए. दूसरी ओर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, एनर्जी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा. इसी तरह ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और कैपिटल गुड्स इंडेक्स भी कमजोरी के साथ लाल निशान में बंद हुए. ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ. इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया.

आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में डेढ़ लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई. बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 460.55 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया. जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 462.23 लाख

करोड़ रुपये था. इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.68 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया.

आज दिन भर के कारोबार में एनएसई में 2,930 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें से 1,016 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,914 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए. इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए. जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में बंद हुए.

बीएसई का सेंसेक्स आज 98.38 अंक की मामूली मजबूती के साथ 75,497.10 अंक के स्तर पर खुला. कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण यह सूचकांक गिर कर लाल निशान में 75,251.15 अंक के स्तर तक आ गया. इसके तुरंत बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स की चाल में तेजी आ गई. खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स 471.64 अंक उछल कर 75,870.36 अंक के स्तर तक पहुंच गया. इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी.

दिन के दूसरे चरण में हुई जोरदार बिकवाली के कारण यह सूचकांक दिन के ऊपरी स्तर से 730.95 अंक टूट कर 259.31 अंक की कमजोरी के साथ 75,139.41 अंक के स्तर तक गिर गया. अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से करीब 100 अंक की रिकवरी कर 160.73 अंक की गिरावट के साथ 75,237.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ.

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 41.80 अंक की छलांग लगा कर 23,731.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की. बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण यह सूचकांक फिसल कर लाल निशान में 23,663.35 अंक के स्तर तक गिर गया. इसके तुरंत बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया और लिवाली शुरू कर दी. लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी 149.70 अंक की तेजी के साथ 23,839.30 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा. इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी कमजोरी आ गई.जैसे-जैसे क्लोजिंग का समय पास आता गया, वैसे-वैसे इस सूचकांक की गिरावट भी बढ़ती गई. लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक दिन के ऊपरी स्तर से 229 अंक फिसल कर 79.30 अंक की कमजोरी के साथ 23,610.30 अंक के स्तर पर पहुंच गया. अंत में दिन के सौदों के निपटारे के कारण हुई खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी दिन के निचले स्तर से 30 अंक से अधिक की रिकवरी कर 46.10 अंक की कमजोरी के साथ 23,643.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ. आज दिन भर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टीएमपीवी 5.25 प्रतिशत, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज 2.54 प्रतिशत, इंफोसिस 2.19 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 2.02 प्रतिशत और कोल इंडिया 1.79 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए. दूसरी ओर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 3.24 प्रतिशत, नेस्ले 1.99 प्रतिशत, टाटा स्टील 1.94 प्रतिशत, एटरनल 1.89 प्रतिशत और रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.87 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए.

फ्लिपकार्ट देश के ई-कॉमर्स बाजार में 50 से 60 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ अग्रणी

नयी दिल्ली: फ्लिपकार्ट सकल वस्तु मूल्य (जीएमवी) के आधार पर 50 से 60 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ देश के ई-कॉमर्स बाजार में अग्रणी बना हुआ है. ब्रोकरेज कंपनी आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और सीएलएसए की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई. जीएमवी किसी ई-कॉमर्स मंच या मार्केटप्लेस के माध्यम से एक निश्चित समयावधि में बेचे गए सामान का कुल मौद्रिक मूल्य है.रिपोर्ट के अनुसार, फ्लिपकार्ट ने एक सप्ताह में 85 लाख साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ता (डब्ल्यूएयू) जोड़े हैं, जो प्रमुख ई-कॉमर्स मंचों में सबसे अधिक है. इससे कंपनी की बाजार में बढ़त और मजबूत हुई है.आईसीआईसीआई

सिक्योरिटीज ने कहा कि वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट के मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या 22 करोड़ से 24 करोड़ के बीच आंकी गई है, जबकि भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 85 करोड़ है. रिपोर्ट में कहा गया कि कंपनी नए उपयोगकर्ता जोड़ने के बजाय मौजूदा ग्राहकों को अधिक उत्पाद श्रेणियों से जोड़ने और बिक्री बढ़ाने की रणनीति पर ध्यान दे रही है.सीएलएसए की एक अलग रिपोर्ट के अनुसार, चार मई को समाप्त सप्ताह में फ्लिपकार्ट ने ई-कॉमर्स क्षेत्र में साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं के मामले में अपनी बढ़त और मजबूत की.फ्लिपकार्ट ने एक सप्ताह में 85 लाख डब्ल्यूएयू जोड़े, जबकि इसी अवधि में अमेजन ने 66 लाख उपयोगकर्ता जोड़े. दूसरी ओर, मीशो के डब्ल्यूएयू में 59 लाख की गिरावट दर्ज की गई. रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष अब तक फ्लिपकार्ट ने कुल 2.68 करोड़ नए साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ता जोड़े हैं.

रिपोर्ट में स्मार्टफोन, घरेलू उपकरण और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उच्च औसत बिक्री मूल्य (एएसपी) वाले उत्पाद वर्गों में फ्लिपकार्ट की हिस्सेदारी 63 से 64 प्रतिशत बताई गई है.रिपोर्ट में कहा गया कि अमेजन जीएमवी के आधार पर 25 से 30 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर है. उसके मंच पर 100 से अधिक श्रेणियों में लगभग 18 करोड़ उत्पाद सूचीबद्ध हैं.

अमेजन की सौंदर्य एवं व्यक्तिगत देखभाल, एफएमसीजी (दैनिक उपयोग का सामान) और सामान्य वस्तु श्रेणियों में मजबूत उपस्थिति है, लेकिन स्मार्टफोन और इलेक्ट्रॉनिक्स में उसकी हिस्सेदारी 35 से 36 प्रतिशत है, जो फ्लिपकार्ट से कम है.मीशो की कुल जीएमवी हिस्सेदारी लगभग 10 प्रतिशत आंकी गई है. कंपनी ने टियर-तीन यानी छोटे शहरों और कस्बों में मजबूत उपस्थिति बनाई है.फ्लिपकार्ट के मंच पर 80 से अधिक श्रेणियों में 15 करोड़ से अधिक उत्पाद उपलब्ध हैं और उससे करीब 4.5 लाख विक्रेता जुड़े हैं. वहीं अमेजन के मंच पर लगभग सात लाख विक्रेता और मीशो के मंच पर करीब चार लाख विक्रेता हैं.

कोयला मंत्री ने सीएमपीडीआईएल की समीक्षा की

नई दिल्ली: केंद्रीय कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने रांची स्थित केंद्रीय खान योजना एवं डिजाइन संस्थान लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल) के कामकाज की समीक्षा की. दुबे की अध्यक्षता में आयोजित बैठक का उद्देश्य सीएमपीडीआई के प्रदर्शन और भविष्य की रूपरेखा तैयार करना था.कोयला मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि कोयला और खान राज्यमंत्री दुबे ने 14 मई को रांची में स्थित सीएमपीडीआईएल की एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, ताकि कोयला और खनिज अन्वेषण के क्षेत्र में संगठन के प्रदर्शन और भविष्य की रूपरेखा का आकलन किया जा सके. समीक्षा बैठक के दौरान अन्वेषण, रिपोर्ट तैयार करने, पूंजीगत व्यय, अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं, सीएसआर पहलों और सौर परियोजनाओं जैसे विभिन्न परिचालन क्षेत्रों में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान सीएमपीडीआईएल के निष्पादन को 2026-27 के लक्ष्यों के साथ प्रस्तुत किया गया.

दुबे ने सीएमपीडीआईएल के निष्पादन की सराहना की और देश की भावी ऊर्जा एवं आर्थिक सुरक्षा के लिए आवश्यक स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों के महत्व के साथ-साथ महत्वपूर्ण खनिजों के कार्यनीतिक अन्वेषण पर बल दिया. इस अवसर पर सीसीएल के सीएमडी नीलेन्दु कुमार सिंह, एमईसीएल के सीएमडी आईडी नारायण उपस्थित थे. सीएमपीडीआईएल प्रबंधन को निर्देश दिया गया कि वे खरीद प्रक्रियाओं को सरल बनाएं, पारदर्शिता बढ़ाएं और बाजार तक पहुंच में सुधार करें ताकि बड़ी संख्या में बोलीदाताओं की भागीदारी के कारण परियोजनाओं में देरी न हो.

मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में केंद्रीय खान योजना एवं डिजाइन संस्थान लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल) ने खनिज अन्वेषण एवं परामर्श लिमिटेड (एमईसीएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए. इसका उद्देश्य ऊर्जा एवं गैर-ऊर्जा खनिजों के लिए कोयला और खनिज अन्वेषण के क्षेत्र में दोनों प्रमुख अन्वेषण एजेंसियों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है.

मंत्रालय ने कहा कि यह पहल भारत की खनिज संपदा के विकास में योगदान देकर और खनिज क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. इस समीक्षा बैठक में सीएमपीडीआईएल के सीएमडी चौधरी शिवराज सिंह, सीसीएल के सीएमडी नीलेन्दु कुमार सिंह, एमईसीएल के सीएमडी आईडी नारायण, सीएमपीडीआईएल के तकनीकी निदेशक और सीएमपीडीआईएल, सीसीएल तथा एमईसीएल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

आयकर विभाग ने जारी किए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के यूटिलिटी फॉर्म

नई दिल्ली: आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2025-2026 (आकलन वर्ष 2026-27) के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के एक्सेल यूटिलिटीज फॉर्म जारी कर दिए हैं. इनकम टैक्स देने वाले करदाता अब अपना आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करना शुरू कर सकते हैं. टैक्सपेयर्स अब आयकर विभाग की आधिकारिक ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाकर अपना रिटर्न डाउनलोड और फाइल कर सकते हैं.विभाग के मुताबिक वेतनभोगी और छोटे व्यवसायी 31 जुलाई तक अपना आईटीआर दाखिल कर सकते हैं. हालांकि, बजट 2026-27 में हुए नए बदलावों के अनुसार छोटे व्यवसायी और फ्रीलांसर (जिनके खातों का ऑडिट नहीं होता) अपना आईटीआर 31 अगस्त तक फाइल कर सकते हैं.आयकर के जानकार और चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) अमित रंजन ने बताया कि आयकर विभाग ने इन फॉर्मों में कुछ बदलाव किए हैं. अब उसकी यूटिलिटी को अपलोड कर दिया गया है. इसका मतलब है कि अब ये फॉर्म लाइव हो गए हैं. अब करदाता अपना आईटीआर फाइल कर सकते हैं.

आयकर रिटर्न (आईटीआर) एक फॉर्म के माध्यम से करदाता अपनी आय, कटौतियों और कर देयता को आयकर विभाग के सामने उजागर करते हैं. इसे प्रत्येक वित्त वर्ष की 31 जुलाई तक दाखिल करना अनिवार्य है. वर्तमान में 7 अलग-अलग आईटीआर फॉर्म्स हैं (आईटीआर-1 से आईटीआर-7) फॉर्म करदाता की श्रेणी, आय की प्रकृति और इनकम के स्तर के आधार पर भिन्न-भिन्न होता है.

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में गिरावट

नई दिल्ली: घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है. दूसरी ओर, सर्राफा बाजार में चांदी गिरावट का शिकार हो गया है. देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है. सोना के विपरीत चांदी आज शुरुआती कारोबार के दौरान 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई है.घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर सोने की कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना आज 1,62,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,64,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,48,810 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है.दूसरी ओर, चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है. वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज हाजिर सोना 0.80 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,614.17 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ गया है. इसी तरह चांदी भी आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में 87.04 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर ट्रेड कर रही है.

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,62,490 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,62,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,62,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,48,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,64,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,50,510 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है. इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,62,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,62,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,62,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,62,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,48,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,62,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,48,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,62,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,48,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

स्टॉक मार्केट में सिम्का एडवर्टाइजिंग की जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री, नुकसान में रहे आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली: एडवर्टाइजिंग सर्विस देने वाली कंपनी सिम्का एडवर्टाइजिंग के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त डिस्काउंट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 183 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 15 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 156 के स्तर पर हुई. लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर टूट 148.20 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गिर गया. इसके बाद में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिससे ये शेयर उछल कर 163.80 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक भी पहुंचा. हालांकि इसके बाद एक बार फिर बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर का अपर सर्किट भी ब्रेक हो गया.

दोपहर दो बजे तक मामूली उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार करने के बाद कंपनी के शेयर एक बार फिर 163.80 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए और उसी स्तर पर बंद हुए. इस तरह पहले दिन का कारोबार होने के बाद अपर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 19.20 रुपये यानी 10.49 प्रतिशत के नुकसान में रहे.

सिम्का एडवर्टाइजिंग का 58.04 करोड़ रुपये का आईपीओ 8 से 12 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 80.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 101.08 गुना सब्सक्राइब हुआ था. वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 81.54 गुना सब्सक्रिप्शन आया था.

इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 70.90 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 31,71,600 नए शेयर जारी किए गए हैं.आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी एलईडी स्क्रीन खरीदने और उनका इन्स्टॉलेशन करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी.

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में लगातार मजबूत हुई है. वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.57 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 5.78 करोड़ रुपये हो गया. इसके अगले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी शुद्ध लाभ उछल कर 9.98 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 10.68 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था.इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 11.96 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 49.31 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 75.09 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 78.16 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था.

इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई. वित्त वर्ष 2022-23 में ये 1.57 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 7.34 करोड़ रुपये हो गया. इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 17.32 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया. वहीं, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 19.25 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया.इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2022-23 में 2.11 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 7.72 करोड़ रुपये हो गया. इसी तरह 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 13.49 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया.

वहीं, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक ये 14.37 करोड़ रुपये के स्तर पर था.कंपनी पर फिलहाल कोई कर्ज नहीं है. इसके पहले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी पर 28 लाख रुपये का कर्ज था, जिसे अब पूरी तरह से चुका दिया गया है. इसके पहले के दो वित्त वर्ष यानी 2023-24 और 2022-23 में भी कंपनी पूरी तरह से कर्ज मुक्त थी.

पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए संतुलित कदम: खंडेलवाल

नई दिल्ली: कारोबारी संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि को ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता की दिशा में संतुलित कदम बताया है. यद्यपि इस निर्णय से उपभोक्ताओं पर कुछ अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा, लेकिन इसे मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों और देश के व्यापक आर्थिक हितों के संदर्भ में देखा जाना चाहिए.

खंडेलवाल ने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के बाजार में भारी अस्थिरता उत्पन्न हुई है, जिससे इसकी कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति संबंधी चुनौतियां सामने आई हैं. भारत अपनी आवश्यकता का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का प्रभाव घरेलू ईंधन व्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है. उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल के दाम में 3 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि एक संतुलित, व्यावहारिक और जिम्मेदार निर्णय प्रतीत होता है, जिसका उद्देश्य वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश में ईंधन की निर्बाध उपलब्धता बनाए रखना तथा आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करना है. यदि लंबे समय तक ईंधन कीमतों को कृत्रिम रूप से नियंत्रित रखा जाए, तो इससे सरकारी वित्तीय व्यवस्था और तेल विपणन कंपनियों पर अत्यधिक दबाव पड़ सकता है, जिसका व्यापक प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है.

खंडेलवाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने हमेशा उपभोक्ताओं के हितों का ध्यान रखते हुए ईंधन कीमतों को संतुलित रखने का प्रयास किया है तथा समय-समय पर राहत भी प्रदान की है. वर्तमान परिस्थितियों में सीमित मूल्य वृद्धि ऊर्जा सुरक्षा बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम है. उन्होंने स्वीकार किया कि ईंधन कीमतों में वृद्धि का प्रभाव परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स लागत पर पड़ सकता है, लेकिन कठिन वैश्विक परिस्थितियों में नागरिकों और व्यापार जगत दोनों को व्यापक राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए ऐसे निर्णयों का समर्थन करना चाहिए.

न्यूज कॉर्नर

शकीरा और बर्ना बॉय का 'दाई दाई' होगा विश्व कप का आधिकारिक गीत

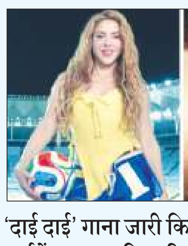

ज्यूरिख: विश्व कप का आधिकारिक गीत घोषित कर दिया गया है. विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने शुक्रवार को कहा कि शकीरा और नाइजीरिया के गायक-गीतकार बर्ना बॉय ने मिलकर 'दाई दाई' गाना जारी किया है जो उत्तरी अमेरिका में 11 जून से शुरू होने वाले टूर्नामेंट का आधिकारिक गीत होगा. फीफा ने कहा, ''दाई दाई फुटबॉल, संस्कृति और एकता का जीवंत नमूना है जो शकीरा और बर्ना बॉय की विश्व भर में जानी पहचानी ओजभरी आवाज और ऊर्जा का शानदार मिश्रण है.'' कोलंबिया की गायिका शकीरा ने मई की शुरुआत में इस गीत का एक मिनट लंबा टीज़र क्लिप साझा करके सोशल मीडिया पर लिखा था, ''माराकाना स्टेडियम से पेश है 'दाई दाई', फीफा विश्व कप 2026 का आधिकारिक गीत.'' फीफा ने कहा कि वह प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध इस गाने से मिलने वाली रॉयल्टी का उपयोग फीफा वैश्विक नागरिक शिक्षा कोष की मदद के लिए करेगा. फीफा ने इसके साथ ही घोषणा की कि 19 जुलाई को न्यूजर्सी में होने वाले फाइनल के हाफटाइम के दौरान एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें मैडोना, शकीरा और बॉय बैंड बीटीएस मुख्य कलाकार होंगे. विश्व कप अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा.

कुमार सुरेंद्र मेमोरियल: सोनम मस्कर ने 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण जीता

भोपाल: रेलवे की सोनम उत्तम मस्कर ने शुक्रवार को यहां कुमार सुरेंद्र सिंह मेमोरियल निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता और गुजरात की दिग्गज खिलाड़ी इलावेनिल वलारिवन को रजत पदक से संतोष करना पड़ा. सोनम ने 252.1 के स्कोर से पहला स्थान हासिल किया जबकि इलावेनिल 251.7 से रजत पदक जीता. महाराष्ट्र की आर्या बोरसे ने 230.4 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता. क्वालीफिकेशन में महाराष्ट्र की शाम्भवी क्षीरसागर 633.9 के स्कोर के साथ सबसे आगे रहीं. उनके बाद इलावेनिल 632.8 अंक से दूसरे और आर्या 631.4 के स्कोर से तीसरे स्थान पर रहीं. जूनियर महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में पश्चिम बंगाल की तिलोत्तमा सेन ने 253.4 के स्कोर के साथ खिताब जीता. शाम्भवी 253.3 के स्कोर से मामूली अंतर से दूसरे स्थान पर रहीं जबकि अन्वी विक्रम राठौड़ ने 230.1 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता. युवा महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में कर्नाटक की संवी आर पी ने 251.2 के स्कोर के साथ खिताब जीता. पंजाब की ओजस्वी ठाकुर ने 251.1 के स्कोर से रजत पदक जबकि महाराष्ट्र की सानिया शेख ने 229.2 के स्कोर से कांस्य पदक जीता.

भारतीय महिला टीम ने वुशु विश्व कप में दो स्वर्ण के साथ दबदबा कायम किया

मकाऊ: भारतीय वुशु टीम ने 11वें सांडा विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीते. महिला खिलाड़ियों के छह सदस्यीय दल में इन दोनों स्वर्ण पदकों को जीतकर बेहतरीन प्रदर्शन किया. यह अस्मिता खेलो इंडिया महिला लीग के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है. सीमा सुरक्षा बल की एथलीट शिवानी ने महिला 75 किलोग्राम वर्ग में अपने कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए रूस की प्रतिद्वंद्वी को हराकर स्वर्ण पदक जीता. अपर्णा ने भी 52 किलोग्राम वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के लिए दूसरा स्वर्ण पदक हासिल किया. इन दोनों खिलाड़ियों ने इससे पहले ब्राजील में आयोजित विश्व वुशु चैंपियनशिप में रजत पदक जीते थे, लेकिन इस बार उन्होंने अपने पिछले रजत पदक को सांडा विश्व कप में स्वर्ण पदक में बदलकर उल्लेखनीय सुधार दिखाया. भारतीय वायु सेना के एथलीट कुशल कुमार ने 48 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में चीन के प्रतिद्वंद्वी को कड़ी टक्कर दी लेकिन उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा. एसएसबी की करीना कौशिक और आईटीबीपी के सागर धैया ने कांस्य पदक जीतकर भारत के कुल पदकों की संख्या पांच कर दी. भारतीय वुशु संघ के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह बाजवा ने इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और सहायक कर्मचारियों को बधाई दी.

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आईपीएल की दर्शक संख्या बढ़ी

मुंबई: इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इसके दर्शकों की संख्या में सात प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जबकि टीवी पर दर्शकों की संख्या 500 मिलियन के आंकड़े को छूने के करीब है. इस टूर्नामेंट के आधकारिक प्रसारणकर्ता जियोस्टार के अनुसार आईपीएल की कुल डिजिटल पहुंच में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. यह आंकड़ा लीनियर टीवी पर प्रसारित 51 मैचों और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रसारित 57 मैचों का है. कंपनी ने दावा किया, ''सीटीवी (कनेक्टेड टीवी यानि इंटरनेट से जुड़े उपकरण) की पहुंच में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और 'वाच टाइम' (देखने का समय) 20 प्रतिशत बढ़ गया है. क्षेत्रीय भाषाओं में 'वाच टाइम' में 42 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है.'' प्रसारक ने दावा किया कि पिछले सत्र की तुलना में 125 नए विज्ञापनदाताओं के जुड़ने से यह वृद्धि हुई है.

बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर टेस्ट में धीमी ओवर गति के लिए पाकिस्तान के डब्ल्यूटीसी अंक कटे

मीरपुर (बांग्लादेश): पाकिस्तान के खिलाड़ियों पर बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में मिली हार के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के 2025-27 चक्र में मैच फीस का 40 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उसकी टीम के आठ अंक काट दिए गए हैं. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार पाकिस्तान ने इस मैच में निर्धारित समय सीमा में आठ ओवर कम किए थे. इस तरह से पाकिस्तान अब अंक तालिका में चार अंकों के साथ आठवें स्थान पर है. वेस्टइंडीज उससे निचले पायदान पर है. आईसीसी ने बयान में कहा, ''आईसीसी की न्यूनतम ओवरों के लिए आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत निर्धारित समय में पूरे नहीं किए गए ओवर में से प्रत्येक ओवर के लिए खिलाड़ियों पर उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है.'' विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के खेल नियमों के अनुच्छेद 16.11.2 के अनुसार, प्रत्येक ओवर कम होने पर टीमों का एक चैम्पियनशिप अंक कट जाता है जिस कारण पाकिस्तान को डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में आठ महत्वपूर्ण अंक गंवाने पड़े. पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने इस जुर्माने को स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित सजा को मान लिया जिससे औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी.

खलील और तुषारा की जगह कुलदीप और ग्लीसन शामिल

नयी दिल्ली: चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने शुक्रवार को दिल्ली के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज कुलदीप यादव को खलील अहमद की जगह टीम में शामिल किया जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में नुवान तुषारा की जगह इंग्लैंड के रिचर्ड ग्लीसन को टीम में लिया. खलील और तुषारा दोनों ही चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं. आईपीएल ने एक बयान में बताया कि कुलदीप 30 लाख रुपये में सीएसके से जुड़ेंगे जबकि ग्लीसन 1.6 करोड़ रुपये में आरसीबी से जुड़ेंगे. कुलदीप ने 2021 में राजस्थान रॉयल्स के लिए अपना आईपीएल पदार्पण किया था और इस फ्रेंचाइजी के लिए तीन मैच खेले हैं. ग्लीसन ने इंग्लैंड के लिए छह टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें उन्होंने नौ विकेट लिए हैं. उन्होंने लीग के 2024 और 2025 सत्र में सीएसके और मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व किया है. उन्होंने सीएसके के लिए दो मैच और मुंबई इंडियंस के लिए एक मैच खेला.

चौथे अंपायर के लिए अपशब्द कहने पर पोलार्ड पर जुर्माना

धर्मशाला: मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर चौथे अंपायर के लिए अपशब्दों का उपयोग करने के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और उन पर उनकी लागू मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है. यह घटना मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच गुरुवार को यहां खेले गए मैच के दौरान घटी. मुंबई ने इस रोमांचक मुकाबले में छह विकेट से जीत हासिल की. आईपीएल ने शुक्रवार सुबह जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर आईपीएल की खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के लिए उनकी लागू मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है.'' इसमें कहा गया है, ''पोलार्ड को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो 'मैच के दौरान स्पष्ट रूप से अभद्र भाषा का उपयोग' से संबंधित है.

केकेआर उम्मीद जीवंत बनाए रखने उतरेगा, गुजरात टाइटंस की निगाह शीर्ष दो में जगह बनाने पर

मैच शुरू होने का समय शाम 7.30 बजे

कोलकाता: लगभग एक महीने के बाद अपने घरेलू मैदान पर वापसी करने वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम अपनी उम्मीद जीवंत रखने के लिए शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में शीर्ष दो में जगह बनाने की कवायद में लगी गुजरात टाइटंस का सामना करेगी. अनुभवी अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर ने पिछले साल की तरह इस वर्ष भी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है जिससे उन्हें फिर से कप्तान नियुक्त करने के फैसले पर सवाल उठने लग गए हैं. केकेआर को मौजूदा सत्र में अपनी पहली जीत के लिए सातवें मैच (आधे चरण) तक इंतजार करना पड़ा था. वह इस दौरान एक संतुलित टीम संयोजन तैयार करने में नाकाम रहा. केकेआर ने इसके बाद लगातार चार मैच जीते लेकिन पिछले मैच में विराट कोहली के शानदार शतक के कारण उसे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हार का सामना करना पड़ा था. केकेआर के अब तीन मैच बचे हैं और अगर वह सभी मैच जीत जाता है तो अधिकतम 15 अंक तक पहुंच पाएगा. इसके बावजूद उसकी प्लेऑफ में जगह पक्की नहीं हो पाएगी और इसके लिए उसे अगर मगर के समीकरणों से गुजरना होगा. एक और हार से उसकी आगे बढ़ने की संभावना खत्म हो जाएगी. केकेआर की लगातार चार मैचों में जीत का श्रेय काफी हद तक सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती की स्पिन जोड़ी को जाता है जबकि उपकप्तान रिंकू सिंह ने भी निरंतर योगदान दिया है. चक्रवर्ती बाएं पैर में चोट लगने के कारण आरसीबी के खिलाफ नहीं खेल पाए थे जो टीम को महंगा पड़ा. केकेआर के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने उनकी वापसी के संकेत दिए हैं जो टीम के लिए अच्छी खबर है. केकेआर की बल्लेबाजी में पूरे सत्र में निरंतरता का अभाव रहा है. उसके बल्लेबाजी क्रम को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं. पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने भी रिंकू को निचले क्रम में बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर सवाल उठाए थे. युवा खिलाड़ी अंगकृष रघुवंशी 139.44 के स्ट्राइक रेट से चार अर्धशतकों सहित 340 रन बनाकर केकेआर के कुछ सफल खिलाड़ियों में से एक रहे हैं, जबकि रिंकू ने दो अर्धशतकों के साथ 148.95 के स्ट्राइक रेट से 286 रन बनाए हैं. केकेआर के शेष घरेलू मैचों में गुजरात टाइटंस, मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इन दोनों खिलाड़ियों की भूमिका अहम होगी. इसके विपरीत शुभमन गिल की अगुवाई वाली गुजरात टाइटंस का इस सत्र में अब तक बहुत अच्छा प्रदर्शन रहा है. उसके शीर्ष पर काबिज आरसीबी के समान 16 अंक हैं लेकिन नेट रन रेट के कारण वह दूसरे स्थान पर है. गुजरात के इस शानदार प्रदर्शन का श्रेय काफी हद तक उसके गेंदबाजों को जाता है. उसकी तरफ से कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और जेसन होल्डर ने तेज गेंदबाजी विभाग अच्छी तरह से संभाला है जबकि स्टार स्पिनर राशिद खान ने मानो अपना पुराना जादू फिर से हासिल कर लिया है. बल्लेबाजी में उसके शीर्ष क्रम में गिल और साई सुदर्शन ने शानदार प्रदर्शन किया है. पिछले साल टूर्नामेंट में सर्वाधिक 759 रन बनाने वाले सुदर्शन इस बार भी अभी तक 501 रन बना चुके हैं. वह अभी तक सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर काबिज हेनरिक क्लासेन से सिर्फ सात रन पीछे हैं. उन्होंने अपनी पिछली छह पारियों में पांच अर्धशतक लगाए हैं, जिनमें एक शतक भी शामिल है. गिल भी बेहतरीन फॉर्म में नजर आ रहे हैं, वहीं वाशिंगटन सुंदर ने मध्य क्रम में अच्छी भूमिका निभाई है. गुजरात को अगर शीर्ष दो में जगह बनानी है तो उसके इन प्रमुख खिलाड़ियों को अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखना होगा. **टीम इस प्रकार हैं : (कोलकाता नाइट राइडर्स) :** अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, राहुल त्रिपाठी, फिन एलन, तेजस्वी सिंह, टिम सीफर्ट, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, कैमरन ग्रीन, सार्थक रंजन, दक्ष कामरा, रचिन रवींद्र, नवदीप सैनी, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, मथीशा पथिराना, कार्तिक त्यागी, आकाश दीप, वरुण चक्रवर्ती, प्रशांत सोलंकी. **(गुजरात टाइटंस) :** शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, अरशद खान, अशोक शर्मा, जोस बटलर, कॉनर एस्टरहुइज़न, गुरनूर बरार, जेसन होल्डर, कुलवंत खेजरोलिया, कुमार कुशाग्र, मोहम्मद सिराज, ग्लेन फिलिप्स, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, राशिद खान, साई किशोर, साई सुदर्शन, शाहरुख खान, इशांत शर्मा, निशांत सिंधु, मानव सुथार, राहुल तेवतिया, वाशिंगटन सुंदर, ल्यूक वुड, जयन्त यादव.

शास्त्री ने भविष्य में भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तानी के लिए सैमसन का समर्थन किया

दुबई: पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का कहना है कि भारत को टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले स्टार खिलाड़ी संजू सैमसन अगले दो-तीन साल में क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी के लिए एक मजबूत दावेदार होंगे. सूर्यकुमार यादव की अगुआई में भारतीय टीम ने दो महीने पहले घरेलू मैदान पर आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब जीता था जिसमें 31 वर्षीय सैमसन को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया था. शास्त्री ने कहा कि जब 2028 में अगला टी20 विश्व कप आएगा तब तक भारत को शायद सूर्यकुमार की जगह लेने के लिए किसी को ढूंढना पड़ सकता है क्योंकि उस समय मौजूदा कप्तान 37 साल के हो चुके होंगे. 'द आईसीसी रिव्यू' के अनुसार शास्त्री ने कहा, ''जब 2028 में अगला टी20 विश्व कप खेला जाएगा, तब तक भारत शायद एक नए कप्तान की तलाश में हो सकता है. यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अगले कुछ साल में सूर्यकुमार का प्रदर्शन कैसा रहता है.'' भारत के इस पूर्व आल राउंडर ने कहा, ''लेकिन संजू सैमसन ने खुद को कप्तानी की भूमिका के लिए एक मजबूत दावेदार के तौर पर पेश किया है क्योंकि उन्होंने बीते समय में राजस्थान रॉयल्स के लिए यह भूमिका निभाई है. '' सैमसन ने आईपीएल में पांच साल तक राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी की है जिसमें 2022 का सत्र भी शामिल है जिसमें टीम उपविजेता रही थी. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सैमसन अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में चल रहे हैं. 31 वर्षीय इस खिलाड़ी ने भारत के टी20 विश्व कप अभियान के दौरान लगातार तीन अर्धशतक जड़े थे. शास्त्री ने कहा, ''लेकिन इस सत्र में उसने जिस तरह का खेल दिखाया है, वह शानदार रहा हैं. विशेषकर टी20 विश्व कप में उन्होंने अकेले दम पर भारत को कई बड़े मैच क्वार्टर-फाइनल (वेस्टइंडीज, सुपर आठ), सेमीफाइनल और फाइनल जिताए. जिस तरह से उन्होंने जिम्मेदारी संभाली और जिस परिपक्वता का प्रदर्शन वह अब आईपीएल में कर रहे हैं, उसे देखते हुए मेरी नजर में वह भविष्य में कप्तानी के लिए एक बेहद मजबूत और स्पष्ट दावेदार हैं.'' शास्त्री ने यह भी कहा कि सैमसन की निरंतरता को लेकर उठने वाले सवाल अब अतीत की बात हो गए हैं. उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि सैमसन ने उन सभी सवालों पर विराम लगा दिया है. उसमें काबिलियत तो हमेशा से थी, बल्कि लोग इसलिए निराश होते थे क्योंकि वह अपनी उस काबिलियत के साथ न्याय नहीं कर पाता था.''

पंजाब के सहायक कोच हैडिन ने स्वीकार किया, दबाव से निपटने में नाकाम रही है टीम

धर्मशाला: पंजाब किंग्स के सहायक कोच ब्रैड हैडिन ने स्वीकार किया कि उनकी टीम दबाव से निपटने में नाकाम रही है और इसलिए उसे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी लगातार पांचवीं हार का सामना करना पड़ा. अपने पहले छह मैच जीत कर टूर्नामेंट का शानदार आगाज करने वाली पंजाब किंग्स की टीम को गुरुवार को यहां मुंबई इंडियंस से छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा जो उसकी लगातार पांचवीं हार है. इससे उसकी प्लेऑफ में जगह बनाने की संभावना को करारा झटका लगा है. उसे अब प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अपने बाकी बचे दोनों में जीतने होंगे. हैडिन ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''पिछले कुछ मैचों में हम दबाव से निपटने में नाकाम रहे हैं. जब हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए था तब हम ऐसा नहीं कर पाए. हम अपनी वर्तमान स्थिति से निराश हैं और यह बात किसी से छिपी नहीं है कि हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा.'' पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 200 रन बनाए. मुंबई ने तिलक वर्मा के शानदार अर्धशतक की मदद से 19.5 ओवर में लक्ष्य हासिल किया. हैडिन ने कहा, ''मुझे लगता है कि हमने जो स्कोर बनाया, वह वाकई बहुत अच्छा था. आखिरी तीन ओवरों तक हमें लगा कि मैच हमारे नियंत्रण में था. तिलक ने शानदार बल्लेबाजी की जिससे मुंबई मैच जीतने में सफल रहा.'' पंजाब की इस सत्र में गेंदबाजी अच्छी नहीं रही है लेकिन हैडिन ने अपने गेंदबाजों का बचाव किया. उन्होंने कहा, ''इस टूर्नामेंट में अविश्वसनीय बल्लेबाजी देखने को मिली है. पहले 200 रन का स्कोर अच्छा माना जाता था लेकिन अब टीम इस स्कोर को देखकर घबराती नहीं हैं. हमें अब कोई रास्ता निकालना होगा. निश्चित रूप से इस हार से हमारे ड्रेसिंग रूम में निराशा है.'' हैडिन ने कहा, ''हमने अब तक जो अच्छा प्रदर्शन किया है उससे प्रेरणा लेकर आगे की तैयारी करेंगे और देखेंगे कि हम किन चीजों में सुधार कर सकते हैं. हमें बस मैच जीतने का तरीका ढूंढना होगा. अब हमारे पास कोई विकल्प नहीं है. हमें अपने बाकी बचे दोनों मैच हर हाल में जीतने ही होंगे.''

साक्षी, लवलीना और जादुमणि ने राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में अपना कोटा पक्का किया

पटियाला: ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन, दिग्गज खिलाड़ियों को शिकस्त देने वाली साक्षी चौधरी, जादूमणि सिंह और नरेंद्र बेरवाल ने शुक्रवार को यहां चयन ट्रायल के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए अपनी जगह पक्की की. कड़ी प्रतिस्पर्धा और वजन वर्गों में फेरबदल के बीच इन मुक्केबाजों ने कोटा हासिल किया. ट्रायल के दौरान कई मुक्केबाजों ने सीमित वजन वर्गों में जगह बनाने के लिए अपना वर्ग बदला. इनके साथ विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (65 किग्रा), सुमित कुंडू (70 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा) और कपिल पोखरिया (90 किग्रा) भी ग्लासगो और जापान जाने वाली टीम में शामिल होंगे. इन सभी ने अपने-अपने फाइनल मुकाबले जीतकर स्थान सुनिश्चित किया. मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन आदित्य प्रताप सिंह (65 किग्रा) ने हालांकि केवल जुलाई-अगस्त में ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए ही क्वालीफाई किया. एशियाई खेल सितंबर-अक्टूबर में जापान के आइची-नागोया में आयोजित होंगे. दिन के सबसे चर्चित मुकाबले में दो बार की युवा विश्व चैंपियन साक्षी ने एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए मौजूदा 48 किग्रा विश्व चैंपियन मीनाक्षी हुड्डा को 5-0 से हराकर 51 किग्रा वर्ग में स्थान हासिल किया. लगातार दूसरे दिन साक्षी ने किसी विश्व चैंपियन को हराया. बृहस्पतिवार को उन्होंने दो बार की विश्व स्वर्ण पदक विजेता निकहत जरीन को मात दी थी. इस जीत के साथ साक्षी ने शानदार वापसी की कहानी पूरी की. मुक्केबाजी संघ की अब समाप्त हो चुकी मूल्यांकन प्रणाली के तहत वह एशियाई चैंपियनशिप के लिए चयनित नहीं हो सकी थीं. प्रीति पवार पहले ही एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर 54 किग्रा का कोटा हासिल कर चुकी थीं, इसलिए साक्षी ने एक वर्ग नीचे उतरने का फैसला किया और यह उनके लिए बेहद सफल साबित हुआ. मीनाक्षी को भी 48 किग्रा वर्ग छोड़कर ऊपर आना पड़ा, क्योंकि उनका मूल वर्ग इन दोनों बहु-खेल आयोजनों में शामिल नहीं है. साक्षी ने मुकाबले के बाद 'पीटीआई' से कहा, मेरा लक्ष्य किसी भी तरह कोटा हासिल करना था. मैंने अपना वजन 55 किग्रा से कम किया, जो मेरे लिए बड़ी चुनौती थी. लेकिन वजन कम करने से मेरी इच्छाशक्ति और मजबूत हुई. मेरे लिए यह करो या मरो की स्थिति थी. उन्होंने कहा, मैंने तीनों मुकाबलों में अपने खेल पर ध्यान दिया. निकहत को हराना मुश्किल नहीं था. मैंने दूरी बनाए रखी और अपने बाएं मुक्के का प्रभावी इस्तेमाल किया. मैं पहले भी 52 किग्रा में मीनाक्षी को हरा चुकी थी, इसलिए मुझे भरोसा था कि मैं फिर ऐसा कर सकती हूं. पूर्व विश्व चैंपियन लवलीना ने भारतीय महिला मुक्केबाजी में अपना दबदबा कायम रखते हुए 75 किग्रा फाइनल में सनामाचा चानू को 5-0 से हराया. आक्रामक अंदाज के लिए मशहूर जादूमणि ने 55 किग्रा फाइनल में निखिल को 5-0 से शिकस्त दी. परवीन को हालांकि कड़ी मेहनत करनी पड़ी. प्रिया घंघास के मंगोलिया में एशियाई चैंपियनशिप जीतकर 60 किग्रा का कोटा हासिल करने के बाद परवीन को 65 किग्रा वर्ग में जाना पड़ा, जहां उन्होंने हरियाणा की मुक्केबाज स्नेह को 3-2 से हराया. वजन वर्ग बदलने का फायदा उठाने वालों में सुमित भी शामिल रहे. 75 किग्रा से नीचे उतरकर उन्होंने दीपक को हराते हुए 70 किग्रा का कोटा हासिल किया. उन्होंने इससे पहले बृहस्पतिवार को विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता हितेश गुलिया को सेमीफाइनल में हराया था. युवा मुक्केबाज अंकुश ने 80 किग्रा मुकाबले में सेना के अपने साथी मालसावमतलुआंगा को हराकर पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई किया. पिछले एशियाई खेलों में भारत के एकमात्र पुरुष पदक विजेता नरेंद्र ने 90 किग्रा से अधिक भार वर्ग के फाइनल में सावन को हराकर अपने अनुभव का शानदार प्रदर्शन किया. सचिन सिवाच (60 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा) और प्रिया घंघास (60 किग्रा) पहले ही एशियाई चैंपियनशिप के प्रदर्शन के आधार पर दोनों प्रतियोगिताओं के लिए क्वालीफाई कर चुके थे. वहीं मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मिन लम्बोरिया (57 किग्रा) और अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) ने केवल राष्ट्रमंडल खेलों के लिए जगह बनाई. इस ट्रायल का आयोजन प्रशासनिक विवादों के बीच हुआ. भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा भारतीय मुक्केबाजी महासंघ की विवादास्पद मूल्यांकन-आधारित चयन प्रक्रिया को बीच में ही निलंबित किए जाने के बाद महासंघ को पारंपरिक ट्रायल प्रणाली अपनानी पड़ी. टीम : महिला: साक्षी चौधरी (51 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), जैस्मिन लम्बोरिया (57 किग्रा, केवल राष्ट्रमंडल खेल), प्रिया घंघास (60 किग्रा), परवीन हुड्डा (65 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा, केवल राष्ट्रमंडल खेल), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा). पुरुष: जादूमणि सिंह (55 किग्रा), सचिन सिवाच (60 किग्रा), आदित्य प्रताप सिंह (65 किग्रा, केवल राष्ट्रमंडल खेल), सुमित कुंडू (70 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा), कपिल पोखरिया (90 किग्रा), नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा से अधिक).

अगर मुझे अपनी काबिलियत और अहमियत साबित करनी पड़े, तो वह जगह मेरे लिए नहीं है : कोहली

नयी दिल्ली: विराट कोहली को अब भी क्रिकेट से इतना लगाव है कि वह अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, लेकिन इसके साथ ही भारत के इस स्टार बल्लेबाज ने स्पष्ट किया कि अगर किसी विशेष 'माहौल' में उनकी योग्यता पर लगातार सवाल उठाए जाते हैं, तो उन्हें यह स्वीकार करने में कोई हिचकिचाहट नहीं होगी कि वह 'जगह' उनके लिए नहीं बनी है.इस 37 वर्षीय सुपरस्टार ने अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पॉडकास्ट पर कहा कि उन्हें अपने महत्व को लेकर किए जा रहे आकलन में लगातार बदलाव से नफरत है. कोहली ने कहा, ''मैं हमेशा तैयार रहता हूं क्योंकि यही मेरी रोजमर्रा की जिंदगी है. मैं कसरत करता हूं, हम घर पर अच्छा खाना खाते हैं. मुझे इस तरह जीना पसंद है. यह केवल क्रिकेट खेलने तक सीमित नहीं है. मेरा कहने का मतलब है कि 2027 के विश्व कप को लेकर होने वाली बातें और बाकी सब. मुझे कई बार पूछा गया है कि क्या आप 2027 में खेलना चाहते हैं.'' उन्होंने कहा, ''मुझे इसका जवाब पता है और अगर मैं खेल रहा हूं तो फिर मैं क्रिकेट खेलना चाहता हूं. मैं खेलना जारी रखना चाहता हूं. भारत के लिए विश्व कप खेलना शानदार है.'' कोहली ने कहा, ''मेरा नजरिया बिल्कुल स्पष्ट है. मैं जिस माहौल का हिस्सा हूं उसमें कुछ योगदान दे सकता हूं और टीम को भी लगता है कि मैं योगदान दे सकता हूं, तो मैं खेलता रहूंगा. अगर मुझे अपनी काबिलियत और अहमियत साबित करने की जरूरत महसूस कराई जाती है तो मैं उस माहौल में नहीं रह सकता.'' कोहली 2024 में टी20 अंतरराष्ट्रीय और 2025 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अब केवल वनडे में खेलते हैं. पिछले कुछ वर्षों से बहुत कम वनडे मैच खेले जा रहे हैं जिससे कोहली कम अवसरों पर ही भारत का प्रतिनिधित्व कर पा रहे हैं. भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कोहली और एक अन्य स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा के टीम का हिस्सा बनने की उनकी इच्छा के बावजूद उनके भविष्य को लेकर कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं की है. कोहली ने कहा कि जब तक टीम को उनकी जरूरत होगी, वह टीम के साथ बने रहेंगे. उन्होंने कहा, ''मैं अपनी तैयारियों के प्रति ईमानदार हूं, मैं खेल के प्रति अपने दृष्टिकोण के प्रति ईमानदार हूं. मैं पूरी लगन से मेहनत करता हूं. जब मैं खेलने के लिए जाता हूं तो मैं दूसरों से कम नहीं बल्कि उनसे भी ज्यादा मेहनत करता हूं और सही तरीके से खेलता हूं.'' कोहली ने खेल के प्रति अपने दृष्टिकोण के बारे में कहा कि वह हमेशा कड़ी मेहनत के लिए तैयार रहते हैं. उन्होंने कहा, ''मैं इसी तरह से तैयारी करता हूं. मैं 50 ओवर तक फील्डिंग करने के लिए तैयार हूं. इस तरह से खेलने के बाद भी अगर मुझे अपनी काबिलियत और अहमियत साबित करनी पड़े, तो वह जगह मेरे लिए नहीं है.'' कोहली ने 2025-26 सत्र के दौरान दो दशकों के बाद विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने का उदाहरण दिया. उन्होंने दिल्ली के लिए दो मैच खेले और उनमें से एक में शतक लगाने के साथ-साथ लिस्ट ए में सबसे कम पारियों में 16,000 रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बने. उन्होंने कहा, ''मैं तब स्पष्ट सोच के साथ वहां गया था कि मुझे वहां किसी को कुछ साबित नहीं करना है. मैं वहां खेलने गया क्योंकि मुझे खेल खेलना पसंद है.'' कोहली ने कहा, ''मैं इसलिए खेलना चाहता हूं क्योंकि मुझे खेल से प्यार है. मुझे बल्लेबाजी करने में बहुत मजा आने लगा. मुझे फिर से एक बच्चे जैसा महसूस हुआ. मुझे लगा कि यह किसी और को लेकर नहीं बल्कि यह केवल मेरे और खेल के बारे में है.'' सर्वकालिक महान वनडे बल्लेबाजों में गिने जाने वाले कोहली ने इस प्रारूप में 311 मैचों में 58.71 के औसत से 14,797 रन बनाए हैं. उन्होंने अपने वनडे करियर में 54 शतक और 77 अर्धशतक जड़े हैं और दबाव में शानदार प्रदर्शन करने की क्षमता के कारण उन्हें 'चेज मास्टर' (लक्ष्य का पीछा करने में माहिर) का उपनाम मिला है. कोहली ने कहा कि उन्हें खेलने में आनंद आता है, लेकिन ऐसे माहौल में नहीं जहां चयन के बाद सवाल उठाए जाते हैं. उन्होंने कहा, ''जिस क्षण मुझे लगता है कि लोग मेरे लिए मामले को जटिल बनाने की कोशिश कर रहे हैं तथा 'यह और वह' जैसी बातें कर रहे हैं, तो या तो वे स्पष्ट, ईमानदार और खुलकर बात करें या चुप रहें और मुझे अपना काम करने दें.'' कोहली ने कहा, ''अगर पहले लोग यह कहते हैं कि हमें आपकी क्षमता पर विश्वास है और एक सप्ताह बाद वह सवाल उठाने लगते हैं तो वह मुझे पहले दिन ही बता दे कि मैं अच्छा नहीं कर रहा हूं और मेरी जरूरत नहीं है.'' उन्होंने कहा, ''लेकिन अगर आप कहते हैं कि मैं अच्छा हूं और आप इसके अलावा कुछ नहीं सोच रहे हैं तो चुप रहें. अगर आप परिणाम के आधार पर अपनी सोच बदलते हैं तो फिर आपके रवैये में कभी निरंतरता नहीं रहेगी.''

थाईलैंड ओपन 2026: सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में पहुंचे, पीवी सिंधु बाहर

बैंकॉक: भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है. वहीं दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा. शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी सात्विक-चिराग ने जापान की छठी वरीयता प्राप्त ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी की जोड़ी को एकतरफा मुकाबले में 21-12, 21-13 से हराया. यह वर्ष 2026 में किसी भी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर प्रतियोगिता में भारतीय जोड़ी का पहला सेमीफाइनल है. मुकाबला 41 मिनट तक चला. दोनों जोड़ियों के बीच यह पहला मुकाबला था, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा. पहले गेम में सात्विक-चिराग ने लगातार 10 अंक लेकर 10-0 की बढ़त बना ली थी. जापानी जोड़ी ने वापसी की कोशिश जरूर की, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने उन्हें ज्यादा मौके नहीं दिए. दूसरे गेम में जापानी जोड़ी ने बेहतर खेल दिखाया, लेकिन सात्विक और चिराग ने अपनी बढ़त कायम रखते हुए आसानी से मुकाबला अपने नाम कर लिया. अब सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी का सामना मलेशिया की गोह स्जे फेई और नूर इज्जुद्दीन की तीसरी वरीय जोड़ी या स्कॉटलैंड के क्रिस्टोफर और मैथ्यू ग्रिमले से होगा. वहीं महिला एकल में पीवी सिंधु का सफर क्वार्टरफाइनल में समाप्त हो गया. जापान की शीर्ष वरीय और विश्व नंबर-3 अकाने यामागुची ने सिंधु को 19-21, 21-18, 21-15 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया. पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली. स्कोर 19-19 की बराबरी पर था, लेकिन सिंधु ने लगातार दो अंक जीतकर पहला गेम अपने नाम कर लिया. दूसरे गेम में सिंधु ने मिड-गेम ब्रेक तक चार अंकों की बढ़त बना रखी थी, लेकिन इसके बाद लगातार गलतियों के कारण यामागुची ने लगातार सात अंक हासिल कर मुकाबले में वापसी कर ली. निर्णायक गेम में जापानी खिलाड़ी ने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और 61 मिनट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया. अब भारतीय प्रशंसकों की नजरें लक्ष्य सेन पर होंगी, जो क्वार्टरफाइनल में मौजूदा चैंपियन और मेजबान खिलाड़ी कुनलावुत वितिदसर्न से भिड़ेंगे.

न्यूज कॉर्नर

कुएं की मुंडेर मरम्मत करते रस्सा व बल्लियां टूटी, दो श्रमिकों की मौत

अजमेर: राजस्थान के अजमेर जिले के डांग गांव में शुक्रवार को कुएं की मुंडेर मरम्मत करते हुए रस्सा व बल्लियां टूटने से दो श्रमिकों की मौत हो गई. घटना की सूचना मिलने पर ग्रामीण, पुलिस और सिविल डिफेंस की टीमों ने करीब तीन घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला कर कड़ी मशक्कत के बाद दोनों श्रमिकों के शवों को बाहर निकाला. उप खण्ड अधिकारी नीतू मीणा, तहसीलदार प्रेम सुख वैष्णव, पुलिस उपाधीक्षक किशनगढ़ ग्रामीण आयुष वशिष्ठ, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी के पुत्र भाजपा नेता सुभाष चौधरी सहित अनेक लोग मौके पर पहुंच गए. तहसीलदार के अनुसार कुएं का बंधाव करते समय रस्सा और बल्लियां अचानक टूट गईं, जिससे कार्य कर रहे व्यक्ति कुएं में गिर गए. हादसे में तेजू बैरवा पुत्र भंवर बैरवा (50) तथा अशोक पुत्र नंदलाल जाट (25) के कुएं में गिरने की प्रारंभिक सूचना मिली. मौके पर स्वयं ग्रामीणों द्वारा तुरंत ही रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जिसमें पम्प सेट लगाकर कुएं का पानी निकालने का कार्य किया. किन्तु सफलता नहीं मिली तो एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया. टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद हादसे के शिकार तेजू बैरवा और अशोक जाट के शव कुएं से बाहर निकाले गए जिन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. दोनों श्रमिक थे और डांग गांव के ही निवासी थे. हादसे के बाद गांव में शोक व्याप्त हो गया. थाना पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी गांव में गमगीन माहौल पर जो यथोचित मदद हो सकती है परिवारजन को पहुंचाई जा रही है.

बड़ीसादड़ी इलाके में पकड़ा मादक पदार्थ, कार से 195 किलो डोडा चूरा बरामद

चित्तौड़गढ़: मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो कोटा ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए सरथना गांव से सोमपुर गांव को जोड़ने वाली अंदरूनी सड़क पर मारुति स्विफ्ट कार से 195.290 किलो अवैध डोडा चूरा बरामद किया है. मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है. नारकोटिक्स कोटा की टीम अब इस मामले की जांच में जुटी है कि मादक पदार्थ कहां से एकत्रित कर कहां ले जाया जा रहा था. उप नारकोटिक्स आयुक्त कोटा नरेश बुंदेल ने बताया कि ब्यूरो को विशिष्ट खुफिया सूचना मिली थी कि सोमपुर गांव का एक निवासी राजस्थान रजिस्ट्रेशन नंबर कार में अवैध डोडा चूरा परिवहन कर रहा है. डोडा चूरा से भरी कार सरथला से सोमपुर जाने वाली अंदरूनी सड़क से गुजरेगी. सूचना पर ब्यूरो कोटा की टीम गठित कर मौके पर भेजी गई और संदिग्ध रास्ते पर कड़ी निगरानी रखी गई. मुखबिर की ओर से दी गई सूचना के अनुसार वाहन की पहचान होते ही ब्यूरो अधिकारियों ने सारथला-सोमपुर रोड पर कार को व्यक्ति सहित रोक लिया. पूछताछ में चालक ने कार में डोडा चूरा होना स्वीकार किया. सुरक्षा कारणों से गांव की सड़क पर तलाशी संभव नहीं होने पर वाहन को ब्यूरो चित्तौड़गढ़ कार्यालय लाया गया. उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि कार्यालय में कार की तलाशी के दौरान अवैध डोडा चूरा से भरे कुल 11 बैग बरामद हुए, जिनका वजन 195.290 किलोग्राम था. कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर बरामद डोडाचूरा और स्विफ्ट कार को जब्त कर लिया गया. आरोपित को एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत गिरफ्तार किया है. प्रकरण में आगे की जांच जारी है.

रोडवेज बस की टक्कर से नेपाली मजदूर की मौत

जींद: उचाना खंड के गांव छात्तर के निकट गुरूवार को रोडवेज बस की चपेट में आने से नेपाली मजदूर की मौत हो गई. घटना की सूचना मिलने पर उचाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में ले नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवाया. पुलिस ने ने मृतक मजदूर के चाचा की शिकायत पर फरार बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है. गांव दांग जिला तुलसीपुर नेपाल निवासी बैगम थापा गांव छात्तर के निकट जेडी फीड में मजदूरी करता था. गुरूवार शाम को बैगम थापा राशन लेने के लिए पैदल गांव छात्तर जा रहा था. उसी दौरान गांव थुआ की तरफ से आ रही तेज रफ्तार रोडवेज बस ने उसे टक्कर मार दी. जिसमें बैगम थापा गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना को अंजाम देकर चालक बस समेत मौके से फरार हो गया. राहगीरों ने उसे उचाना नागरिक अस्पताल पहुंचाया. जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. घटना की सूचना पाकर उचाना थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया. मृतक के चाचा चंद्र थापा ने पुलिस को बताया कि उसकी भतीजा बैगम उसके साथ मिल में चौकीदारी करता था. देर शाम को वह राशन लेने के लिए गांव जा रहा था. उसी दौरान तेज रफ्तार रोडवेज बस ने उसे टक्कर मार दी. जिसमें उसके भतीजे बैगम की मौत हो गई. उचाना थाना पुलिस ने मृतक के चाचा की शिकायत पर फरार रोडवेज बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

युवक की हत्या के दोषी को उम्रकैद की सजा

जींद: जींद में सैशन जज पूनम सुनेजा की अदालत ने नरवाना की इंदिरा कालोनी में चाकू मारकर एक युवक की हत्या करने के दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई है. अदालत ने दोषी पर 32 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है.अभियोजन पक्ष के अनुसार नरवाना स्थित इंदिरा कालोनी निवासी सतपाल व उसके पड़ोसी अनिल के बीच बच्चों को खेलने को लेकर कहासुनी हो गई थी. जिस पर अनिल ने चाकू से सतपाल के बेटे रिंकू पर हमला कर दिया. जिसमें रिंकू गंभीर रूप से घायल हो गया. उसे उपचार के लिए नागरिक अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. नरवाना शहर थाना पुलिस ने 16 मई 2022 को अनिल के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर अनिल को गिरफ्तार कर लिया था. तभी से मामला अदालत में विचाराधीन था. शुक्रवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश पूनम सुनेजा की अदालत ने अनिल को दोषी करार देते हुए उम्र कैद की सजा सुनाई है. इसके अलावा अदालत ने अनिल को 32 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है. पुलिस प्रवक्ता राजेश कुमार ने कहा कि जींद पुलिस ने आमजन से अपील की है कि आपसी विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाएं तथा कानून अपने हाथ में लेने से बचें.

निर्माणाधीन गोदाम की दीवार गिरने से महिला की मौत, चार घायल

सिरसा: हरियाणा के साथ सटे पंजाब क्षेत्र में निर्माणाधीन टाइल्स गोदाम में शुक्रवार को दीवार गिरने से एक महिला मजदूर की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गई. घायलों को उपचार के लिए डबवाली के नागरिक अस्पताल में लगाया गया, जहां उपचार के दौरान महिला सुनीता की मौत हो गई. बताया जा रहा है कि कुछ महिलाएं मालवा बाइपास स्थित टाइलों के गोदाम में मजदूरी कर रही थीं. यहां साथ लगते प्लाट की दीवार हटाने के बाद एक अन्य दीवार पर काम चल रहा था. इसी दौरान पुरानी दीवार का लेंटर तोड़ने का कार्य भी किया जा रहा था. अचानक लेंटर का मलबा दीवार पर गिर गया, जिससे दीवार ढह गई. दीवार गिरने से वहां काम कर रही महिलाएं उसके नीचे दब गईं. सभी को उपचार के लिए डबवाली के नागरिक अस्पताल में लाया गया जहां, उपचार के दौरान नरसिंह कॉलोनी निवासी सुनीता नामक महिला की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल महिलाओं को उपचार किया जा रहा है.

सोनीपत में कैंटर की टक्कर से छात्रा की मौत

सोनीपत: सोनीपत में सड़क हादसे में एक कॉलेज छात्रा की शुक्रवार को मौत हो गई. हादसा उस समय हुआ जब छात्रा कॉलेज से घर लौट रही थी और सड़क किनारे पैदल चल रही थी. तेज रफ्तार कैंटर चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए छात्रा को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई. परिजन घायल छात्रा को तुरंत नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है. पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर शुक्रवार को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस को दी शिकायत में बताया गया कि मृतका गांवकमासपुर की रहने वाली थी और मुरथल स्थित छोटूराम कॉलेज में पढ़ाई करती थी. वह अपने कॉलेज से वापस गांव लौट रही थी. कमासपुर पुल के पास वह अपने ताऊ से मिली, जिसके बाद दोनों पैदल गांव की ओर चल पड़े. जब दोनों फौजी टेंट हाउस के पास पहुंचे, तभी पीछे से तेज रफ्तार कैंटर आया. चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए सड़क किनारे कच्चे रास्ते पर चल रही छात्रा को टक्कर मार दी. टक्कर लगते ही छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई और मौके पर अफरा-तफरी मच गई. राहगीरों की मदद से घायल छात्रा को तुरंत सरकारी अस्पताल सोनीपत पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया.पुलिस ने शिकायत और चिकित्सकीय रिपोर्ट के आधार पर मामलादर्ज किया गया है.

प्रदेश के पहले सेमीकंडक्टर क्लस्टर का मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया उद्घाटन

जयपुर: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए हर क्षेत्र में प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है. गत दो वर्षों से अधिक समय में 35 नीतियों को लागू कर राज्य सरकार ने अनुकूल औद्योगिक वातावरण का निर्माण किया है, जो कि विकसित भारत-विकसित राजस्थान/2047 की ओर महत्वपूर्ण कदम है. उन्होंने कहा कि राजस्थान को ऊर्जा क्षेत्र में सिरमौर बनाने के क्रम में पवन और सौर ऊर्जा सहित अक्षय ऊर्जा की दिशा में भी तेजी से कार्य किया जा रहा है.मुख्यमंत्री शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीसी के माध्यम से भिवाड़ी में एल्सीना इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स, 34 एमएलडी एसटीपी एवं खैरथल-तिजारा जिले के विभिन्न विकास कार्यों सहित अन्य परियोजनाओं के शिलान्यास-लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे.

उन्होंने कहा कि प्रदेश को रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) द्वारा हरियाणा के रास्ते दिल्ली से जोड़ने की परियोजना पर कार्य किया जा रहा है. वहीं, यमुना जल समझौते के तीव्र क्रियान्वयन के साथ ही, सरकार अलवर के निकट बांदीकुई में एक बड़े इण्डस्ट्रीयल एरिया की स्थापना भी करने जा रही है. उन्होंने भिवाड़ी में सेमीकंडक्टर क्लस्टर का जिक्र करते हुए इसे महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया.

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने ग्राम और वार्ड के सुनियोजित विकास के लिए विकसित ग्राम-वार्ड अभियान की दूरगामी पहल की है. इसके अन्तर्गत राज्य सरकार सांस्कृतिक विरासत, पर्यावरण और आवश्यकताओं को समाहित करते हुए गांवों के विकास का ब्लू प्रिंट तैयार कर रही है. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने ग्रामीण युवाओं की सुविधाओं के दृष्टिगत पंचायत स्तर पर अटल ज्ञान केन्द्र खोलने का अहम निर्णय भी किया है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि जन आंकाक्षाओं के अनुरूप राज्य सरकार ने बिजली-पानी की आवश्यकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है. इसी क्रम में,

रामजल सेतु लिंक परियोजना, आईजीएनपी एवं गंगनहर का सुदृढ़ीकरण, माही, देवास एवं सोम-कमला-अंबा परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है. वहीं, 24 जिलों में किसानों को दिन के समय में बिजली आपूर्ति की जा रही है. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 4 लाख भर्तियों को संकल्प को पूरा करने की दिशा में सवा लाख से अधिक युवाओं को नौकरी देने के साथ ही, सवा लाख पदों के लिए भर्ती कैलेंडर जारी किया है. वहीं, 1 लाख 35 हजार से अधिक नियुक्तियां प्रक्रियाधीन हैं.

इस अवसर पर केन्द्रीय रेल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सेमीकंडक्टर्स एक महत्वपूर्ण इंडस्ट्री है. आज भारत में 12 सेमीकंडक्टर प्लांट हो गये हैं और विभिन्न उपकरणों की चिप्स का निर्माण हो रहा है. राजस्थान का नाम भी इस इंडस्ट्री से जुड़ गया है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इलेक्ट्रोनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में देश ने गत 12 वर्षों में बड़ी छलांग लगाई है. आज भारत में 6 गुना वृद्धि के साथ इलेक्ट्रोनिक्स मैन्युफैक्चरिंग 13 लाख करोड़ रूपये पहुंच गई है. वहीं, मोबाईल भारत से निर्यात होने वाली पहली नम्बर की कमोडिटी बन गई है.

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रोनिक्स कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम के अन्तर्गत 75 प्रोजेक्ट स्वीकृत किए गए हैं. उन्होंने कहा कि भिवाड़ी के इलेक्ट्रोनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर में 1 हजार 200 करोड़ रूपये का इन्वेस्टमेंट है. इससे लगभग 2 हजार 500 लोगों को रोजगार मिलेगा. प्लांट से हर साल 6 करोड़ चिप्स की मैन्युफैक्चरिंग होगी. उन्होंने कहा कि अमृत योजना के अन्तर्गत पूरे राजस्थान में 85 रेलवे स्टेशनों का निर्माण किया जा रहा है. जिनमें से 15 रेलवे स्टेशनों का निर्माण पूरा हो चुका है. इसी प्रकार, अलवर का भव्य रेलवे स्टेशन आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा.

केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि भिवाड़ी में 61 करोड़ रूपये के 34 एमएलडी के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण किया गया है. वहीं, 52 करोड़ रूपये से अधिक की लागत के 34 एमएलडी एसटीपी ट्रीटेड वाटर लाइन का शिलान्यास किया गया है. यह जल भराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए महत्वपूर्ण कदम है. उन्होंने कहा कि देश के नक्शे पर भिवाड़ी को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए हम संकल्पित हैं. भिवाड़ी को ऑटोमोबाईल के साथ-साथ सेमीकंडक्टर्स और इलेक्ट्रोनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा. उन्होंने आरआरटीएस और यमुना जल समझौते की तीव्र प्रगति के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया.

बेटी को परेशान करने से रोका तो युवक ने कर दी पिता की हत्या

फरीदाबाद: अपनी बेटी को परेशान करने वाले युवक का विरोध करने का खमियाजा पिता को अपनी जान देकर चुकाना पड़ा. आरोपी ने लडक़ी के पिता की गला दबाकर हत्या कर शव को जंगल में फेंक दिया. पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी युवक को गिरफ्तार कर शव को बरामद कर लिया और पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के हवाले कर दिया. मृतक की पहचान मुकेश कुमार (50) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से मेरठ के रहने वाले थे. वह फरीदाबाद के सारन चौपाल स्थित ठाकुर मोहल्ला में अपने परिवार के साथ किराए के मकान में रहते थे. परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा हैं. मुकेश एक निजी कंपनी में मजदूरी का काम करते थे और अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे. मृतक के भतीजे रवि ने बताया कि उनके घर के पास ही करण नाम का युवक अपने परिवार के साथ किराए पर रहता है. जो उनकी बहन को काफी समय से परेशान कर रहा था. वह जबरन रास्ते में रोककर उससे बात करने की कोशिश करता और उसका पीछा करता था. कई बार परिवार और मोहल्ले के लोगों ने उसे समझाया, लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया. बताया गया है कि गुरुवार को भी करण घर के बाहर आकर हंगामा कर रहा था. इस दौरान पड़ोसियों और मुकेश ने उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन वह गाली-गलौज करने लगा और झगड़ा करने लगा. कहासुनी के दौरान धक्का-मुक्की भी हुई, जिसके बाद करण वहां से चला गया. देर शाम करण फिर से आया और मुकेश को बातचीत करने के बहाने अपने साथ ले गया. इसके बाद मुकेश वापस घर नहीं लौटे. देर रात तक जब उनका कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की. पड़ोसियों ने बताया कि उन्हें आखिरी बार करण के साथ जाते हुए देखा गया था. जब परिजन करण के घर पहुंचे और उससे सख्ती से पूछताछ की तो उसने मुकेश की हत्या करने की बात कबूल कर ली. आरोपी ने बताया कि उसने गला दबाकर हत्या की और शव को जंगल में फेंक दिया. इसके बाद परिजन आरोपी को पकडक़र सीधे सारन थाने ले गए और पुलिस के हवाले कर दिया. पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर देर रात नंगला से नेकपुर जाने वाले रास्ते पर पडऩे वाले जंगल में तलाश की, जहां से मुकेश का शव बरामद किया गया. पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह के अनुसार मृतक के भतीजे रवि की शिकायत पर आरोपी करण के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है.

गुरु गोबिंद सिंह ने दुनिया को दिया अमर संदेश: सीएम

सिरसा: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कहा कि गुरु गोबिंद सिंह ने दुनिया को अमर संदेश दिया और उनकी पवित्र वाणी आज भी समाज का मार्गदर्शन कर रही है. हरियाणा सरकार उन्हीं की शिक्षाओं पर अमल करते हुए समाज व राष्ट्र की बेहतरी के लिए काम कर रही है. मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ के लिए चलाई गई यह विशेष ट्रेन पूरे देश को गुरुओं की शिक्षाओं से जोडऩे का काम करेगी.

मुख्यमंत्री शुक्रवार को सिरसा के रेलवे स्टेशन पर तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ के लिए तीर्थ यात्रा ट्रेन को हरी झंडी दिखाने से पूर्व उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे.

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह तीर्थ यात्रा गुरु के प्रति समर्पण का प्रतीक है. उन्होंने यात्रा के लिए श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सिरसा गुरुओं की नगरी है और 1706 में गुरु गोबिंद सिंह तलवंडी से दक्षिण के लिए चलते हुए सिरसा के पवित्र भूमि पर कुछ समय के लिए रूके थे, जिसकी याद गुरुद्वारा चिल्ला साहिब दिलाता है.

उन्होंने कहा कि नांदेड़ साहिब वह पवित्र भूमि है जहां गुरु गोबिंद सिंह ज्योति-ज्योति समा गए और यहीं से गुरु गोबिंद सिंह ने पूरी दुनिया को अमर संदेश दिया. मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह की पवित्र वाणी आज भी समाज का मार्गदर्शन कर रही है. इस तरह की तीर्थ यात्राओं से श्रद्धालु नई ऊर्जा लेकर लौटता है. उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार महापुरुषों द्वारा दिए गए संदेशों को अपनाते हुए समाज कल्याण के लिए कदम उठा रही है.

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार गुरुओं के दिखाए गए रास्ते का अनुसरण करते हुए कदम बढ़ा रही है. प्रदेश में गुरुओं के नाम पर न केवल कई शिक्षण संस्थाओं के नाम रखे, बल्कि कई मार्गों का नामकरण भी किया गया ताकि आने वाली पीढ़ी गुरुओं के पवित्र संदेशों व वाणी का अनुसरण कर सके और उन्हें नई ऊर्जा व मार्गदर्शन मिले.मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान खुशहाल हो, युवा आगे बढ़े, प्रदेश भाईचारे के साथ तरक्की करे यही मनोकामना लेकर वे इस तीर्थ यात्रा को झंडी दिखाने आए हैं. इस अवसर पर पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल, हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान जगदीश सिंह झींडा, सदस्य बलजीत सिंह दादूवाल, पूर्व चेयरमैन जगदीश चोपड़ा, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग भी उपस्थित थे.

जयपुर बनेगा देश का बड़ा बिजनेस नेटवर्किंग हब: जुटेंगे देश-विदेश के उद्योगपति और स्टार्टअप लीडर

जयपुर: जयपुर अब देश के प्रमुख बिज़नेस नेटवर्किंग केंद्रों में अपनी मजबूत पहचान बनाने जा रहा है. एंटरप्रेन्योरशिप और बिज़नेस कोलेबोरेशन के क्षेत्र में राजस्थान की बढ़ती भूमिका के बीच जयपुर को बीएनआई इंडिया की प्रतिष्ठित इंडिया नेशनल कॉन्फ्रेंस-2026 (आईएनसी-2026) की मेजबानी मिली है. यह आयोजन 16 और 17 मई 2026 को नोवोटेल जयपुर कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होगा. कॉन्फ्रेंस की घोषणा बीएनआई इंडिया के नेशनल डायरेक्टर हेमू सुवामा ने जयपुर में की. इस अवसर पर संतोष राधाकृष्णन, रीति के. श्रॉफ, अक्षय गोयल सहित देशभर के वरिष्ठ बीएनआई पदाधिकारी मौजूद रहे.

नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का बड़ा बयान: किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा

बांसवाड़ा: केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि इस प्रकरण में शामिल कोई भी आरोपित, चाहे वह कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून की पकड़ से बच नहीं सकेगा. शुक्रवार को बांसवाड़ा दौरे के दौरान उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां इस मामले की गहराई से पड़ताल कर रही हैं और सभी दोषियों को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा.पेपर लीक के मुद्दे पर पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को घेरते हुए शेखावत ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के शासनकाल में पेपर लीक की घटनाएं एक 'पर्व' की तरह आम हो गई थीं. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि कोविड काल में भी सरकार ने

भेदभाव रहित काम किया और सबसे पहले फ्रंटलाइन वर्कर्स को वैक्सीन सुरक्षा कवच प्रदान किया. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यदि यही स्थिति कांग्रेस के समय होती, तो आम जनता से पहले उनके बड़े नेताओं को प्राथमिकता दी जाती.

ईंधन की बढ़ती कीमतों और महंगाई के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने भारत की तुलना वैश्विक बाजार से की. उन्होंने दावा किया कि आज दुनिया के कई देशों के मुकाबले भारत में महंगाई दर और पेट्रोल-डीजल की कीमतें काफी नियंत्रण में हैं. शेखावत ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री की दूरदर्शी नीतियों के कारण ही वैश्विक आर्थिक दबाव के बावजूद देश के आम नागरिकों को राहत मिल रही है.

पूर्व सीएम गहलोत ने पेट्रोल-डीजल महंगाई और नीट पेपर लीक पर उठाए गंभीर सवाल

जयपुर: पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को जयपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुए केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों, बढ़ती महंगाई और लगातार हो रहे नीट परीक्षा पेपर लीक मामलों पर तीखा प्रहार किया. गहलोत ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को गरीब और मध्यम वर्ग पर सीधा बोझ बताते हुए केंद्र की नीतियों को जनविरोधी करार दिया.

पेट्रोल-डीजल कीमतों पर प्रतिक्रिया देते हुए गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी ने पहले ही चेतावनी दी थी कि चुनाव समाप्त होते ही ईंधन की कीमतें बढ़ेंगी, और वही हुआ. उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस शासनकाल में कच्चे तेल की कीमतें 115 से 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंची थीं, तब भी जनता पर इतना भार नहीं डाला गया था. इसके विपरीत, मोदी सरकार को लंबे समय तक सस्ते क्रूड ऑयल का लाभ मिलने के बावजूद

जनता को राहत नहीं दी गई.गहलोत ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने एक्साइज ड्यूटी संरचना में बदलाव कर राज्यों के हिस्से को सीमित किया और अतिरिक्त व विशेष एक्साइज ड्यूटी लगाकर राजस्व का बड़ा हिस्सा अपने पास रखा. उन्होंने कहा कि सरकार चाहती तो तेल कीमतों में राहत देकर जनता को लाभ पहुंचा सकती थी, लेकिन उसकी सोच गरीब और मध्यम वर्ग विरोधी रही है.

नीट परीक्षा में लगातार हो रहे पेपर लीक मामलों पर गहलोत ने केंद्र सरकार और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि 2024, 2025 और अब 2026 तक लगातार पेपर लीक की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे करोड़ों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है. उन्होंने मांग की कि इन सभी मामलों की व्यापक जांच सीबीआई से कराई जाए और यदि एजेंसी निष्पक्ष परीक्षा आयोजित नहीं कर पा रही है, तो एनटीए को भंग कर परीक्षा संचालन का अधिकार पुनः राज्यों को सौंपा जाना चाहिए.गहलोत ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार सुशासन की बजाय धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति में अधिक रुचि रखती है.उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था जैसे मुद्दों पर गंभीरता से काम करने के बजाय सरकार धर्म आधारित राजनीति कर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रही है.

सुडोकू-48

		3	9				2	
8		1	4		3	9		7
	7		5				8	6
7						4		
	4						9	
		2						8
6	8				9		4	
3		7	2		1	8		5
	1				5	7		

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें.
उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -47 का उत्तर

9	1	5	3	7	4	2	6	8
8	6	3	2	5	9	1	7	4
2	7	4	6	8	1	5	9	3
1	3	8	5	6	2	9	4	7
7	5	9	4	1	3	6	8	2
6	4	2	7	9	8	3	5	1
3	8	6	9	2	7	4	1	5
4	9	7	1	3	5	8	2	6
5	2	1	8	4	6	7	3	9

युवा शक्ति माथापच्ची- 69

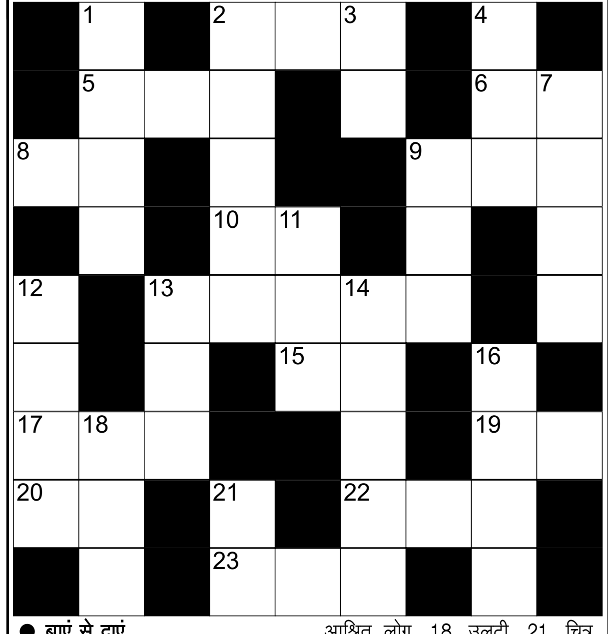

● बाएं से दाएं

2. इच्छा, 5. मानने योग्य, 6. केसर, हल्दी, 8. चाचा, कौवा, मोर की बोली, 9. झांसा, 10. समूह, सेना, 13. हर लेना, छिनना, 15. थोडा, तनिक, अल्प, 17. प्रबंध, इंतजाम, 19. शत्रु, 20. मृत्युदेव, 22. जुडवां बच्चे, अश्विनी कुमार, 23. उत्तपन्न करने वाला, ईश्वर,

● उपर से नीचे

1. रद्य, 2. किए गए काम, 3. कीर्ति, दिया हुआ धन, 4. आंख का परदा, 7. समाज से संबंधित, 9. पैर, क्रम, 11. गंध, 12. फिजूलखर्ची, 13. हालत, 14. सुंदरता, माधुर्य, 16. परिवार के सदस्य, आश्रित लोग, 18. उलटी, 21. चित्र, शोभा, कांति,

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 68 का हल

प	र	म्प	रा	ग	त		अ	
र			ष्ट्री		सा	व	धि	क
मा	न	वी	य				क	
र्थ			क		अ	व	त	ल
	न	ग	र		ज	ह	र	
वि	त	र	ण		र			आ
	म				अ	ति	दे	व
अ	स्त	ब	ल		म			धि
	क		अ	पा	र	म्प	रि	क

बैंक ऑफ इंडिया, स्टाफ प्रशिक्षण महाविद्यालय, कोलकाता एवं राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं नराकास सदस्य-सचिव प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता : दिनांक 15 मई 2026 को बैंक ऑफ इंडिया, स्टाफ प्रशिक्षण महाविद्यालय, कोलकाता एवं भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के अंतर्गत क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पूर्व क्षेत्र), कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) के नव-नियुक्त सदस्य-सचिवों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन, प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के व्यवहारिक उपयोग, नराकास की कार्यप्रणाली तथा डिजिटल माध्यमों के सशक्त उपयोग के संबंध में प्रतिभागियों को व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारी प्रदान करना था. कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं राष्ट्रगीत के साथ हुआ. अतिथियों का स्वागत पौधे एवं उत्तरीय भेंट कर किया गया. उद्घाटन सत्र में बैंक ऑफ इंडिया, स्टाफ प्रशिक्षण महाविद्यालय, कोलकाता के प्राचार्य ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डाला. इस अवसर पर डॉ. विचित्रसेन गुप्त, उपनिदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पूर्व क्षेत्र), कोलकाता ने उद्घाटन उद्बोधन देते हुए कहा कि राजभाषा हिंदी का प्रभावी क्रियान्वयन प्रशासनिक दक्षता, जनसंपर्क एवं सुशासन को सुदृढ़ बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है. उन्होंने नव-नियुक्त सदस्य-सचिवों से राजभाषा संबंधी दायित्वों का सक्रियता एवं गंभीरता से निर्वहन करने का आह्वान किया. विशिष्ट अतिथि श्री राजेश वी नायर, महाप्रबंधक, कोल इंडिया लिमिटेड ने अपने संबोधन में प्रशासनिक एवं व्यावसायिक कार्यों में हिंदी की बढ़ती प्रासंगिकता तथा व्यवहारिक उपयोगिता पर प्रकाश डाला. तकनीकी एवं विषयगत सत्रों में विभिन्न विशेषज्ञ वक्ताओं द्वारा महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी साझा की गई. श्रीमती तूलिका विश्वास, उप प्रबंधक (राजभाषा), एमसीएल ने नराकास संबंधी अनुभवों एवं कार्यप्रणाली पर प्रस्तुतीकरण दिया. श्री ओमप्रकाश प्रसाद, अनुसंधान अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पूर्व क्षेत्र), कोलकाता ने नराकास बैठकों के आयोजन, ऑनलाइन रिपोर्टिंग तथा दस्तावेज अपलोड प्रक्रिया से संबंधित तकनीकी जानकारी प्रदान की. तृतीय सत्र में श्री राजेश साव, प्रबंधक (राजभाषा), कोल इंडिया लिमिटेड ने नराकास की व्यवहारिक समस्याएँ एवं समाधान विषय पर व्याख्यान दिया, जबकि श्री उदयभान दूबे, सेवानिवृत्त मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), पंजाब नेशनल बैंक ने संसदीय राजभाषा समिति द्वारा निरीक्षण एवं प्रश्नावली विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की. सदस्य-सचिवों के कार्य एवं दायित्वों पर भी विस्तार से चर्चा की गई.

विशेष आकर्षण के रूप में स्टाफ प्रशिक्षण महाविद्यालय, कोलकाता द्वारा डिजिटल मीडिया एवं राजभाषा हिन्दी : प्रभावी प्रशासन और जन जागरूकता का सशक्त माध्यम विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें डिजिटल युग में हिंदी की उपयोगिता, प्रशासनिक संप्रेषण में उसकी भूमिका तथा जनजागरूकता के प्रभावी माध्यम के रूप में हिंदी की संभावनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया. इस विषय पर व्याख्यान डॉ. दीपक कुमार, सहायक प्राध्यापक सह विभागाध्यक्ष, गोयनका कॉलेज, कोलकाता द्वारा प्रस्तुत किया गया. उन्होंने अपने व्याख्यान में डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर हिंदी की बढ़ती भूमिका, सोशल मीडिया एवं ऑनलाइन माध्यमों के प्रभावी उपयोग तथा जनसंपर्क एवं प्रशासनिक कार्यों में हिंदी की उपयोगिता पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला. कार्यक्रम के दौरान आयोजित ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. विजेता प्रतिभागियों को मंचासीन अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए. कार्यक्रम का प्रभावशाली एवं गरिमामय मंच संचालन श्रीमती ज्योति गुप्ता, प्रबंधक (राजभाषा), बैंक ऑफ इंडिया, स्टाफ प्रशिक्षण महाविद्यालय, कोलकाता द्वारा किया गया. धन्यवाद ज्ञापन श्री ओमप्रकाश प्रसाद, अनुसंधान अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पूर्व क्षेत्र), कोलकाता द्वारा प्रस्तुत किया गया. इसी के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ. इस प्रशिक्षण एवं संगोष्ठी में विभिन्न केंद्रीय कार्यालयों, सार्वजनिक उपक्रमों एवं बैंकों से आए सदस्य-सचिवों, राजभाषा अधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की.

वसीयत, उत्तराधिकार और ट्रस्ट पर चैंबर का सेमिनार

संपत्ति के सुरक्षित हस्तांतरण और पारिवारिक विवादों से बचाव पर विशेषज्ञों ने दी महत्वपूर्ण जानकारी

युवा शक्ति न्यूज/कोलकाता: कलकत्ता चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स द्वारा वसीयत, उत्तराधिकार और ट्रस्ट के माध्यम से संपत्ति वितरण विषय पर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता एवं कर सलाहकार पारस कोचर ने संपत्ति संरक्षण, पारिवारिक उत्तराधिकार और कॉरपोरेट सक्सेशन प्लानिंग से जुड़े महत्वपूर्ण कानूनी पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी. कार्यक्रम की शुरुआत में चैंबर के अध्यक्ष अनंत साहरिया ने कहा कि परिवारों और व्यापारिक घरानों के लिए संपत्ति और नेतृत्व का सुचारु हस्तांतरण आज एक बड़ी आवश्यकता बन चुका है. उन्होंने कहा कि सही उत्तराधिकार योजना से परिवार और व्यवसाय दोनों को लंबे कानूनी विवादों से बचाया जा सकता है. अपने संबोधन में वरिष्ठ अधिवक्ता पारस कोचर ने वसीयत, उत्तराधिकार और ट्रस्ट के बीच के कानूनी अंतर को सरल भाषा में समझाया. उन्होंने बताया कि सही तरीके से तैयार और पंजीकृत वसीयत संपत्ति हस्तांतरण की प्रक्रिया को आसान बनाती है और भविष्य के विवादों को कम करती है. उन्होंने यह भी कहा कि फैमिली ट्रस्ट परिवार की संपत्ति को सुरक्षित रखने के साथ-साथ नाबालिग और आश्रित सदस्यों के हितों की रक्षा में भी मददगार होते हैं. सेमिनार में हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम के तहत बेटियों के समान अधिकार और पैतृक संपत्ति के बंटवारे से जुड़े कानूनी प्रावधानों पर भी चर्चा हुई. कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें संयुक्त संपत्ति, विदेशों में फैली पारिवारिक संपत्ति और संपत्ति हस्तांतरण से जुड़े कर संबंधी विषयों पर विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के सवालों के जवाब दिए. अंत में चैंबर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग झुनझुनवाला ने वक्ता का आभार व्यक्त किया.

भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा गंगासागर में स्थापित होगी

■ सवा ग्यारह फुट की है भव्य प्रतिमा ■ 17 मई 2026 को होगा पंचकल्याणक ■ अभी विवेक विहार में है प्रतिमा

युवा शक्ति न्यूज/कोलकाता: श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा, पश्चिम बंगाल एवं पोन्ड्रा जैन समाज के सहयोग से प्रथम बार देवाधिदेव 1008 भगवान पार्श्वनाथ की सवा ग्यारह फुट की प्रतिमा जयपुर के राष्ट्रीय राजमार्ग से गंगासागर के लिये 14 मई को रवाना हुई थी, जो शुक्रवार को आसनसोल और रानीगंज के मध्य होते हुए प्रातः काल 6.30 बजे श्री दिगम्बर जैन मंदिर डाब्सन रोड पर पहुंची. दुर्गापुर और आसनसोल के बीच विहार करते हुए परम पूज्य आचार्य श्री वासुनन्दी जी महाराज ससंघ ने प्रतिमा का अवलोकन किया. श्रावकों द्वारा प्रतिमा पर स्वास्तिक बनाया गया. भारी संख्या में कोलकाता के श्रावकों एवं श्राविकाओं ने प्रतिमा के दर्शन किये. महाराज श्री ने शीघ्र ही पंचकल्याणक हेतु आशीर्वाद दिया. यह भव्य प्रतिमा डाब्सनरोड से विवेक बिहार में आ गयी है. 16 मई को चौरंगी में रहेगी तथा रविवार 17 मई 2026 को गंगासागर में पंचकल्याणक हेतु प्रतिष्ठित की जायेगी. आचार्य श्री 108 वासुनंदी महाराज ने स्वस्तिक बनाकर मंगल क्रिया सम्पन्न की. भारी संख्या में श्रावकों ने उनके दर्शन किये. 17 मई 2026 को गंगासागर में पंचकल्याण हेतु प्रथम बार देवाधिदेव 1008 भगवान पार्श्वनाथ की सवा ग्यारह फुट की भव्य प्रतिमा प्रतिष्ठित की जायेगी. तीर्थ संरक्षिणी महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री राजकुमार जैन सेठी सपरिवार, विजय सरावगी प्रचार मंत्री, तीर्थ संरक्षिणी महासभा पश्चिम बंगाल, विकास जैन कार्यकारिणी सदस्य एवं विनती पाटनी, अध्यक्ष दिगम्बर जैन समाज, आसनसोल इस अवसर पर गंगासागर में उपस्थित रहेंगे. 3 अक्टूबर 2025 को 24 साउथ परगना से दो प्रतिनिधि कोलकाता आये थे. उन्होंने साउथ परगना जिले में सुंदरबन के बारे में जानकारी दी थी. उन्होंने बताया था कि जिस प्रकार से पुरुलिया जिले के गांव-गांव में मूर्तियां हैं, उसी प्रकार से सुंदरबन के गांव-गांव में मूर्तियां हैं. इसी संदर्भ में 25 दिसम्बर 2025 को सुंदरबन के इलाकों में छिपा हमारा गौरवशाली इतिहास और भूली हुई जैन विरासत को पुर्नजीवित करने के लिये एक अनोखी सभा पोंड्रा जैन सम्मेलन 2025 का आयोजन तीर्थ संरक्षिणी महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री राजकुमार जैन सेठी की अध्यक्षता में किया गया था. इस सभा का मूल उद्देश्य सुंदरबन की पुंड्रा जनजाति की खोई हुई पहचान और संस्कृति को अगली पीढ़ी के सामने प्रस्तुत करना था. तत्पश्चात् 1 फरवरी 2026 को दिल्ली में अखिल भारतीय जैन जनगणना जागरूकता समारोह में डॉ. अरूप हल्दर व डॉ त्रिदिप कुमार हल्दर ने पश्चिम बंगाल, सुंदरबन और बांग्लादेश में जैन धर्म के पुनुरूत्थान के लिए एक ओजस्वी आह्वान किया था. यहां पर पोंड्रा जैन समाज के लोग अपने को भद्रबाहु, जो अपना अंतिम श्रुत केवली था, का वंशज मानते हैं. पोंड्रा जैन समाज ने 31 मार्च 2026 को पहली बार 24 साउथ परगना के पुरूषोत्तम नगर, हल्दिया एवं सोनारपुर में महावीर जयंती मनाई थी.

पश्चिम बंगाल उच्च माध्यमिक परीक्षा 2026 में मारवाड़ी बालिका विद्यालय का शत-प्रतिशत परिणाम : के डी अग्रवाल

मारवाड़ी बालिका विद्यालय में कॉमर्स एवं आर्ट्स स्ट्रीम में प्रथम छात्रा निधि राय एवं ममता हेला ।

युवा शक्ति न्यूज/कोलकाता: नारी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहे मारवाड़ी बालिका विद्यालय ने पश्चिम बंगाल उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित कक्षा-12 की परीक्षा में एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है. इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम 100% रहा. विद्यालय के अध्यक्ष श्री के डी अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, हमारी छात्राओं ने अपनी मेहनत और लगन से विद्यालय का नाम रोशन किया है. यह सफलता शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है.

स्मार्ट लर्निंग से शिक्षा में नवाचार : श्री अग्रवाल की दूरदर्शी पहल पर विद्यालय में अनवेलिंग द न्यू ईरा ऑफ़ स्मार्ट क्लासेज के संकल्प के साथ टाटा एज स्मार्ट कक्षाएं सुचारू रूप से संचालित की जा रही हैं. वर्तमान में कक्षा 8 से 10 तक की छात्राएं अत्याधुनिक तकनीक, हाई-डेफिनिशन ग्राफिक्स और डिजिटल एनिमेशन के माध्यम से कठिन विषयों को सरलता और रुचि के साथ समझ रही हैं. प्रबंधन की योजना शीघ्र ही इस सुविधा को अन्य कक्षाओं में भी विस्तारित करने की है. श्री अग्रवाल ने बताया कि छात्राओं को भविष्य की प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार करने हेतु प्रबंधन समिति उच्च माध्यमिक स्तर पर विज्ञान संकाय प्रारंभ करने के लिए प्रतिबद्ध है. इसके लिए भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का निर्माण कार्य प्रगति पर है. अध्यक्ष श्री के डी अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री दिनेश पांडेय, सचिव श्रीमती सुधा जैन एवं हेडमिस्ट्रेस श्रीमती विभा सिंह ने सभी सफल छात्राओं, उनके अभिभावकों और शिक्षिकाओं को बधाई दी तथा छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

टॉपर्स सूची- कॉमर्स संकाय: 1. निधि राय - 91% अंकों के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान, 2. तानिया साव - 90% अंकों के साथ द्वितीय स्थान, 3. इशिका सिंह - 88% अंकों के साथ तृतीय स्थान. **कला संकाय :** 1. ममता हेला - 85% अंकों के साथ प्रथम स्थान, 2. इकरा मंताशा - 78.4% अंकों के साथ द्वितीय स्थान, 3. मनीषा हेला - 78.2% अंकों के साथ तृतीय स्थान .

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा–प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट– सलप, थाना–डोमजूर, जिला–हावड़ा–711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई–मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन